20 जून 2025
शुक्रवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

सहरसा में सड़क हादसे में बाइक सवार जीजा साले की दर्दनाक मौत 4

लालू का ऐलान... नीतीश कुमार को हटाना है, हर हाल में तेजस्वी को सीएम बनाना है

- पटना में आयोजित हुई राष्ट्रीय जनता दल की राज्य परिषद की बैठक
- पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद को मिल सकती है पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की कमान

केटी न्यूज/पटना

पटना में गुरुवार को राष्ट्रीय जनता दल की राज्य परिषद की बैठक आयोजित की गई। इसमें राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने कहा कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के बाद तेजस्वी यादव ही मुख्यमंत्री बनेंगे और इसमें कोई बदलाव नहीं हो सकता है। लालू यादव ने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए एकजुट होकर काम करें। इसके अलावा, उन्होंने आरजेडी के नए प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल को बधाई दी।

वहीं, तेजस्वी यादव ने कहा कि कुछ दिन बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष का भी चुनाव है और मुझे पूरी उम्मीद है कि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह को राष्ट्रीय परिषद में भी जगह दी जाएगी। बिहार की सियासी गलियारों में तेजस्वी के इस बयान के कई मायने निकाले जा रहे हैं। दरअसल, लालू यादव बीमार चल रहे हैं और फिलहाल वो पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। ऐसे में तेजस्वी के बयान के बाद यह चर्चा आम है कि आरजेडी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह को पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। लालू यादव ने कहा कि पार्टी का 28 साल होने वाला है। सभी को इसलिए बधाई। सभी लोग मेहनत करें और राजद की सरकार बनाए। नीतीश कुमार को हटाना है और अपनी सरकार बनाना है। किसानों को और गरीबों को आगे लाना है। तेजस्वी यादव को हर हालत में सीएम बनाएंगे और पार्टी को मजबूत करेंगे। लालू यादव ने कहा कि अब इंतजार का समय नहीं है। अब क्षेत्र में जाने की जरूरत है, जो पार्टी के लिए काम करेगा जो जनता के बीच रहेगा उसे पार्टी टिकट देगी। जगदानंद सिंह ने पार्टी को बहुत आगे बढ़ाया। रात दिन तेजस्वी यादव मेहनत करते है। पार्टी को खड़ा किया है। मै उन्हें धन्यवाद देता हूं। तेजस्वी यादव को हर हालत में सीएम बनाना है।

मंगनी लाल के नेतृत्व में लड़ेंगे विधानसभा चुनाव: तेजस्वी

आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि लालू यादव ने जिस पार्टी राजद की स्थापना की, उसका 5 जुलाई को 28 साल पूरा हो जाएगा। तेजस्वी यादव ने निर्विरोध चुने जाने पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मंगनी लाल मंडल जी ने कर्पूरी ठाकुर के साथ काम किया और लालू यादव के साथ मंत्री भी रहे हैं। हमे उम्मीद है कि हम इनके नेतृत्व में आगामी विधान सभा चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे। तेजस्वी यादव ने कहा कि कुछ दिन बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष का भी चुनाव है और मुझे पूरी उम्मीद है कि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष को राष्ट्रीय परिषद में भी जगह दी जाएगी। 20 साल से नीतीश कुमार सीएम हैं और एनडीए की सरकार है। उससे लोग परेशान हैं और चाहते हैं कि किसी भी तरीके से उन्हें बदला जाए। अब बिहार के बच्चे भी कह रहे हैं 2005 से 25 बहुत हुआ नीतीश। सीएम नीतीश आयोग की बैठक में नहीं जाते हैं लेकिन एनडीए की बैठक में जरूर जाते हैं। नीतीश कुमार को सिर्फ कुर्सी से मतलब है। तेजस्वी यादव ने कहा कि हमने अपने शासन काल में कई काम किए। चाहे अस्पताल में छापेमारी हो, लोगों को रोजगार दिया हो या फिर बिगड़ती व्यवस्था को ठीक किया हो। आज हम सरकार में नहीं हैं लेकिन एक भी उपलब्धि बता दें जो उन्होंने किया हो। अब तो बिहार में 2 उप मुख्यमंत्री हैं लेकिन अब तक कुछ नहीं हुआ। ये लोग केवल कंपीटिशन करते है कि कौन लालू यादव और तेजस्वी यादव को गाली देगा।

ये जंगलराज नहीं: तेजस्वी

पटना: राजधानी पटना में बेखौफ अपराधियों ने वीवीआईपी इलाके में फायरिंग की है। इसको लेकर तेजस्वी ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि आज मेरे आवास के बाहर गोली चली है या चलवाई गई है। पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट शेयर कर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए के राक्षस राज में अपराधियों का मनोबल इतना ज्यादा बढ़ गया है कि हाई सिक्योरिटी जोन में भी गोलीबारी हो रही है। उन्होंने कहा कि कुछ ही दूरी पर राजभवन, सीएम आवास, नेता प्रतिपक्ष आवास और न्यायाधीश आवास भी है। इसके बावजूद बदमाश खुलेआम फायरिंग करते घूम रहे हैं। इसके बावजूद इसे जंगलराज नहीं कह सकते।

खबरें फटाफट

लेह जा रहे इंडिगो के विमान की कराई गई आपात लैंडिंग

नई दिल्ली। दिल्ली से लेह जा रहे इंडिगो के विमान की आपात लैंडिंग कराई गई। विमान में तकनीकी खराबी आने के बाद पायलट की सूचना पर विमान को वापस दिल्ली लाया गया। विमान की आपात लैंडिंग से यात्रियों में हड़कंप मच गया। बाद में यात्रियों के लिए वैकल्पिक विमान का इंतजाम किया गया। वहीं हैदराबाद से तिरुपति जा रहे स्पाइसजेट के विमान एसजी 2696 की तकनीकी खराबी आने के बाद वापस हैदराबाद एयरपोर्ट पर लैंडिंग कराई गई। इंडिगो एयरलाइन के अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली से लेह के लिए उड़ान भरने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई 2006 में तकनीकी खराबी आ गई। विमान के लेह में उतरने के लिए परिचालन प्रतिबंधों के कारण इसे वापस दिल्ली लौटना पड़ा। इस बीच यात्रियों को लेह ले जाने के लिए वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की गई।

स्पाइसजेट के विमान में खराबी: हैदराबाद से तिरुपति जा रहे स्पाइसजेट एसजी 2696 विमान में तकनीकी खराबी आ गई। यह विमान सुबह 6:10 बजे उड़ना था, लेकिन यह 6:19 पर उड़ा। इसके बाद विमान में तकनीकी खराबी की सूचना मिली। पीआरओ जीएमआर ने बताया कि विमान को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर वापस लाया और सुरक्षित लैंडिंग कराई गई।

प्रस्ताव में सबसे अधिक शराब के अवैध कारोबार में शामिल तस्करों के नाम

52 बड़े अपराधियों की जब्त होगी संपत्ति नीतीश सरकार ने ईडी को भेजा विवरण

- एक दर्जन से अधिक मामलों पर प्रवर्तन निदेशालय ने ईसीआईआर दर्ज कर शुरू कर दी है कार्रवाई
- बालू माफिया, नक्सली, हत्या, रंगदारी आदि मामलों में शामिल अपराधियों पर होगी कार्रवाई
- करीब 57 करोड़ रुपए की जब्ती की शुरू हुई कवायद

केटी न्यूज/पटना

राज्य सरकार ने सूबे के 52 बड़े अपराधियों की संपत्ति जब्त करने के लिए व्यापक स्तर पर कवायद की है। विभिन्न तरह के अपराधों के माध्यम से अवैध तरीके से अकूत संपत्ति जमा करने वाले अपराधियों का पूरा विवरण प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को भेजा है। ताकि इन पर पीएमएलए (प्रीवेंशन ऑफ मनी लॉड्रिंग एक्ट) के तहत सख्त कार्रवाई की जा सके। इसमें परमादी मिलर, बालू माफिया, शराब तस्कर, साइबर अपराधी, जमीन माफिया, ठगी समेत अन्य श्रेणी के अपराधी शामिल हैं। ईडी के पास ये सभी 52 प्रस्ताव ईओयू (आर्थिक अपराध इकाई) के माध्यम से भेजे गए हैं। ये तमाम प्रस्ताव 2020 से अब तक अलग-अलग चरणों में भेजे गए हैं। इसमें कुछ एक पर तेजी से कार्रवाई भी शुरू हो गई है। इसमें एक दर्जन से अधिक मामलों पर प्रवर्तन निदेशालय ने ईसीआईआर दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। जिन अपराधियों की संपत्ति जब्ती का प्रस्ताव भेजा गया है। इनमें सर्वाधिक 18 की संख्या शराब के अवैध कारोबार में शामिल तस्करों की है। इन सभी की 18 करोड़ 49 लाख रुपये की संपत्ति जब्ति का प्रस्ताव है। यह इन अपराधियों की अवैध संपत्ति का सरकारी मूल्य है। बाजार मूल्य इससे कहीं अधिक है। इसके बाद 10 बालू माफियाओं तथा हत्या, रंगदारी, इंट्री माफिया समेत अन्य अपराधों में शामिल 10 बड़े अपराधियों की संपत्ति जब्ति का प्रस्ताव है। इन दोनों तरह के अपराधियों की 23 करोड़ 85 लाख रुपये की संपत्ति दावं पर लगी है।

इतने अपराधियों की संपत्ति जब्ती का प्रस्ताव

2 प्रमादी मिलरों की 2 करोड़ 69 लाख रुपये, 4 नक्सलियों की 2 करोड़ 17 लाख, 1 जाली नोट के तस्कर की 30 लाख, 2 गांजा तस्करों की 1 करोड़ 63 लाख रुपये, 1 साइबर अपराधी की 86 लाख रुपये, 3 जमीन माफियाओं की 4 करोड़ 93 लाख रुपये और 1 ठग की 2 करोड़ 3 लाख रुपये की अवैध संपत्ति को जब्त करने का प्रस्ताव भेजा गया है।

विधायक अरूण यादव उर्फ अरूण सिंह का भी नाम शामिल: जिन कुख्यातों की संपत्ति पीएमएलए के अंतर्गत जब्त करने के लिए भेजा गया है। उसमें विधायक से लेकर अन्य अपराधी शामिल हैं। भोजपुर जिला के अगिआंव थाना की लसाढ़ी गांव के रहने वाले विधायक अरूण यादव उर्फ अरूण सिंह भी शामिल हैं। इन पर हत्या, रंगदारी, रेप, ठगी समेत अन्य कई संगीन अपराधों में मामले दर्ज हैं। भोजपुर के पीरो थाना के बरौली का रहने वाला कुख्यात शराब तस्कर धीरेंद्र कुमार सिंह उर्फ धीरू, समस्तीपुर के ताजपुर का शराब तस्कर मुकेश सहनी, बांका के रजौन थाना का अवैध बालू खनन माफिया निलेश यादव, छोटू यादव, औरंगाबाद के कसमा का कुख्यात नक्सली प्रमोद मिश्रा उर्फ प्रमोदजी उर्फ बनबिहारी, किशनगंज के बालुचक्का का वाहन पासिंग माफिया गुलाम मुस्तफा के अलावा बेगूसराय के लोहियानगर थाना का प्रमादी मिलर शंभू साह, बांका का बालू माफिया विभिषण यादव, नक्सली प्रवेश कुमार मिश्रा उर्फ प्रवेश मिश्रा उर्फ प्रवेश राय, लखीसराय के किऊल थाना का जीवन यादव, सहरसा के सौरबाजार का प्रमादी मिलर युवराज भगत, गया के इमामगंज का नक्सली ललन भोक्ता, गोपालगंज के फुलवरिया का शराब माफिया बसंत सिंह, गया के कोंच का नक्सली विजय कुमार आर्या, गया के बेलागंज का जाली कारोबारी प्रभात कुमार अग्रवाल, भोजपुर के कोईलवर का बालू माफिया सोनु खान, आरा के कोईलवर के महादेवचक सेमरियां का बालू माफिया विदेशी राय, मधुबनी के फुलपरास के सिसवा बरही का अपराधी सुनील कुमार यादव, पटना के फतुहा थाना के कच्ची दरगाह का गांजा तस्कर राजकुमार राय, मधुबनी के बाबूबहरी थाना के सर्रा का जालसाज या ठग मनोज झा, पटना के खुशरूपुर थाना के कासिमपुर पंचरुखिया का जमीन माफिया संजय कुमार उर्फ संतोष कुमार, पटना के दानापुर के नया टोला का रहने वाला भू-माफिया पारस राय समेत अन्य शामिल हैं। सरकार के इस कदम से अपराधियों में हड़कंप मचा है।

मेरी भूमिका मेरी प्यारी जनता और सुप्रीम कोर्ट तय करेगी: तेज प्रताप

केटी न्यूज/पटना

तेज प्रताप यादव ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है। इस पोस्ट की भी एक बार फिर राजनीतिक महकमे में काफी चर्चा होगी। वजह यह है कि तेज प्रताप यादव ने इस पोस्ट में चेतावनी भरे शब्दों का प्रयोग किया है। उन्होंने लिखा है कि 'मेरी खामोशी को मेरी कमजोरी समझने की भूल करने वालो, ये मत समझना कि मुझे तुम्हारी साजिशों का पता नही, शुरूआत तुमने किया है अंत मैं करूंगा, झूठ और फरेब के बनाये इस चक्रव्यूह को तोड़ने जा रहा हूं, तैयार रहना सच सामने आने वाला है, मेरी भूमिका मेरी प्यारी जनता और माननीय सर्वोच्च न्यायालय तय करेगा, कोई दल या परिवार नहीं.....'

ज्ञात हो कि तेज प्रताप के सोशल मीडिया अकाउंट से एक पोस्ट वायरल होने के बाद लालू प्रसाद ने उन्हें पार्टी से छह साल के लिए निलंबित कर दिया। साथ ही उन्हें घर और परिवार से बेदखल कर दिया है।

पेपर लीक मामले में बिहार और झारखंड में 11 ठिकानों पर छापेमारी

ईडी की दबिश

केटी न्यूज/पटना

सिपाही भर्ती परीक्षा में हुए पेपर लीक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की बड़ी कार्रवाई सामने आई है। मनी लॉन्ड्रिंग के तहत दर्ज इस मामले में ईडी की टीम ने गुरुवार को बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में एक साथ कई ठिकानों पर छापेमारी की। ईडी की टीम ने पटना जिले के दानापुर स्थित जेन एक्स अपार्टमेंट के ब्लॉक-सी के फ्लैट संख्या 607 में छापेमारी की और उसे सील कर दिया। यह फ्लैट इंजीनियर सिकंदर प्रसाद यदुवंशी का बताया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, सिकंदर प्रसाद यदुवंशी इस भर्ती घोटाले से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। इस सर्च ऑपरेशन के तहत ईडी की टीम ने बिहार और झारखंड में कुल 11 ठिकानों पर छापेमारी की। पटना में डॉ. शिव नामक एक अन्य आरोपी के ठिकाने पर भी तलाशी ली गई, वहीं झारखंड की राजधानी रांची में भी सिकंदर प्रसाद यदुवंशी के आवास पर ईडी की टीम ने दबिश दी। अधिकारियों का मानना है कि इस परीक्षा घोटाले से जुड़े आरोपियों ने अपराध से अर्जित काले धन को वैध बनाने के लिए कई स्तरों पर वित्तीय लेन-देन किए हैं।

मनसे प्रमुख राज ठाकरे की चेतावनी... हम स्कूलों में छात्रों को हिंदी नहीं पढ़ाने देंगे

एजेंसी/मुंबई

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकताओं ने राज्य में जगह-जगह हिंदी की किताबें जलाईं। वहीं मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने एक बार फिर सरकार के फैसले पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हम स्कूलों में छात्रों को हिंदी नहीं पढ़ाने देंगे। महाराष्ट्र में केंद्र सरकार के तीन भाषा फामूर्ले को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। राज्य की महायुति सरकार ने छात्रों के लिए हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य बनाने की बाध्यता हटा दी है। अब प्रदेश के स्कूलों में कोई भी भारतीय भाषा तीसरी भाषा के रूप में चुनी जा सकती है। मनसे प्रमुख राज ठाकरे और कुछ मराठी संगठनों ने सरकार पर हिंदी थोपने का आरोप लगाया है। मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने कहा कि एमपी और यूपी में कौन सी भाषा को तीसरी भाषा के तौर पर पढ़ाएंगे? मराठी राज्य भाषा है, तो यह भाषा क्यों थोप रहे हैं? यूपी, बिहार और एमपी में तीसरी भाषा क्या मराठी सिखाएंगे।

बिहार में उपचुनाव: घर बैठे मोबाइल से डाल सकेंगे वोट

एजेंसी/पटना

बिहार राज्य निर्वाचन आयोग देश में पहली बार ई-वोटिंग का प्रयोग करने जा रहा है। इसका इस्तेमाल नगर पालिका आम और उप निर्वाचन में किया जा रहा है। तीन जिलों के 6 नगर पंचायत में मुख्य पार्षद, उपमुख पार्षद और वार्ड पार्षद के चुनाव में ई वोटिंग का प्रयोग होगा। ई-वोटिंग के लिए मतदाताओं का रजिस्ट्रेशन का काम चल रहा है। वहीं नगर निकायों में रजिस्ट्रेशन 13 जून से शुरू हुआ है, जो 22 जून तक चलेगा। वहीं, 30 जून को काउंटिंग होगी। अभी तक 10 हजार मतदाताओं ने अपना रिजिस्ट्रेशन ई-वोटिंग से करने के लिए कराया है। इनमें से करीब 1800 मतदाता मतदाता छह नगर पालिकाओं में होनेवाले आम निर्वाचन के लिए आवेदन किया है। इसी प्रकार से करीब 8200 मतदाताओं ने उप चुनाव में मतदान के लिए ई-वोटिंग के लिए आवेदन किया है। राज्य निर्वाचन आयुक्त डॉ. दीपक प्रसाद के अनुसार नगरपालिका आम चुनाव और उप-चुनाव में ई-वोटिंग के लिए कुल लक्षित मतदाताओं की संख्या 50200 है।

बिहार में पंचायत उप चुनाव के लिए 2634 सीटों पर 9 जुलाई को वोट डाला जाएगा, उससे पहले 28 जून को तीन जिलों की 6 नगर पंचायत में तीन पदों के लिए और 28 जिलों के 48 नगर निकायों में कुल 51 सीटों के लिए उपचुनाव होगा। जहां ई-वोटिंग की अनुमति दी गई है। उसमें पटना जिले की नगर पंचायत खुसरूपुर, नौबतपुर और विक्रम है। इसके अलावे पूर्वी चंपारण के नगर महेशी, पकरी दयाल और रोहतास का कोचस शामिल है। वहीं बांका, बक्सर, गया, सारण और सिवान जिले के नगर पालिका उपचुनाव में भी वोटिंग का प्रयोग किया जाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्री पूर्व आईएएस आशुतोष अग्निहोत्री की लिखी गई पुस्तक के विमोचन कही बात

इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को जल्द ही शर्म आएगी: शाह

एजेंसी/नई दिल्ली

राष्ट्र की पहचान उसकी अपनी भाषा से होती है। भारतीय भाषाओं के महत्व पर जोर देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भारत की भाषाई विरासत को दोबारा प्राप्त करने और देशी भाषाओं पर गर्व के साथ दुनिया का नेतृत्व करने का समय आ गया है। शाह ने कहा कि इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को जल्द ही शर्म आएगी। ऐसे समाज का निर्माण दूर नहीं है, केवल दृढ़ निश्चयी लोग ही बदलाव ला सकते हैं। मेरा मानना है कि हमारे देश की भाषाएं हमारी संस्कृति के रत्न हैं। अपनी भाषाओं के बिना हम सच्चे भारतीय नहीं हैं। अपने देश, अपनी संस्कृति, अपने इतिहास और अपने धर्म को समझने के लिए कोई भी विदेशी भाषा पर्याप्त नहीं हो सकती है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के पंच प्रण कै जिक्र किया। विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करना, गुलामी की हर सोच से मुक्ति पाना, विरासत पर गर्व करना, एकता और एकजुटता, प्रत्येक नागरिक में कर्तव्य की भावना जगना। उन्होंने कहा कि ये पांच प्रतिज्ञाएं देश के नागरिकों का संकल्प बन गई हैं। 2047 के विकसित भारत की यात्रा में हमारी भाषाएं प्रमुख भूमिका निभाएंगी।

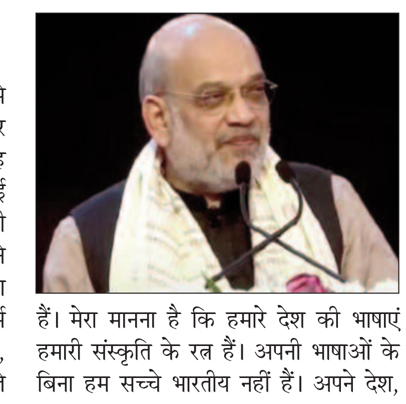

प्रशासनिक प्रशिक्षण मॉडल में सहानुभूति को करना होगा शामिल

गृह मंत्री पूर्व आईएएस आशुतोष अग्निहोत्री की लिखी गई पुस्तक मैं बूंद स्वयं, खुद सागर हूं, के विमोचन में गुरुवार को शामिल हुए। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों के प्रशिक्षण मॉडल में सहानुभूति लाने पर जोर दिया। शाह ने कहा कि यह मॉडल ब्रिटिश काल से प्रेरित है, इसलिए यहां सहानुभूति की कोई जगह नहीं है। मेरा मानना है कि कोई शासक अगर सहानुभूति के बिना शासन करता है, तो वह अपने वास्तविक उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर सकता है।

आधुनिक विकास की ओर अग्रसर हुआ आथर पंचायत: जिलाधिकारी

- डीएम ने किया पंचायत भवन, ग्रामीण हाट, मॉडल लाइब्रेरी एवं आंगनबाड़ी केंद्र के अलावा प्लांट्स का भी निरीक्षण

केटी न्यूज/नावानगर

गुरुवार को स्थानीय प्रखंड अंतर्गत आथर पंचायत में जिला पदाधिकारी ने पंचायत सरकार भवन, ग्रामीण हाट, मॉडल पुस्तकालय तथा आँगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम द्वारा विभिन्न योजनाओं की प्रगति, संचालन एवं रख-रखाव की स्थिति की समीक्षा की गई। डीएम ने सबसे पहले पंचायत भवन का निरीक्षण किया, जहां आरटीपीएस काउंटर पर प्राप्त आवेदनों के निष्पादन में तेजी लाने एवं सभी विभागीय कर्मियों को रोस्टर के अनुसार समय पर उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया।

उन्होंने मनरेगा योजना अंतर्गत करीब 34 लाख की लागत से निर्मित ग्रामीण हाट का अवलोकन किया। अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त इस ग्रामीण हाट में कुल 84 दुकानें व 04 जीविका दीदियों के लिए स्थायी दुकानें बनाई गई हैं, जिनमें किराना, सिलाई, ब्यूटी पार्लर जैसी स्वरोजगार गतिविधियाँ संचालित हो रही हैं। परिसर में शौचालय, नडेप, बिजली, उद्यान एवं सीसीटीवी कैमरे की भी व्यवस्था की गई है।

डीएम ने कार्य की गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त करते हुए जल्द से जल्द हाट का हस्तांतरण पंचायत को करने का निर्देश दिया। यह हाट ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देगा एवं महिला आत्मनिर्भरता की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा। इसके साथ ही उन्होंने परिसर में स्थित आधुनिक पुस्तकालय के संचालन की सराहना की तथा इसके बेहतर रख-रखाव के लिए आवश्यक निर्देश भी दिए। मौके पर प्रखंड से लेकर जिला के कई पदाधिकारी एवं पंचायतों के जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

औद्योगिक इकाई में भूमिगत जल के दोहन को रोकने का करें प्रयास

बक्सर। डीएम डॉ. विद्यानंद सिंह के द्वारा नावानगर औद्योगिक क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। डीएम ने वरुणा बिवरेज (पेप्सी प्लांट) के मैन्युफैक्चरिंग इकाई की शाखाओं का भ्रमण किया। इसके बाद प्रबंधन इकाई से प्रजेंटेशन के माध्यम से औद्योगिक इकाई में कार्यरत मानव बल की जानकारी ली। डीएम ने पूछा कि औद्योगिक इकाई के कार्य में भूमिगत जल का दोहन होगा। इसके लिए औद्योगिक इकाई के द्वारा क्या कार्य किया जा रहा है। जिसके आलोक में औद्योगिक इकाई के द्वारा बताया गया कि वाटर हार्वेस्टिंग के माध्यम से जल का संचयन परिसर में ही किया जाएगा। वहीं आस पास के मृत प्राय: तालाब एवं पोखर का जीर्णोद्वार कर उपयोग की गई जल से 1.5 गुणा अधिक जल का संचयन किया जाएगा। इसी क्रम में एसएलएमजी प्लांट (कोका कोला प्लांट) का भी भ्रमण किया गया।

अहियापुर ट्रिपल मर्डर के दो आरोपियों का घर हुआ कुर्क, एक गिरफ्तार

बक्सर। राजपुर थाना क्षेत्र के बहुचर्चित अहियापुर ट्रिपल मर्डर केस में फरार चल रहे दो सगे भाईयों की संपति को पुलिस ने कुर्क किया है, वहीं एक नामजद आरोपी को गिरफ्तार करने में पुलिस को सफलता मिली है। दंडाधिकारी आरओ रूपा कुमारी व राजपुर थानाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश के नेतृत्व में भारी पुलिस बल के साथ पुलिस ने फरार अभियुक्त विकास यादव और शिवम यादव के घर की कुर्की की कार्रवाई की। यह कार्रवाई न्यायालय से जारी कुर्की-जब्ती आदेश के तहत की गई।

पुलिस बल जैसे ही अभियुक्तों के अहियापुर स्थित आवास पर पहुंचा, इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर दंडाधिकारी की मौजूदगी में घर के दरवाजे, खिड़कियां, फर्नीचर, बर्तन सहित अन्य कीमती सामानों को जब्त किया गया। कुर्की के दौरान स्थानीय लोग भी बड़ी संख्या में वहां जमा हो गए थे। पुलिस ने पूरे क्षेत्र में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। विकास यादव और शिवम यादव की तलाश में पुलिस कई बार छापेमारी कर चुकी है, लेकिन दोनों अब तक फरार हैं। पुलिस की ओर से पहले ही इन दोनों के खिलाफ वारंट जारी किया गया, उसके बाद इस्तेहार चस्पया गया था। बता दें कि इस घटना में अब तक कुल छह आरोपियों के घरों पर कुर्की की गई। अहियापुर थाना क्षेत्र में हुई इस ट्रिपल मर्डर वारदात से पूरे इलाके में दहशत फैल गई थी।

कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के नुआंव में इंडियन ऑयल की पाइप लाइन में किया गया छेद

बरौनी-कानपुर पाइपलाइन से तेल चोरी के मामले में अज्ञात पर प्राथमिकी

- कंपनी के अभियंता ने जांच कर पकड़ा मामला, पुलिस को दी सूचना
- पाइप लाइन से जाती है अति ज्वलनशील तेल, हो सकता था बड़ा हादसा

केटी न्यूज/डुमरांव

बरौनी से कानपुर तक जाने वाले तेल पाइप लाइन में चोरी का मामला सामने आया है। पाइप लाइन में चोरी की यह वारदात कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के नुआंव गांव के बधार में हो रही थी। इस बधार से होकर ही पाइप लाइन गुजरा है।

दो दिन पूर्व इंडियन ऑयल के पेट्रोलिंग गार्ड प्रमोद कुमार पाइप लाइन का निरीक्षण करने निकले थे। इस दौरान नुआंव गांव के बधार में एक जगह पाइप लाइन के ठीक उपरी सतह पर मिट्टी खुदाई के संकेत मिले। जिसे देख वे चौक गए तथा कुछ फीट मिट्टी हटाकर देखने पर अंदर प्लास्टिक की बोरियां दिखाई पड़ी। माजरा समझते ही उन्होंने अभियंता विशाल कुमार को जानकारी दी। वहीं, अभियंता ने स्थानीय पुलिस व इंडियन ऑयल टीम को इससे अवगत कराया।

जानकारी मिलते ही इंडियन ऑयल व कृष्णाब्रह्म थाने की टीम मौके पर पहुंची तथा जब मिट्टी व बोरियों को हटा पड़ताल की तो पाइप लाइन से चोरी की बात सामने आई। इसकी जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस भी सकते में आ गई है।

पाइप में छेद कर हो रही थी तेल की चोरी: इंडियन ऑयल की टीम व पुलिस के समक्ष जब खुदाई करवाई गई तो यह पाया गया कि उसके नीचे पाइप में एक होल किया गया है, जिसके उपर 2 इंच का वाल्व लगाकर पेट्रोलियम उत्पाद की चोरी की जा रही थी। पड़ताल के दौरान उक्त जगह से तेल का रिसाव भी हो रहा था। अभियंता विशाल कुमार ने बताया कि यह अति ज्वलनशील किस्म का तेल है तथा थोड़ी सी लापरवाही होने पर अगलगी की बड़ी घटना हो सकती थी। अभियंता ने बताया कि यह कृत्य न केवल राष्ट्रीय संपत्ति के साथ खिलवाड़ है, बल्कि अत्यधिक ज्वलनशील पदार्थों के कारण जान-माल के नुकसान का गंभीर खतरा भी उत्पन्न करता है।

दो दशक पहले डुमरांव में भी हुई थी पाइप लाइन से तेल चोरी: इस घटना ने दो दशक पहले डुमरांव के महरौरा में पाइप लाइन से तेल चोरी की घटना सामने आई थी। तब महरौरा गांव से पश्चिम स्थित बधार से गुजर रहे पाइप लाइन में छेद टैंकर से तेल की चोरी हो रही थी। पुलिस ने सूचना पर टैंकर सहित तेल की चोरी करने वाले चोरों को पकड़ा था।

चोरी रोकने के लिए कंपनी करती है आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल: बता दें कि बरौनी से कानपुर तक बिछाए गए पाइप लाइन की देखरेख व चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए इंडियन ऑयल कंपनी बड़ी संख्या में कर्मियों की नियुक्ति करने के साथ ही आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल भी करती है। इसके लिए दशकों पूर्व जगह-जगह टावर भी लगाए गए है। इनमें जिले में अभी भी ब्रह्मपुर के योगिया व औद्योगिक थाना क्षेत्र के बरूणा गांव में इंडियन ऑयल का टॉवर मौजूद है। पूर्व में डुमरांव में भी एक टॉवर था, जिसे पिछले साल ही खोला गया है। कंपनी कई अन्य आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करती है, ताकी चोरी या पाइप क्षतिग्रस्त होने पर तुरंत पकड़ा जा सकें, लेकिन नुआंव के पास कितने दिन से तेल की चोरी हो रही थी और चोरों ने कितने तेल चुराए है, इसकी जानकारी कंपनी को नहीं मिल सकी है।

मामले में एफआईआर दर्ज: इस संबंध में थानाध्यक्ष चंचल महंथा ने बताया कि बरौनी पाइप लाइन में चोरी का मामला सामने आया है। इस मामले में एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। पुलिस चोरों की पड़ताल में जुट गई है। जल्दी ही चोरों को पकड़ लिया जाएगा। उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों से भी पुलिस का सहयोग करने की अपील की है।

गड़बड़ी सामने आते ही रोकी गई आपूर्ति

वहीं, पाइप लाइन से तेल चोरी व पाइप को क्षतिग्रस्त किए जाने की जानकारी मिलते ही प्रबंधन ने इस पाइप लाइन से तेल की आपूर्ति रोक दी। पाइपलाइन से आपूर्ति ठप होने के कारण आस-पास के इलाकों में ईंधन की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। प्रबंधन का कहना है कि क्षतिग्रस्त पाइप के मरम्मत के बाद ही आपूर्ति फिर से शुरू की जाएगी। साथ ही, कंपनी के अभियंता ने आसापास के इलाकों में भी छीनबीन की।

इस संबंध में इंडियन आयल के जेई विशाल कुमार ने कृष्णाब्रह्म थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ पेट्रोलियम पाइपलाइन अधिनियम, विस्फोटक अधिनियम, सार्वजनिक संपत्ति अधिनियम एवं भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं के अंतर्गत एफआईआर दर्ज कराया है।

एक नजर

युवा जनसुराज के शाहाबाद प्रभारी बने बजरंगी मिश्र, पार्टी को मिलेगी मजबूती

बक्सर। जन सुराज पार्टी ने संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा फैसला लिया है। पार्टी के संस्थापक सदस्य एवं प्रदेश कार्य समिति के सदस्य बजरंगी मिश्र को जन सुराज युवा का शाहाबाद प्रभारी नियुक्त किया गया है। यह निर्णय पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर द्वारा लिया गया। उन्होंने मिश्र पर अपना विश्वास जताते हुए उन्हें यह नई जिम्मेदारी सौंपी है। बजरंगी मिश्र को मिली इस अहम जिम्मेदारी से उनके समर्थकों और पार्टी कार्यकताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला है। उन्होंने पार्टी के युथ विंग का शाहाबाद प्रभारी बनाए जाने पर वरिष्ठ नेता तथागत हर्षवर्धन ने बधाई देते हुए कहा कि बजरंगी मिश्र को युथ जनसुराज का शहाबाद का प्रभारी बनाया जाना पार्टी का एक बेहतरीन निर्णय है। नवनिर्मित संगठन को बजरंगी मिश्र जैसे संगठनकर्ता का सबल नेतृत्व नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि बजरंगी मिश्र एक कुशल नेतृत्वकर्ता के साथ ही पार्टी के प्रति समपर्ण का भाव रखते है। वहीं, इस मनोनयन पर बजरंगी मिश्र ने कहा कि उनका प्रयास जनसुराज के सिद्धांतों को घर-घर पहुंचा संगठन को मजबूत करना है। उनकी पहली प्राथमिकता अधिक से अधिक युवाओं को पार्टी से जोड़ने की है, ताकी संगठन मजबूत होने के साथ ही उजार्वान कार्यकताओं की कमी नहीं रहे। उन्होंने कहा कि बिहार की राजनीति की दिशा व दशा तय करने में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होने जा रही है। उन्होंने कहा कि जन सुराज ही इकलौती ऐसी पार्टी है, जिसने युवाओं के कंधे पर बड़ी जिम्मेवारी दी है। बजरंगी ने कहा कि युवाओं के बदौलत ही वे शाहाबाद क्षेत्र में जनसुराज को मजबूत बनाएंगे। उन्हें बधाई देने वालों में पूर्व विधायक श्रीकांत पाठक, जिलाध्यक्ष दिवाकर पाठक, धनजी पांडेय, मणि शंकर पांडेय, अरविंद पांडेय, महिला अध्यक्ष अंशु कुमारी, युवराज शिवांग विजय सिंह, ललन मिश्र, श्रीमन राय, रेखा कुशवाहा, रवि सिन्हा, अजय मिश्र, विजय पाठक, आनंद मिश्र, अनिल यादव, प्रभु दत्त ओझा, अजीत सम्राट, मो. सलीम, अभिषेक मौर्य, कीर्तन पाठक, निशांत कुमार, विकास पराशर सहित अनेक नेता शामिल है।

पिछड़ा-अति पिछड़ा को अनदेखा कर चुनाव जीतना अंसभव है : रवि उज्जवल कुशवाहा

डुमरांव। जदयू के पूर्व डुमरॉव विधानसभा प्रभारी रवि उज्जवल कुशवाहा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा की कुछ नये अनुकंपा वाले नेता की बहाली हुई है, जो सोच रहे की लिट्टी चोखा पार्टी देकर मतदाता और कार्यकताओं को लुभा लेगे, शायद उन्हें यह नही पता है की पहले वाला जमाना गया अब लोग समझने लगे हैं। पिछड़ा अति पिछड़ा को अनदेखा कर के डुमरॉव में कोई सोच ले की विधायक का जीत हासिल कर ले तो नामुमकिन है, अगले माह पिछड़ा अतिपिछड़ा का महापंचायत होगा उसमें दोनो समुदाय के लोग अपना मत कहा देगे यह स्वयं घोषणा करेंगे। जदयू के नेतृत्व से अनुरोध है डुमरॉव की सिट एनडीए की झोली मे चाहते हैं तो अनुकंपा और उड़नखटोले वाले नेताओ से दूर रहें। आप सोंच सकते हैं कि सोने के चम्मच लेकर पैदा हुए नेता कहा से दुख दर्द लोगो का समझ पायेगें। रवि उज्जवल ने कहा की मै लगातार जनता के बीच रहा ओर जनता एग्रीमेन्ट यात्रा के तहत लोगो की समस्याओ को निदान हेतु लिखित देकर वचनबद्ध हूँ। इसलिए मै चुनाव लंडूगा, यदी पार्टी हमे अनदेखा करेगी तो सिर्फ हमे ही नही समझिये पुरे पिछड़ा अतिपिछड़ा को अनदेखा करेगी। रवि उज्जवल की डुमरॉव विधानसभा के पिछड़ा अतिपिछड़ा समाज के जड तक पहुंच चुकी है। जनता अपना निर्णय ले चुकी है की उसको किसके साथ रहना है। पार्टी अपना निर्णय ले, जनता की समस्याओ को लेकर मेरा संघर्ष जारी रहेगा।

मुफस्सिल थाना क्षेत्र में मिले दो शव

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में गुरुवार की सुबह दो अलग-अलग स्थानों पर शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों द्वारा सूचना दिए जाने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दोनों शवों को अपने कब्जे में ले लिया।

पहला शव छोटका नुआंव के समीप ठोरा नदी पर बने पुल के नीचे से बरामद किया गया। पुलिस जांच के बाद मृतक की पहचान छोटका नुआंव, वार्ड संख्या 10 निवासी बबन राम के पुत्र गांधी कुमार उम्र 37 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

बताया जाता है गांधी कुमार बुधवार से ही अपने घर से गायब था, उनकी काफी खोजबीन की गई, लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। अब सूचना मिली पुल के पास शव मिला है।

वहीं, दूसरा शव महदह नहर के पास मिला है, जो एक पुरुष का है। हालांकि इस शव की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस का कहना है कि अज्ञात शव की पहचान के लिए प्रयास जारी हैं और आसपास के थाना क्षेत्रों में सूचना प्रसारित की जा रही है।

सदर एसडीपीओ धीरज कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि दोनों मामलों की गंभीरता से जांच की जा रही है। मौके से कोई हथियार या संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है, लेकिन मौत के कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।

दो शव मिलने से क्षेत्र में भय और आशंका का माहौल बना हुआ है। पुलिस स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रही है।

तालाब में नहाने के दौरान डूबा किशोर, शव बरामद

- मुरार थाना क्षेत्र के वैदा गांव के समीप स्थित नागा बाबा के तालाब में हुआ हादसा

केटी न्यूज/चौगाईं

एक किशोर के तालाब में डूबने से मौत हो गई है। घटना गुरूवार की शाम करीब चार बजे मुरार थाना क्षेत्र के वैदा गांव के समीप स्थित नागा बाबा के तालाब की है।

हालांकि, उसके साथ नहा रहे दोस्तों के शोरगुल मचाने पर स्थानीय गोताखोरों ने तत्काल शव को पानी से निकाल दिया तथा लोग उसे लेकर चौगाईं सीएचसी पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान ओझा बरांव गांव निवासी मैनेजर यादव के 17 वर्षीय पुत्र अनिश यादव के रूप में हुई है। वह दो भाईयों में छोटा था।

नहाने के दौरान जलक्रीड़ा कर रहे थे: मिली जानकारी के अनुसार अनीश गुरूवार की शाम अपने आठ-दस दोस्तों के साथ अपने गांव से नागा बाबा के तालाब में नहाने के लिए आया था। सभी नहाने के दौरान जलक्रीड़ा कर रहे थे, इसी दौरान अचानक अनिश गहरे पानी में समा गया, जिससे उसकी मौत हो गई। डुबने के दौरान उसकी चीख पुकार सुन दोस्तों ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद उसके साथी तालब से बाहर निकल शोरगुल मचाए। देखते ही देखते करीब आधा दर्जन गोताखोर लोगों ने तालाब में छलांग लगा दिए। थोड़ी देर बाद ही उसे पानी से बाहर निकाल भी लिया गया, लेकिन तबतक देर हो चुकी थी। अस्पताल में जाने के बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सूचना मिलते ही स्वजनों में कोहराम मच गया है। स्वजन दौड़े भागे घटना स्थल पर पहुंचे तथा शव से लिपट क्रंदन चित्कार कर उठे। स्वजनों के रोने व चिखने से गांव का माहौल गमगीन हो गया था। ग्रामीणों का कहना है कि मृतक काफी होनहार था।

मुरार थानाध्यक्ष अमन कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि जानकारी मिलते ही तत्काल पुलिस टीम को भेज शव को कब्जे में लिया गया। उन्होंने कहा कि कागजी कार्रवाई कर उसे पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा जाएगा। वहीं, सीओ को भी सूचना दे दी गई है।

कोरानसराय और मुरार में शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

डुमरांव। शराब तस्करी के खिलाफ छेड़े गए अभियान के तहत कोरानसराय व मुरार थाने की पुलिस ने अपने-अपने क्षेत्र से शराब की खेप के साथ एक-एक तस्करों को पकड़ा है। मिली जानकारी के अनुसार कोरानसराय पुलिस ने गुप्त सूचना पर स्थानीय गांव के तपेश्वर खरवार के घर छापेमारी अभियान चला उसके घर से 3.5 लीटर देशी शराब बरामद किया। पुलिस ने शराब तस्करी के आरोप में तपेश्वर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। कोरानसराय थानाध्यक्ष अमित कुमार ने इसकी पुष्टि की है। वहीं, दूसरी तरफ मुरार पुलिस ने थाना क्षेत्र के चौगाईं अनुसूचित जाति बस्ती टोले में शराब तस्करी के खिलाफ सघन छापेमारी अभियान चलाया, इस दौरान करीमन मुसहर पिता कन्हैया मुसहर के घर से छह लीटर देशी चुलाई शराब बरामद हुआ, जिसके बाद पुलिस ने करीमन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मुरार थानाध्यक्ष अमन कुमार ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि शराब तस्करी के खिलाफ सघन छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है।

टीबी के लक्षण वाले मरीजों को अब पीएचसी/सीएचसी में मिल रही सुविधा, टीबी मुक्त पंचायत अभियान को मिलेगी गति

हर प्रखंड में ट्रू-नॉट मशीन से हो रही बलगम की जांच

- जिला यक्ष्मा केंद्र में जांच के लिए उपलब्ध है सीबी-नॉट मशीन

केटी न्यूज/बक्सर

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जिले के सभी पंचायतों को टीबी मुक्त बनाने की दिशा में जिला यक्ष्मा केंद्र प्रयासरत है। इस क्रम में टीबी मुक्त पंचायत अभियान को गति देने के लिए जिले के सभी प्रखंडों में स्थित प्राथमिक/सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के साथ साथ सदर अस्पताल, बक्सर शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सरेंजा अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ट्रू-नॉट लगाए जा चुके हैं। ताकि, टीबी के लक्षण वाले मरीजों को जल्द और सुलभ तरीके से बलगम की रिपोर्ट दी जा सके।

जिला यक्ष्मा नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शालिग्राम पांडेय ने बताया कि जिले में अब तक 57 पंचायतों को टीबी मुक्त किया गया। इनमें 54 पंचायत को कांस्य पदक और तीन पंचायतों को रजत पदक के लिए नॉमिनेट किया गया है। लेकिन जिलाधिकारी के निर्देश पर आगामी वर्ष से जिले के सभी 136 पंचायतों को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए सभी प्रखंडों में जांच सुविधा को और भी सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से सामुदायिक और प्रथमिक स्वास्थ्य के केंद्रों में ट्रू-नॉट मशीन लगाया गया है। साथ ही, जिला यक्ष्मा केंद्र में मरीजों की जांच के लिए सीबी-नॉट मशीन उपलब्ध है

जांच में पुष्टि हो के बाद नि:शुल्क मिलती है दवा : जिला यक्ष्मा केंद्र के डीपीसी कुमार गौरव ने बताया कि टीबी का लक्षण वाले मरीज अनिवार्य रूप से जांच कराएं। टीबी का हल्का-सा भी लक्षण दिखे तो जांच कराने स्वास्थ्य केंद्र जाएं। जांच में पुष्टि हो जाने के बाद आपको नि:शुल्क दवा मिलती है। साथ में निक्षय मित्र योजना के तहत टीबी के इलाजरत मरीजों को गोद लिया जा रहा है, जिनके माध्यम से मरीजों इलाज की अवधि के दौरान पोषण किट उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले के सभी सरकारी अस्पतालों में टीबी की जांच और इलाज की व्यवस्था है। इसलिए अगर लक्षण दिखे तो तत्काल जांच कराएं। मरीजों को नि:शुल्क दवा उपलब्ध कराई जाती है।

हर माह दी जाती है एक हजार की राशि

डॉ. पांडेय ने बताया कि अब मरीजों को निक्षय पोषण योजना के तहत इलाज की अवधि के दौरान प्रतिमाह एक हजार रुपये राशि दी जा रही है। मरीजों को यह राशि तीन किश्तों में उनके खाते में भेजी जाती है। सबसे पहले टीबी के नए मरीजों को नोटिफिकेशन के साथ पहली किश्त में एक हजार और उसके बाद दूसरी किश्त 84 दिनों के भीतर 2000 रुपये की राशि भेजी जाती है। उसके बाद तीसरी किश्त में तीन हजार रुपये की राशि भेजी जा रही है।

बर्खास्त किए गए गलत तरीके से बहाल हुए बीपीएससी के 15 शिक्षक

केटी न्यूज/बक्सर

टीआरई-1 क्वालीफाई कर शिक्षक बने 15 अभ्यर्थियों को विभाग ने बर्खास्त कर दिया है। जिला शिक्षा पदाधिकारी अमरेन्द्र कुमार पांडेय के इस कार्रवाई से विभाग में हड़कंप मच गया है, वहीं गलत तरीके से शिक्षक बनने वाले अभ्यर्थियों की मुश्किलें बढ़ गई है।

मिली जानकारी के अनुसार जिन शिक्षकों को बर्खास्त किया गया है उनमें 14 यूपी के निवासी है तथा गलत तरीके से बिहार में आरक्षण का लाभ लिए है, जबकि सामान्य कोटे के लिए उनके सीटेट के मार्क्सशीट में 60 फीसदी से कम अंक मिले है। यूपी के निवासी होने के कारण उन्हें बिहार राज्य के निवासियों के लिए मिलने वाले आरक्षण का लाभ नहीं मिल पाया है, जिस कारण उनके सीटेट में कम नंबर के आधार पर बर्खास्त कर दिया गया है।

यूपी निवासी जिन शिक्षकों को बर्खास्त किया गया है उनमें उर्दू मध्य विद्यालय चौगाईं के शिक्षक नाजिश अंजुम, उर्दू मध्य विद्यालय परसिया चक्की के शिक्षक नफीस अहमद, प्राथमिक विद्यालय कपूरपुर ब्रह्मपुर की शिक्षिका राजनंदिनी कुमारी, मध्य विद्यालय बेलाव, नावानगर के शिक्षक मो. सद्दाब अंसारी, प्राथमिक विद्यालय फिरंगी यादव डेरा ब्रह्मपुर की रिंकी कुमारी, उत्क्रमित उच्च विद्यालय परमानपुर नावानगर की तमन्ना बानो, उर्दू मध्य विद्यालय ब्रह्मपुर के शिक्षक नसरीन, उत्क्रमित हाई स्कूल पवनी चौसा की शिक्षिका मंजू कुमारी, प्राथमिक विद्यालय योगिया ब्रह्मपुर की सना प्रवीन, प्राथमिक विद्यालय नेयाजीपुर, नावानगर की रेणु कुमारी, प्राथमिक विद्यालय हरिपुर की प्रिती पटेल, उर्दू प्राथमिक विद्यालय चौसा की शबनम आरा व मध्य विद्यालय बगही ब्रह्मपुर के शिक्षक शदमन फातमा के सीटेट में 60 प्रतिशत से कम अंक होने के कारण उनके चयन को अमान्य कर दिया गया है। जबकि राजपुर अंचल के मध्य विद्यालय चपटही महादेवन के शिक्षक मसूरी रेनावेन के इंटमीडिए में उर्दू विषय नहीं होने के कारण चयनमुक्त किया गया है।

इस संबंध में जारी पत्र में डीईओ ने जिक्र किया है कि निदेशक माध्यमिक शिक्षा के पत्रांक 1341 दिनांक 15 मई 2024 व उप निदेशक के पत्रांक 1507 दिनांक 15 जुलाई 24 के द्वारा राज्य से बाहर के अभ्यर्थियों को आरक्षण का लाभ नहीं देने का निर्देश दिया गया है, जिसके आलोक में यह फैसला लिया गया है। उन्हें चयनमुक्त करने से पहले शिक्षा विभाग द्वारा उनसे स्पष्टीकरण भी पूछा गया था, जिसका संतोषजनक जबाव अभ्यर्थियों द्वारा नहीं दिए जाने के बाद चयनमुक्त करने की कार्रवाई की गई है।

एक नजर

डुमरांव नगरवासियों के मनोरंजन के लिए नप 50 स्थानों पर लगाएगा टीवी

डुमरांव। नगर में सुख-सुविधा बहाल करने के लिये नगर परिषद कमरकस चुका है। इसी दिशा में उसके द्वारा शहर के लोगों को सुरक्षित रखने के लिये सीसीटीवी कैमरा 100 जगहों पर लगा चुका है। अब उसकी तैयारी फोरलेन पर लगाने की चल रही है। उसी तहर से एलईडी लाइट 150 स्थानों पर लगा चुका है, उसी तरह से स्पैरो तिरंगा लाइट 300 स्थानों पर लगाया जा चुका है। हाईमास्ट लाइट भी 100 स्थानों पर लगाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में अब डुमरांव के लोगों के मनोरंजन और देश-दुनिया की खबरों के लिये टीवी लगाने जा रही है। इसकी शुरूआत ट्रेनिंग स्कूल के पास से की गई है। मिली जानकारी के अनुसार पहले फेज में 15 स्थानों को टीवी लगाने के लिये चयनित किया गया है, वहीं दूसरे फेज में 35 स्थानों पर लगाया जाएगा, इस तरह से कुल 50 टीवी शहर और विस्तारित क्षेत्र में लगाए जाएंगे। मालूम हो कि सीसीटीवी कैमरा लग जाने से रोड पर की छिनतई लगभग समाप्त हो गई है। एक-दो बार इस तरह की घटनाएं घटित हुई थी, जिसका खुलासा सीसीटीवी कैमरा से हो गया और अपराधी पकड़े भी गए। पुलिस को सीसीटीवी कैमरा लग जाने से काफी सहूलियत मिल रही है। सीसीटीवी कैमरे का एक मॉनीटर थाना और एक नप कार्यालय में मौजूद रहता है। स्पैरो तिरंगा लाइट लगने से शहर का आकर्षण काफी बढ़ गया है। 300 स्थानों पर इसे लगाया गया है, लेकिन कुछ असमाजिक तत्वों के द्वारा इसे गायब भी कर दिया गया है। इसको लेकर नप इसके देख-रेख के लिये अलग से योजना बना रही है, जिससे रात्रि में नप के समानों की कोई चोरी और नुकसान नहीं पहुंचा सके।

होटल उद्घाटन में यूपी गए युवक ढाबे में करंट की चपेट में आया, हुई मौत

बक्सर। खुशियों का माहौल पलभर में मातम में बदल गया, जब इटाढ़ी थाना क्षेत्र के कनपुरा गांव के लालबाबू सिंह की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। परिजनों को सुबह जैसे ही खबर मिली, परिवार में कोहराम मच गया। युवक का शव यूपी से लाकर बक्सर सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार, लालबाबू सिंह उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के भरौली में एक होटल के उद्घाटन समारोह में शामिल होने गए थे। कार्यक्रम के बाद वह मंगला भवानी मंदिर के पास एक ढाबे पर खाना खाने पहुचे। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गए, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजन बलिया पहुंचे और शव को लेकर बक्सर लौटे। नगर थाना पुलिस को मामले की जानकारी दी गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। परिजनों के बयान के आधार पर नगर थाना में जीरो एफआईआर दर्ज की गई है, जिसे बलिया के नरही थाना को भेजा जाएगा। बक्सर पुलिस ने यूपी पुलिस से संपर्क कर घटना की जानकारी साझा की है। उधर, नरही थाना पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि मौत की असली वजह का पता लगाया जा सके। नगर थाना प्रभारी रमन रावत ने बताया कि मामले की जांच के लिए सभी जरूरी दस्तावेज यूपी पुलिस को सौंपे जा रहे हैं। फिलहाल गांव में मातम पसरा है और परिजन बेटे की असामयिक मौत से टूट चुके हैं।

अच्छी खबर : घर-घर जाकर मवेशियों का इलाज कर रहे पशु चिकित्सक

डुमरांव। डुमरांव प्रखंड के पशुपालकों को बरसात के दिनों में अपने पशुओं का इलाज कराने के लिए पशु चिकित्सालय जाने की आवश्यकता नहीं है। सरकार द्वारा इसके लिए पशु चिकित्सक व दवा से सुसज्जित मोबाइल वेटनरी यूनिट वाहन पशुपालन विभाग को मुहैया कराया है। इसके लिए टॉल फ्री नंबर 1962 भी जारी किया गया है। इस चलंत वाहन में पशु चिकित्सक के साथ अन्य कर्मी की भी तैनाती की गई है। अब पंचायतों के किसी भी गांव में पशुओं के स्वास्थ्य बिगड़ने पर चलंत वाहन पहुंचेगी और पशुपालकों के पशुओं को मुफ्त चिकित्सकीय सुविधा प्रदान करेगी। बताया जाता है कि पशुधन संजीवनी हेल्पलाइन टोल फ्री नंबर यह राज्यस्तरीय टॉल फ्री नंबर है। यहां पशुपालक फोन कर अपना पता सहित अन्य जानकारी देंगे और यहां से चलंत पशु यूनिट टीम को भेजा जाएगा और पशुपालक के दरवाजे पर पहुंच कर मवेशी का इलाज किया जाएगा। चिकित्सकों ने बताया कि मवेशी को अगर गंभीर बीमारी है तो वरीय अधिकारियों से बात कर उसका इलाज किया जाएगा। इस वाहन में सभी तरह की दवाएं, इंजेक्शन, सिरिंच और सर्जिकल सामान भी उपलब्ध है। मोबाइल पर कॉल नहीं आने की स्थिति में भी चलंत पशु चिकित्सालय टीम को मवेशियों का इलाज करना है। पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मो. परवेज अख्तर बताते है कि हर दिन किसी पंचायत के दो गांवों में जाकर वहां मवेशियों का इलाज करना है। मोबाइल टीम द्वारा अप्रैल माह में 341 और मई माह में 336 मवेशियों का इलाज किया गया। मोबाइल वैन पर लगे साउंड सिस्टम से पशुपालकों को जागरूक भी किया जाता है। चलंत पशु चिकित्सालय से सबसे ज्यादा सुदूर ग्रामीण इलाके के पशुपालकों को लाभ मिल रहा है। समय पर गंभीर बीमारी का इलाज होने से मवेशियों की जान बच जाती है। इस तरह के इलाज होने से पशुपालकों को काफी राहत मिली है। बरसात के मौसम में इस टीम द्वारा विशेष लाभ देने की योजना है।

खबरें फटाफट

नए एंबुलेंस को दिखाई गई हरी झंड़ी

सासाराम। स्वास्थ्य विभाग ने गुरुवार को तिलौथू पीएचसी को एक नई एंबुलेंस प्रदान की गई। इस एंबुलेंस को चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रामेश्वर प्रसाद ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तिलौथू प्रखंड में अब मरीजों की सेवा में तीन एंबुलेंस उपलब्ध हो गई हैं। इससे आपात स्थिति में भी मरीजों को समय पर सदर अस्पताल तक पहुंचाना अब और अधिक सुगम हो सकेगा। अवसर पर स्वास्थ्य प्रबंधक अमरेंद्र कुमार, डॉ. प्रभात कुमार सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

नाटक के जरिए श्रमिकों को किया गया जागरूक

काराकाट। बिहार सरकार के श्रम संसाधन विभाग अंतर्गत बिहार भवन एवं सह निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड पटना के तत्वाधान में चलाये जा रहे जागरूकता अभियान के तहत गुरुवार को प्रखंड मुख्यालय गोड़ारी बाजार, बुढ़वल तथा बाराडीह में एकजुट पटना के कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत श्रमिकों को जागरूक किया। श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी देवाषिश कुमार ने बताया कि कर्मकार कल्याण बोर्ड के निर्देश पर एकजुट पटना के कलाकार गांव गांव जाकर श्रमिकों को जागरूक कर रहे है। यह अभियान 15 जुलाई तक चलेगा।

गजराजगंज ओपी क्षेत्र के सरफाफर गांव में गुरुवार की दोपहर घटी घटना

आरा में देवर ने अपने दो भाभियों को धारदार हथियार से मार किया घायल

♦ प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने दोनों महिलाओं को बेहतर इलाज के लिए किया पटना रेफर

केटी न्यूज/आरा

जिले के गजराजगंज ओपी अंतर्गत सरफाफर गांव में गुरुवार की दोपहर घरेलू विवाद को लेकर देवर ने अपनी बड़ी व छोटी भाभी को धारदार हथियार से मारकर बुरी तरह घायल कर दिया। हमले के दौरान उसके द्वारा अपनी छोटी भाभी के दाहिने हाथ को कलाई के पास से कटकर धड़ से अलग व बाएं हाथ को भी काट दिया। वहीं बचाने के क्रम में जब उसकी बड़ी भाभी गई तो उसने उसका भी बाया हाथ काट दिया और सिर पर भी धारदार हथियार से वार कर दिया।

इसके बाद उनके पट्टीदार एवं पड़ोसी द्वारा अनान-फानन में दोनों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद दोनों को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार घायलों में गजराजगंज ओपी अंतर्गत सरफाफर गांव निवासी राघवेंद्र यादव की 26 वर्षीया पत्नी नीरू कुमारी एवं रविंद्र यादव की 25 वर्षीया पत्नी प्रतिमा कुमारी शामिल है। इसमें प्रतिमा कुमारी का दाहिना हाथ कलाई के पास से धड़ से अलग व बाया हाथ भी कट गया है। जबकि उसकी जेठानी नीरू कुमारी का बाया हाथ कट गया है एवं सिर पर भी काफी गंभीर चोटे आई हैं। घटना को लेकर गांव एवं आसपास के इलाके में सनसनी मच गई है।

घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिसः उधर घटना की सूचना पाकर गजराजगंज ओपी इंचार्ज हरी प्रसाद शर्मा घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों पर परिजनों से मिल घटना की जानकारी ली। इसके पश्चात पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। इधर प्रतिमा कुमारी ने बताया कि वे दोनों घर पर बैठी हुई तभी उनका देवर भूपेंद्र यादव आया और पहले उसका फसूली से दाहिने हाथ को कलाई के पास से काटकर अलग कर दिया और फिर बायां हाथ को भी काट दिया। जब उसकी जेठानी नीरू कुमारी बीच-बचाव करने गई तो उसके द्वारा उसका भी बाएं हाथ को काट दिया गया और सिर पर वार कर घायल कर दिया गया। हालांकि आरोपी भूपेंद्र यादव ने धारदार हथियार से मारा दोनों को घायल क्यों किया। इसका कारण अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो सका है।

पत्नी के साथ जा रहा था सूरत, बीच रास्ते में प्रेमी ने रोक कर पति को मारी गोली

आरा। जिले के खवासपुर थाना क्षेत्र के कचहरी के टोला गांव स्थित बधार में बुधवार की शाम कथित प्रेमी ने अपने प्रेमिका के ससुराल में जाकर उसके पति पर फायरिंग कर दी। इस दौरान छर्रा लगने से प्रेमिका का पति जख्मी हो गया। उसे दाहिने आंख एवं कान के पास छर्रा लगा है। परिजन द्वारा उसका इलाज बड़हरा के मनीछपरा स्थित पीएचसी में कराया गया। घटना को लेकर आसपास के इलाके में सनसनी मच गयी। सूचना मिलते ही खवासपुर थानाध्यक्ष संदीप कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जख्मी युवक से मिल घटना की जानकारी ली। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से एक कट्टा, सात सारतूस एवं एक मोबाइल बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार जख्मी खवासपुर थाना क्षेत्र के कचहरी के टोला गांव निवासी स्व. बहारन बिंद का 25 वर्षीय पुत्र धनपत कुमार है।

एक माह पूर्व हुई थी उसकी शादी : जानकारी के अनुसार धनपत कुमार की शादी शाहपुर थाना क्षेत्र के होरिल छपरा गांव निवासी सरस्वती देवी से लगभग एक माह पूर्व हुई थी। जबकि उसी थाना क्षेत्र के हिरखी पिपरा गांव निवासी सोनू राय की शादी से पहले से ही सरस्वती देवी से मधुर संबंध चल रहा था। शादी के बाद भी वह बराबर उससे मिलने के लिए ससुराल कचहरी के टोला जाता था। इसी बीच धनपत कुमार अपनी पत्नी सरस्वती देवी को लेकर गुजरात के सूरत जाने वाला था। इसकी जानकारी उसे लग गयी, जिसके बाद वह बुधवार की शाम कचहरी के टोला गांव स्थित बधार में पहुंच गया और अपनी प्रेमिका के पति धनपत कुमार पर फायरिंग कर दी, जिससे वह जख्मी हो गया।

इधर धनपत कुमार के द्वारा बहोरनपुर थाना क्षेत्र के हिरखी पिपरा गांव निवासी भूषण राय के पुत्र सोनू राय के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है।

सावन में मां तुताली भवानी के भव्य पूजन तैयारी को ले डीएम ने किया स्थल निरीक्षण

केटी न्यूज/सासाराम

जिलाधिकारी उदिता सिंह व एसपी रौशन कुमार,डीएफओ मनीष कुमार वर्मा एवं उप विकास आयुक्त विजय कुमार पांडेय ने शुक्रवार को यूको पर्यटन मां तुतला भवानी स्थल का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। जो आगामी अगस्त माह में लगने वाले सावन मेले को लेकर विधि व्यवस्था सुरक्षा का जायजा लिया गया।

जिलाधिकारी ने बताया कि यातायात प्रभावित नहीं हो इसको लेकर सड़क वनवे किया जाएगा। मां तुतला भवानी परिसर में श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए दो लाइन बनाए जाएंगे। गुप्ता धाम मंदिर तक पहुंचने वाले सीढ़ी को चौड़ीकरण के साथ मरम्मत किया जाएगा। तथा तुतला भवानी परिसर के पास कुंड में सुरक्षा को लेकर वन विभाग के द्वारा बैरकेटिंग किया जाएगा साथ ही वहां पर गोताखोरों की व्यवस्था की जायेगी। लेकिन श्रद्धालुओं से अपील भी है कि वह गहरे पानी से जाने से परहेज करेंगे व गाइडलाइन का अनुपालन करेंगे। जबकि रोहतास पुलिस ने डीएम के नेतृत्व में सावन मेले को लेकर मां तुतला भवानी परिसर में एक विशेष बैठक किया।

विषैले सांप के डंसने से किशोरी की मौत

आरा। सदर प्रखंड अंतर्गत धोबहा थाना क्षेत्र के इजरी पीपरा गांव में बुधवार की दोपहर विषैले सांप के डसने से एक किशोरी की मौत हो गयी। इलाज के अभाव में उसकी मौत हुई है। मौत झाड़-फूंक के चक्कर में हो गयी। जानकारी के अनुसार मृतका धोबहा थाना क्षेत्र के इजरी पीपरा गांव निवासी देवनंदन पासवान की बेटी रानी कुमारी है। मृतका के पिता देवनंदन पासवान ने बताया कि बुधवार को वह खाना खाकर घर में पलंग पर लेट कर टीवी देख रही थी। इसी दौरान विषैले सांप ने उसे डंस लिया, जिससे उसकी हालत काफी गंभीर हो गयी। परिजन उसे इलाज के लिए अस्पताल ना ले जाकर उसे झाड़-फूंक करने के लिए उत्तर प्रदेश के अमवा के सती माई ले गये। वहां झाड़-फूंक के दौरान उसकी मौत हो गयी। इसके बाद परिजन उसे सदर अस्पताल ले आये, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की दिलाई शपथ

केटी न्यूज/आरा

भारतीय जनता पार्टी द्वारा केन्द्र में मोदी सरकार के 11 वर्ष की सेवा,सुशासन और गरीब कल्याण काल की सफलता पर संकल्प से सिद्धि तक कार्यक्रम के अंतर्गत गुरूवार को बड़हरा विधानसभा के सलेमपुर मंडल का संकल्प सभा सह शक्तिकेन्द्र चौपाल कार्यक्रम महामाया देवी परिसर पीपरा सलेमपुर में हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सलेमपुर मंडल अध्यक्ष दीपक तिवारी और संचालन मंडल महामंत्री मधुरेन्द्र सिंह ने किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह उपस्थित थे। अन्य अतिथियों में जिलाध्यक्ष दुर्गा राज, जिला महामंत्री संतोष चंद्रवंशी, जिला उपाध्यक्ष धनंजय तिवारी, विधानसभा प्रभारी संजय कुमार सिंह, विधानसभा संयोजक धीरज सिंह, मंडल प्रभारी हरेराम चंद्रवंशी, जयंत प्रकाश शामिल थे।

प्रधानमंत्री ने 11 वर्षों में किया विकास : बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 11 वर्षों में जितना विकास किया, उतना पिछले साठ वर्ष में नहीं किया था। नरेन्द्र मोदी और नीतीश कुमार ने देश और बिहार में सभी वर्गो सहित गरीबों के लिए बहुत लाभ दिए। आज गरीब परिवार के लिए पांच लाख का आयुष्मान योजना के तहत मुफ्त इलाज हो रहा है। यह योजना विश्व मे सबसे बड़ी योजना है। गरीबों के लिए पांच किलो अनाज, आवास, बिजली, गैस आदि दिया जा रहा है। आज बिहार की लड़कियां सरपट साईकिल चला कर स्कूल जा रही है और पढाई कर आगे बढ़ रही है। बिहार में चारों तरफ विकास दिख रहा है। महिला, युवा, किसान और गरीब सभी के लिए सरकारी योजनाएं धरातल पर दिख रहा है। आज हम विकसित भारत की ओर कदम बढा चुके है और जरूरी है कि हम सभी संकल्प ले कि अपने देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाएं।

डॉक्टरों की बहाली से हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर पर स्वास्थ्य सुविधा होगी और सुदृढ़

दो दर्जन संस्थानों को मिले 24 नए डॉक्टर्स

केटी न्यूज/सासाराम

बिहार में स्वास्थ्य विभाग को लगातार सुदृढ़ करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं डॉक्टरों की कमी से स्वास्थ्य के क्षेत्र में किसी प्रकार की कोई दिक्कत ना हो इसके लिए एक बार फिर राज्य स्वास्थ्य समिति ने बिहार के विभिन्न हेल्थ एंड वैलनेस सेंटरों में डॉक्टरों की बहाली की है। इसी के तहत रोहतास जिले के भी पांच शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के साथ कई शहरी हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर के लिए भी डॉक्टरों की बहाली कर दी गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अधीन राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संचालित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया करने को लेकर इन डॉक्टरों की बहाली की गई है। रोहतास जिले में कुल 24 स्वास्थ्य केंद्रों पर कुल 24 डॉक्टरों की बहाली की गई है। इन स्वास्थ्य केंद्रों पर डॉक्टरों की बहाली से स्वास्थ्य सुविधा को और मजबूती मिलेगी।

कहां कहां हुई है बहाली : राज्य स्वास्थ्य समिति द्वारा रोहतास जिले में पांच शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के अलावा सासाराम के 19 शहरी हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर पर डॉक्टरों की बहाली की गई है। सासाराम के बौलिया, सागर एवं तकिया तथा डेहरी प्रखंड के ईदगाह एवं मकराईन शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर डॉक्टरों की बहाली की गई है। इसके अलावा सासाराम प्रखंड के मुरादाबाद हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, कंचनपुर, बारडीह, गोटपा, करवंदिया, धनपुरवा, उचितपुर, अमरी, सिकरिया, धनकाढ़ा, करपूरवा, बेदा, अमरा, महाद्दीगंज, नेकरा, मालावार, आदमापुर, बेलाड़ी शहरी हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर के साथ साथ कोचस हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर पर डॉक्टरों की बहाली की गई है।

डॉक्टरों की बहाली से स्वास्थ्य सुविधा और होगी मजबूतः जिला शहरी स्वास्थ्य सलाहकार तारिक अनवर ने बताया कि रोहतास जिले के पांच शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर डॉक्टर की नियुक्ति की गई है। उन्होंने बताया कि इन केंद्रों पर नियुक्ति होने से स्वास्थ्य सुविधा को और मजबूती मिलेगी। शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सभी सुविधाओं से परिपूर्ण है। डॉक्टर की कमी देखी जा रही थी लेकिन अब वह भी पूरी हो गई है। डॉक्टर की बहाली होने से इन केंद्रों पर अब और ज्यादा लोग इलाज के लिए आयेंगे और लाभ पाएंगे।

डॉक्टरों की कमी हुई पूरीः सिविल सर्जन डॉक्टर मणिराज रंजन ने बताया कि जिले के दो दर्जन हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर पर डॉक्टरों की बहाली की गई है और इस बहाली से जिले की स्वास्थ्य सुविधा और बेहतर हो जाएगी। उन्होंने बताया कि पहले ही इन केंद्रों पर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराई जा रही थी लेकिन डॉक्टरों की कमी के कारण बहुत लोग सदर अस्पताल आते थे परंतु अब उन्हें उनके घर के नजदीक ही बेहतर चिकित्सा मुहैया होगा। सरकार सभी हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर पर चिकित्सकों की बहाली करेगी। इसके अलावा एएनएम एवं जीएनएम की भी बहाली की प्रक्रिया की जाएगी, ताकि स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाया जा सके।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723, SCHOOL No. 65720
Harnahi Road, Dumraon, Buxar - 802119
8210918840, 7319972175, 6393686958 www.cambridgeschooldumraon.com facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
OUTSTANDING PERFORMANCE OF OUR STUDENTS IN AISSE (Std. X) & AISSCE (Std. XII) CBSE BOARD EXAMS 2025
SCHOOL TOPPER- STD. XII
SARTHAK RAJ MISHRA 92%
SUBJECT WISE HIGHEST MARKS IN STD. XII
Chemistry : 98 Biology : 91
English Core : 97 Physics : 91
Physical Education : 96 Business Studies : 86
Mathematics : 92 Economics : 83
TOPPERS- STD. X
1st KHUSHI KUMARI 95.2%
2nd ANSH RAJ SINGH 94.8%
2nd PRAGATI KUMARI 94.8%
2nd SHREYA RAJ 94.8%
3rd ANMOL RAJ VATS 94%
3rd MOHIT KUMAR SINGH 94%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
• Mathematics : 100 • Sanskrit : 100 • Social Science : 97
• Science : 100 • English : 95 • Hindi : 94
INFORMATION
The Information & Admission Cell at the JUNIOR WING, Dr. Jagnarayan Singh Hospital Campus, will remain open on all working days (Mon. - Sat.) from 9:00 am - 01:00 pm also during Summer Vacation.
LIMITED SEATS. HURRY UP!!!
REGISTRATION IS GOING ON FOR ADMISSION TO CLASS XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS) FOR THE ACADEMIC SESSION 2025-26. CLASSES WILL START FROM 23 JUNE, 2025.
SCHOLARSHIP SCHEME
CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII. OTHER CHARGES ARE PAYABLE FOR BOTH CLASSES.
INTEGRTION OF FOUNDATION CLASSES FOR NEET AND JEE MAINS IN CURRICULUM.
CHAIRMAN- MR. T.N. CHOUBEY

आर्म्स एक्ट की त्वरित सुनवाई के लिए जिलों में गठित होंगी विशेष अदालतें: डीजीपी

♦ 2005 से 2011 के बीच राज्य में आर्म्स एक्ट के मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए स्पीडी ट्रायल प्रणाली लागू थी बाद में इसे बंद कर दिया गया

केटी न्यूज/पटना

राज्य भर में अवैध हथियार लेकर घूमने और उनका प्रदर्शन करने वाले अपराधियों पर अब पुलिस का शिकंजा और मजबूत होगा। बिहार पुलिस मुख्यालय ने घातक हथियारों से जुड़े मामलों में तेजी से सुनवाई और दोषियों को जल्द सजा दिलाने की दिशा में पहल करते हुए राज्य सरकार को विशेष अदालतों के गठन का प्रस्ताव भेजा है। यह अदालतें सभी जिलों में गठित की जाएंगी। पुलिस महानिदेशक विनय कुमार ने बताया कि पिछले एक वर्ष में आर्म्स एक्ट के तहत राज्य भर में 5000 से अधिक अपराधियों की गिरफ्तारी की गई है।

उन्होंने कहा कि फास्ट ट्रैक कोर्ट के अभाव में इन मामलों की सुनवाई में बेवजह देरी हो रही है, जिससे आरोपियों को सजा दिलाना मुश्किल हो जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य के प्रत्येक जिले में विशेष अदालतें गठित करने का प्रस्ताव सरकार को सौंपा गया है। डीजीपी ने बताया कि वर्ष 2005 से 2011 के बीच राज्य में आर्म्स एक्ट के मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए स्पीडी ट्रायल प्रणाली लागू थी।

तब अपराधियों को एक सप्ताह के भीतर सजा मिल जाती थी, जिससे हथियार लहराने की घटनाओं में उल्लेखनीय गिरावट आई थी। लेकिन 2011 के बाद फास्ट ट्रैक कोर्ट की समाप्ति से ऐसे मामलों में सुनवाई लटकने लगी है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आर्म्स एक्ट के अधिकांश मामलों में दोषियों को सजा दिलाना अपेक्षाकृत आसान होता है, क्योंकि इनमें पुलिस अधिकारियों और कर्मियों की गवाही ही पर्याप्त होती है। इसके बावजूद, मुकदमों में देरी से अपराधियों को सजा मिलने में रुकावटें आती हैं। आर्म्स एक्ट, 1959 भारत में हथियारों के निर्माण, बिक्री, कब्जे, परिवहन, आयात और निर्यात को नियंत्रित करने वाला कानून है। इसके तहत अवैध हथियार रखने, उनका उपयोग करने या उनका व्यापार करने वालों के खिलाफ कठोर दंड का प्रावधान है।

इस कानून के अनुसार बिना लाइसेंस हथियार रखने पर तीन से सात साल तक की कैद और जुमार्ना दोनों हो सकता है। वहीं प्रतिबंधित हथियारों का उपयोग करने पर उम्रकैद तक की सजा और भारी जुमार्ने का भी प्रावधान है।सजा की अवधि और गंभीरता इस बात पर निर्भर करती है कि हथियार का प्रकार क्या था, उसका किस उद्देश्य से उपयोग किया गया, और घटना कहां घटी थी। जैसे यदि अपराध अशांत क्षेत्र में हुआ हो तो सजा और अधिक हो सकती है।

राज्य सरकार के स्तर पर विशेष अदालतों का गठन होने के बाद न केवल मामलों की सुनवाई में तेजी आएगी, बल्कि इससे अपराधियों के मन में कानून का डर भी बैठेगा। पुलिस मुख्यालय को उम्मीद है कि इस पहल से राज्य में अवैध हथियारों के प्रचलन पर प्रभावी नियंत्रण संभव हो सकेगा।

एनडीए में नहीं है परिवारवाद : मंत्री डॉ. प्रेम कुमार

गयाजी। सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि एनडीए में परिवारवाद नहीं है, यहां काम करने वालों को सम्मान और अवसर मिलता है, जबकि राजद में पूरा का पूरा परिवार ही पार्टी का चेहरा बन गया है। वे गया के गुरुआ में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने पटना में मंत्री अशोक चौधरी के घर के बाहर हुई फायरिंग की घटना पर कहा कि यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन मौजूदा सरकार और पुलिस-प्रशासन त्वरित कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में अपराधियों पर सख्त कार्रवाई होती है।

सहरसा-सुपौल मुख्य मार्ग में बनगांव थाना क्षेत्र के मुरली मोड़ के पास हुई घटना

सहरसा में सड़क हादसे में बाइक सवार जीजा साले की दर्दनाक मौत

केटी न्यूज/सहरसा

सहरसा में एक दर्दनाक हादसे में जीजा और साले की मौत हो गई। दोनों बाइक पर सवार होकर कहीं जा रहे थे, तभी तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने दोनों को रौंद डाला। दोनों की मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना बनगांव थाना क्षेत्र की है। मृतक की पहचान बिहरा थाना क्षेत्र के सत्तरकटैया निवासी 60 वर्षीय अब्दुल खान और 35 वर्षीय मो. एतशाम उर्फ इंतकाम के रूप में हुई है। दोनों रिश्ते में साला और बहनोई लगते हैं।

सहरसा-सुपौल मुख्य मार्ग में बनगांव थाना क्षेत्र के मुरली मोर के समीप अज्ञात ट्रैक्टर ने बाइक में जबरदस्त टक्कर मार दिया और मौके से फरार हो गया। इस हादसे में दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।मृतक अब्दुल खान दिल्ली में एक लेदर कंपनी में ठेकेदार के रूप में कार्य किया करते थे, जो 5 दिन पहले ही अपने गांव लौटे थे। वहीं मो. एतशाम उर्फ इंतकाम बिहरा

बाजार में फल की दुकान चलाकर अपने परिवार की परवरिश किया करता था। मृतक के बरियाही निवासी मो० चांद ने बताया कि दोनों बाइक पर सवार होकर बरियाही आ रहे थे, लेकिन बीच रास्ते में हादसा हो गया। घटनास्थल पर डायल 112 की पुलिस पहुंचकर दोनों मृतक के शव को कब्जे मे लेकर बनगांव थाना भेजा। बनगांव थाना की प्रभारी थानाध्यक्ष पूनम कुमारी ने कहा सड़क हादसे में दो की मौत हुई है। फिलहाल मामले में कानूनी कार्रवाई किया जा रहा है। घटना के बाद मृतक के परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बेगूसराय में कार-ट्रक की टक्कर, ड्राइवर की मौत, 2 लोग जख्मी

बेगूसराय। बेगूसराय में राष्ट्रीय उच्च पथ (एनएच-31) फोरलेन पर टोयोटा कार और ट्रक की टक्कर हो गई। इसके एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, दो गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। घटना बलिया थाना क्षेत्र में डंडारी ढ़ाला के पास की है। मृतक की पहचान पूर्णिया के बैसा गढ़बनैली निवासी स्वर्गीय रामादास सिंह के बेटे विनोद सिंह (43) के रूप में की गई है। घायल की पहचान बैसा निवासी स्व. भागवत महतो के बेटे शंभू महतो (45) और वैशाली जिला आजमपुर देसरी निवासी ललित सिंह के बेटे देव नारायण सिंह (30) के रूप में की गई है। शंभू महतो का भाई राजेश महतो दो दिन पहले तार के पेड़ से गिर गया था। उसकी हालत गंभीर रहने के कारण परिजन पटना

पीएमसीएच ले गए थे। पीएमसीएच में भर्ती करने के बाद पूर्णिया वापस लौटने के दौरान रात करीब 2 बजे बलिया में डंडारी ढ़ाला के पास रॉन्ग साइड से आ रहे ट्रक ने कार में टक्कर मार दिया। टक्कर में टोयटा कार चकनाचूर हो गया। बलिया थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और तीनों को उठाकर बलिया अनुमंडलीय अस्पताल ले गई। जहां कार मालिक-सह-ड्राइवर विनोद सिंह की मौत हो गई। जबकि, विनोद सिंह के रिश्तेदार देवनारायण सिंह और शंभू महतो की हालत गंभीर देखते हुए सदर अस्पताल लाया गया।

मुजफ्फरपुर में प्राइवेट अस्पताल में परिजनों का हंगामा

मुजफ्फरपुर। ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र में प्राइवेट अस्पताल में मरीज की मौत के बाद परिजनों ने जमकर बवाल काटा। डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही और एक लाख रुपए मांगने का आरोप लगाया है। घंटों मशक्कत के बाद आक्रोशित लोगों को शांत कराया। नगर थाना क्षेत्र के गुजराती मोहल्ला निवासी दिलीप साह की पत्नी किरण देवी ने घरेलू विवाद में फांसी लगायी थी। उसे अस्पताल में भर्ती कराया था। अस्पताल प्रबंधक ने एक लाख रुपए जमा कराने को कहा।

आज सीवान में पीएम मोदी की जनसभा होगी ऐतिहासिक, योजनाओं की मिलेगी सौगात: मंगल

केटी न्यूज/पटना

बिहार के स्वास्थ्य एवं विधि मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता मंगल पांडेय ने गुरुवार कहा कि सीवान के जनसभा में होने वाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा ऐतिहासिक होगी। मंगल पांडेय ने गुरुवार को कहा कि 20 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सीवान के जसौली गांव में आ रहे हैं। जहां वे विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। मोदी की होने वाली जनसभा के लिए सीवान में व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इस कार्यक्रम के लिए पांच शेड लगाए गए हैं, जिनमें से हर एक में लगभग 60 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था होगी। सिवान जिले में मोदी के आगमन को लेकर हर वर्ग में उत्साह चरम पर है। सारण प्रमंडल के कार्यकताओं व आम जन में गजब का उत्साह है। ये उनकी

समावेशी विकास के प्रति लोगों की सच्ची निष्ठा, प्रेम व सम्मान है।

बिहार को देंगे 9518 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात : पांडेय ने कहा कि मोदी का बार - बार बिहार आना इस राज्य के प्रति उनके विशेष लगाव और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। जब भी प्रधानमंत्री बिहार आते हैं, प्रदेश को बड़ी सौगात देकर जाते हैं। इस बार भी बिहार को करीब 9518 करोड़ रुपये की योजनाओं का लाभ मिलेगा। मोदी इस दौरे में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट की सौगात देंगे, जिससे कई जिलों को शुद्ध पेयजल की सुविधा मिलेगी। यह योजना राज्य के बुनियादी ढांचे को मजबूती देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। बता दें कि पिछले नौ महीनों में यह मोदी का छठा बिहार दौरा है। इससे पहले वे दरभंगा, जमुई, भागलपुर, झंझारपुर और विक्रमगंज का दौरा कर चुके हैं। अब सीवान में प्रधानमंत्री का स्वागत करने के लिए सारण, सीवान और गोपालगंज के लोग उत्साहित हैं। मंत्री ने कहा कि मोदी के आगमन को लेकर हर प्रकार की सुविधाओं को मुकम्मल करने पर जोर दिया गया है। कार्यक्रम स्थल पर किसी प्रकार की कमी न हो उस ओर प्रशासन ने पूरा ध्यान दिया है। 20 जून को मोदी के सीवान आगमन को लेकर प्रदेश भर के भाजपा कार्यकताओं में उत्साह है। ऐसे में भाजपा की जिला और राज्य स्तरीय टीम सक्रिय है।

शराब पीने से मना किया तो पत्नी के सामने पति ने किया सुसाइड

भागलपुर। भागलपुर में पत्नी से विवाद के बाद पति ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया है। पति ने पत्नी के सामने ही फंदे से झूल कर अपनी जान दे दी है। दोनों की शादी एक साल पहले हुई थी। महिला आठ महीने की प्रेग्नेंट थी। मृतक की मां ने बताया कि बेटे को शराब की लत थी और पति-पत्नी दोनों अलग-अलग खाना बनाकर खाते थे। मामला पीरपैंती थाना क्षेत्र के काली प्रसाद स्थित कपारी गांव का है। मृतक की पहचान सदानंद कापरी (30) के तौर पर हुई है। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। मृतक युवक शराब का सेवन करता था, जिसका पत्नी विरोध करती थी पुलिस ने घटना को लेकर परिजनों से पूछताछ भी की। इसके बाद शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

तकनीकी शिक्षा पर्षद और देश के प्रतिष्ठित संस्थान आईआईटी मुंबई के बीच हुआ समझौता

सूबे के तकनीकी छात्रों को मिलेगा आईआईटी मुंबई से मुफ्त तकनीकी प्रशिक्षण और सर्टिफिकेट

♦ छात्रों को केवल डिग्री नहीं, बल्कि काम के लिए जरूरी कौशल भी मिलेगा

केटी न्यूज/पटना

बिहार में तकनीकी शिक्षा को और बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल की गई है। बिहार राज्य तकनीकी शिक्षा पर्षद और देश के प्रतिष्ठित संस्थान आईआईटी मुंबई के बीच एक समझौता किया गया है। इसके तहत राज्य के पॉलिटेक्निक और इंजीनियरिंग कॉलेजों में पढ़ने वाले लाखों छात्रों को मुफ्त तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

यह प्रशिक्षण आईआईटी मुंबई के स्पोकन ट्यूटोरियल प्रोजेक्ट के जरिए मिलेगा। इस प्रोजेक्ट को भारत सरकार की नई शिक्षा नीति और

स्किल इंडिया मिशन के तहत शुरू किया गया है। छात्रों को ाावा, सी प्लस-प्लस जैसे आधुनिक सॉफ्टवेयर टूल्स की जानकारी ऑनलाइन वीडियो के माध्यम से दी जाएगी।

ये वीडियो हिंदी, अंग्रेजी और अन्य भारतीय भाषाओं में होंगे, जिससे ग्रामीण और दूरदराज के छात्र भी आसानी से इन्हें समझ सकें। इस प्रशिक्षण के अंत में छात्र ऑनलाइन टेस्ट दे सकेंगे और आईआईटी मुंबई से सर्टिफिकेट भी प्राप्त करेंगे। यह सर्टिफिकेट उनके करियर और नौकरी पाने में काफी मददगार होगा।

एसबीटीई के सचिव डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि यह समझौता बिहार के तकनीकी शिक्षा क्षेत्र में बदलाव लाने वाला है। अब छात्रों को केवल डिग्री नहीं, बल्कि काम के लिए जरूरी कौशल भी मिलेगा। इस ट्रेनिंग की मदद से वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मुकाबला कर सकेंगे। इस कार्यक्रम से न केवल छात्र लाभान्वित होंगे, बल्कि कॉलेज के शिक्षक और संस्थान भी इससे जुड़ेंगे। सभी संस्थानों में एक स्थानीय कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया जाएगा, जो छात्रों की ट्रेनिंग और परीक्षा में मदद करेगा। एसबीटीई का लक्ष्य है कि आने वाले 6 महीनों में राज्य के सभी सरकारी पॉलिटेक्निक और इंजीनियरिंग कॉलेजों में इस प्रशिक्षण को शुरू कर दिया जाए। सरकार का यह प्रयास है कि छात्रों को अधिक से अधिक तकनीकी शिक्षा में दक्ष किया जाए। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी तकनीकी शिक्षा से वंचित नहीं रहे। ऑन लाइन के माध्यम से अब ग्रामीण क्षेत्र के छात्र-छात्राएं भी तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर सकते है।

संक्षिप्त समाचार

खरकाई और संजय नदी का जलस्तर बढ़ा, भारी बारिश से सड़कों पर जलजमाव

सरायकेला, एजेंसी। सरायकेला-खरसावां जिले में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश से सरायकेला की दो प्रमुख नदियों खरकाई और संजय का जलस्तर काफी अधिक बढ़ गया है. सरायकेला-खरसावां मार्ग पर खप्पर साही के समीप बहने वाली संजय नदी सुबह से ही उफान पर है. खप्पर साही पुल भी डूब गया है, जिससे खरसावां का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया है. आज गुरुवार की सुबह से ही पुल के ऊपर से पानी बह रही थी. जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, पानी का बाहव भी बढ़ता गया. दोपहर 11 बजे तक पुल के ऊपर करीब 4 फीट पानी बहने लगा. पुल के ऊपर पानी बहने से सरायकेला-खरसावां का आवागमन ठप हो गया है. वही सरायकेला से कांडरा जाने वाली मार्ग पर कोलावीरा अंडरपूल पर पानी का जमा हो गया है. कोलबीरा अंडर पुल पर भी लगभग 3 फीट पानी जमा हो गया है जिससे आवागमन प्रभावित हो रहा है. अंडरपूल पर सिर्फ बड़ी गाड़ियां ही पार हो रही है. छोटे वाहन जैसे बाइक, कार इत्यादि का आवागमन ठप हो गया है. इधर लगातार बारिश से जिला डीसी ऑफिस के बाहर भी पानी का जमाव हो गया है. वहीं शहरीक्षेत्रों में नालियों के जाम रहने के कारण विभिन्न जगहों में पानी जमा हो गया है.

पलामू में हाइवा ने बाइक सवार युवकों को मारी टक्कर, दो की मौत, एक गंभीर

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले के हरिहरगंज थाना क्षेत्र के अररुआ खुर्द मिडिल स्कूल के समीप एनएच 139 पर कल बुधवार की रात हाइवा ने बाइक सवार को धक्का मार दिया. इस हादसे में घटनास्थल पर ही एक युवक की मौत हो गयी, जबकि अस्पताल ले जाने के क्रम में एक अन्य युवक की मौत हो गयी. वहीं घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है. मृतकों की पहचान 25 वर्षीय रंजन सिंह और 27 वर्षीय दीपक कुमार यादव के रूप में हुई है. घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार बाइक पर 3 युवक सवार थे. अररुआ खुर्द मिडिल स्कूल के समीप बुधवार की रात करीब 11:30 बजे एक हाइवा ने बाइक को जोरदार टक्कर मारी. घटना में बाइक सवार 25 वर्षीय रंजन सिंह की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी. गंभीर रूप से घायल दो युवकों को इलाज के जमुआर के नारायण अस्पताल ले जाया जा रहा था. इसी दौरान रास्ते में ही 27 वर्षीय दीपक कुमार यादव ने दम तोड़ दिया. बाइक पर सवार तीसरा युवक सन्नी कुमार पासवान गंभीर रूप है. अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है. सूचना पाकर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. इधर घटना को लेकर परिजनों का आरोप है कि साजिश के तहत घटना को अंजाम दिया गया है.

कसमार के शशि शेखर ने किया कमाल, अल्पाइन स्टाइल में 6070 मीटर ऊंची यूटी कांगड़ी पर फहराया तिरंगा

रांची, एजेंसी। बोकारो के युवा पर्वतारोही शशि शेखर ने फिर झारखंड का मान बढ़ाया है। लद्दाख की 6,070 मीटर ऊंची, तकनीकी और दुर्गम चोटी 'यूटी कांगड़ी-1' को फतह कर तिरंगा फहरा दिया है। यह चढ़ाई पर्वतारोहण की सबसे चुनौतीपूर्ण अल्पाइन स्टाइल में पूरी की। बिना किसी पोर्टर, शेर्पा या बाहरी सहायता के पूरी तरह आत्मनिर्भर अभियान के रूप में। शिखर पर पहुंचकर भारत का तिरंगा और झारखंड पर्यटन विभाग का झंडा फहराया, जिससे राज्य की साहसिक पर्यटन क्षमता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दर्शाया जा सके। अभियान की शुरुआत 13 जून को लेह से की थी। 14 जून को वे बेस कैंप पहुंचे और 15 जून की रात तीन बजे शिखर के लिए अंतिम चढ़ाई (समिट पुश) शुरू की। लगातार 5 घंटे की कठिन चढ़ाई के बाद सुबह 7:50 बजे यूटी कांगड़ी-1 के शिखर को छू लिया। छूते ही वे रोमांच से भर गए। अभियान में उनके साथ मित्र फुंसोग नामग्याल भी सहभागी थे। दोनों ने तेज हवाओं, न्यूनतम तापमान और बर्फ से ढकी तीखी ढलानों जैसी मुश्किल परिस्थितियों का साहसपूर्वक सामना करते हुए इस लक्ष्य को प्राप्त किया। शशि शेखर ने कहा कि यह चढ़ाई मेरे लिए सिर्फ एक व्यक्तिगत विजय नहीं थी, बल्कि झारखंड की पहचान को हिमालय की ऊंचाइयों तक पहुंचाने का एक प्रयास था।

ड्रग्स पैडलर्स के घर तक पहुंची पुलिस,

परिजनों को बताएगी कितना खतरनाक है मादक पदार्थ

रांची, एजेंसी। नशे के कारोबार में लिप्त ड्रग्स पैडलर्स के परिजन भी अब जानेंगे की नशे की लत कितनी खतरनाक होती है, कैसे नशे की जद में आकर युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है। इसके लिए पुलिस ने बेहद सकारात्मक प्लान पर काम शुरू किया है। ड्रग्स पैडलर्स नशे की तस्करी से दूर रहे इसके लिए अब उनके परिजनों को ही नशे से होने वाले नुकसान की जानकारी पुलिस के द्वारा दी जाएगी। इसकी शुरुआत भी कर दी गई है।

क्या है पूरी रणनीति

डीआईजी सह रांची एसएसपी चन्दन कुमार सिन्हा मादक पदार्थो के कारोबार को लेकर नो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रहे हैं। यही वजह है कि पिछले डेढ़ सालों में केवल रांची से ही करोड़ों की नशे की खेप बरामद किया गया और दर्जनों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। अब पुलिस नशे के तस्करों के परिजनों का भी काउंसिलिंग करेगी ताकि वे अपने बेटों को ड्रग्स पैडलर्स बनने पर रोक लगा सके।

डीआईजी सह एसएसपी चन्दन कुमार सिन्हा ने बताया कि जिले में बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जो कुछ रुपयों के लिए ब्राउन शुगर समेत अन्य नशीली पदार्थ की खरीद बिक्री करते हैं।

ऐसे लोगों को पुलिस गिरफ्तार कर जेल भी भेजा है। ऐसे तत्वों को सुधारने और सही रास्ते में लाने के लिए एक योजना तैयार की गई है। इस योजना के तहत पुलिस की टीम जेल से छूटे पैडलरों के घर जाकर उन्हें किसी दूसरा व्यवसाय करने के लिए जागरूक कर रही है। साथ ही उनके पूरे परिवार के सामने उन्हें यह बताया जा रहा है कि नशीली पदार्थ की बिक्री करने से कितने परिवार बर्बाद हो रहे हैं।

बड़े नशे के तस्करों पर कार्रवाई की भी तैयारी

दरअसल, रांची पुलिस यह भली भांति जानती है कि बड़े नशे के तस्कर युवाओं को खासकर कम उम्र के लड़के-लड़कियों को लालच या फिर उन्हें नशे का आदि बनाकर ड्रग्स पैडलर्स बना देते है। ऐसे में अब ड्रग्स पैडलर्स के परिवार सहित उनकी काउंसिलिंग तो होगी ही साथ ही बड़े तस्करों पर बड़ी कारवाई की भी तैयारी की गई है।

बड़े नशे के तस्करों को न सिर्फ जेल भेजा जाएगा, बल्कि उन तस्करों पर सीसीए के साथ-साथ उनकी संपत्ति भी जब्त की जाएगी। रांची पुलिस की ओर से इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। रांची पुलिस के द्वारा जिले में ब्राउन शुगर, अफीम समेत अन्य नशीली पदार्थ की तस्करी करने वाले आधा दर्जन से ज्यादा तस्करों की सूची तैयार की गई है। उस सूची में जिन तस्करों का नाम अंकित है, उसकी संपत्ति के बारे में पुलिस जानकारी इकट्ठा कर रही है। इस दौरान यह पता किया जाएगा कि तस्कर ने नशीली पदार्थ की तस्करी कर संपत्ति अर्जित की है या नहीं। साक्ष्य मिलने के बाद पुलिस तस्कर की संपत्ति जब्त करने की दिशा में कार्रवाई करेगी।

रिश्तेदारों की भी संपत्ति की होगी जांच

जिले में ब्राउन शुगर, अफीम समेत अन्य नशीली पदार्थ की तस्करी से मिले पैसे को रिश्तेदार या फिर दोस्तों के नाम से संपत्ति खरीद लेते हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि तस्करों के वैसे रिश्तेदार और दोस्तों की जानकारी ली जाएगी। उनकी संपत्ति के बारे में जानकारी प्राप्त करने के बाद उनसे भी पूछताछ होगी। संपत्ति खरीदने के लिए पैसे का श्रोत भी जाना जाएगा। अगर वह साक्ष्य नहीं उपलब्ध कराते हैं तो यह माना जाएगा कि तस्कर के पैसे से ही संपत्ति अर्जित की गई है। पुलिस उसे भी जब्त करने की दिशा में कार्रवाई करेगी।

80 से ज्यादा लोगों को जेल भेज चुकी है पुलिस

रांची पुलिस की ओर से इस साल जनवरी से जून तक नशीली पदार्थ की खरीद बिक्री करने के आरोप में 80 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। इसमें कई महिलाएं भी शामिल है। इन आरोपियों के पास से पुलिस ने भारी मात्रा में ब्राउन शुगर और अन्य नशीली पदार्थ जब्त कर चुकी है।

दोनों मोर्चे पर कार्रवाई

डीआईजी सह एसएसपी रांची चन्दन कुमार सिन्हा ने बताया कि नशीली पदार्थ की तस्करी करने वालों की संपत्ति जब्त की जाएगी। आधा दर्जन से ज्यादा बड़े तस्करों की संपत्ति के बारे में जानकारी इकट्ठा की जा रही है। वहीं, कुछ रुपए कमाने वाले पैडलरों को सुधारने के लिए पुलिस अब उनके घर तक पहुंच रही है। उन्हें सही व्यवसाय करने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

टाटा-रांची मुख्य मार्ग पर बाढ़ जैसे हालात; चांडिल डैम का जलस्तर बढ़ा, खोले गये फाटक

चांडिल, एजेंसी। सरायकेला खरसावां जिले के चांडिल अनुमंडल में पिछले तीन दिनों से हो रही झमाझम बारिश से जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. लगातार हो रही भारी बारिश से चांडिल डैम का जलस्तर काफी अधिक बढ़ गया है. आज गुरुवार की सुबह 10 बजे जलस्तर 181.15 मीटर के ऊपर पहुंच गया, जिसके बाद डैम के 6 रेडियल गेट को ढाई-ढाई मीटर करके खोला गया.

चांडिल डैम का जलस्तर धीरे-धीरे बढ़ रहा है. जैसे-जैसे डैम का जलस्तर बढ़ रहा है वैसे-वैसे विस्थापित गांव में बसे ग्रामीणों को डूबने का डर सता रहा है. चांडिल डैम से विस्थापित हुए चांडिल, नीमडीह, कुकड़ू व ईचागढ़ के हजारों परिवार के लोग गांव में रहते हैं. हालांकि डैम का फाटक खोले जाने से अब तक विस्थापित गांव में पानी नहीं घुसा है.

जमशेदपुर से सटे टाटा-रांची मुख्य मार्ग पारडीह काली मंदिर के पास से गुजरने वाली बोड़ाम-पटमदा मार्ग पूरी तरह से जलमग्न हो गया है. सड़क पर खड़ी कार, बस, ट्रक समेत कई गाड़ियां पानी में पूरी तरह डूब चुकी हैं. इलाके में बाढ़ जैसे हालात हो गये हैं.

इधर भारी बारिश के कारण बामनी नदी का जलस्तर भी काफी अधिक बढ़ गया है. चांडिल डैम रोड स्थित पुल के ऊपर से बामनी नदी का पानी बह रहा है, जिससे चांडिल बाजार से चांडिल अनुमंडल कार्यालय की ओर जाने वाले मार्ग पर आवागमन बाधित हो गया है. अनुमंडल कार्यालय जाने के लिए चांडिल के लोगों को एनएच 33 गोलचक्कर-मुखिया होटल होते हुए जाना पड़ रहा है.

धनबाद से बेंगलुरु के लिए चलेगी डायरेक्ट ट्रेन, कोडरमा-गया और डीडीयू से गुजरेगी

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के यात्रियों की दशकों पुरानी मांग जल्द पूरी होनेवाली है। धनबाद से बेंगलुरु के बीच नई ट्रेन चलाई जाएगी। धनबाद से गोमो, पारसनाथ, कोडरमा, गया व डीडीयू होकर नई ट्रेन चलेगी। काटपाडी होकर चलने वाली ट्रेन से बेंगलुरु के साथ-साथ इलाज कराने वेल्लूर जानेवाले मरीजों को भी साप्ताहिक ट्रेन मिल जाएगी।

धनबाद रेल मंडल ने बेंगलुरु के लिए सीधी ट्रेन का प्रस्ताव मजबूत पक्ष के साथ मुख्यालय भेजा है। मुख्यालय की हरी झंडी के बाद रेलवे बोर्ड से अनुमति मांगी गई है। रूट व टाइम टेबल को अंतिम रूप देकर रेलवे बोर्ड से इसकी घोषणा कर दी जाएगी। धनबाद से बेंगलुरु की ट्रेन अभी एसी स्पेशल के रूप में चलेगी।

इस ट्रेन में थर्ड एसी इकोनॉमी कोच, थर्ड एसी व सेकेंड एसी के कोच जुड़ेंगे। बाद में उपलब्धता के आधार पर जनरल व स्लीपर के कोच भी जोड़े जाएंगे। एसी स्पेशल का किराया अधिक चुकाना होगा। धनबाद से कोयंबटूर के बीच चलने वाली साप्ताहिक ट्रेन के रूट से धनबाद से बेंगलुरु की ट्रेन चलाई जा सकती है।

धनबाद-कोयंबटूर स्पेशल गोमो, पारसनाथ, कोडरमा, गया, डीडीयू, प्रयागराज छिवकी, सतना, कटनी, जबलपुर, नागपुर, बल्हारशाह, विजयवाड़ा, काटपडी, जोलारपेट्टई होकर कोयंबटूर जाती है।

धनबाद-बेंगलुरु स्पेशल जोलारपेट्टई से बेंगलुरु की ओर मुड़ जाएगी। धनबाद से बेंगलुरु की एक भी ट्रेन नहीं है। यहां तक कि धनबाद होकर भी बेंगलुरु की ट्रेन उपलब्ध नहीं है। यात्रियों को हैदराबाद, सिकंदराबाद या जोलारपेट्टई में उतर कर विकल्प ढूंढ़ना पड़ता है।

सीधी ट्रेन के लिए हटिया या हावड़ा का रुख करना पड़ता है। नई ट्रेन से यात्रियों के साथ बेंगलुरु में पढ़ाई कर रहे छात्र व नौकरीपेशा को भी बड़ी राहत मिल सकेगी।

गुरुवार को चलने वाली 12312 कालका-हावड़ा नेताजी एक्सप्रेस अपने निर्धारित मार्ग के बदले परिवर्तित मार्ग अंबाला कैंट, सहारनपुर, मेरठ सिटी व खुर्जा स्टेशन होकर जाएगी। कुरुक्षेत्र, करनाल, पानीपत, समालखा, गन्नौर, सोनपुर, आदर्श नगर दिल्ली, सब्जी मंडी, दिल्ली व गाजियाबाद स्टेशन पर ठहराव नहीं होगा। 18310 जम्मूतवी-संबलपुर एक्सप्रेस जम्मूतवी से 120 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाई जाएगी। दिल्ली मंडल में ट्रैफिक व पावर ब्लॉक के मद्देनजर ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया जाएगा।

हाई कोर्ट में सरकार ने दी जानकारी, जमीन सर्वे के लिए नई तकनीक का होगा इस्तेमाल

रांची, एजेंसी। झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ में राज्य में जमीन सर्वे को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने राज्य सरकार को जमीन सर्वे की तकनीक बिहार सहित तीन राज्यों से आदान-प्रदान करने की प्रक्रिया तेज करने कहा है।

अदालत ने कहा कि नई तकनीक के जरिए जमीन सर्वे के काम में तेजी लाने का निर्देश देते हुए अद्यतन जानकारी मांगी है। मामले में अगली सुनवाई 16 सितंबर को होगी।

सुनवाई दौरान सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि जमीन सर्वे के लिए तीन टीम बिहार, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक की तकनीक सीख रही हैं। पिछले दिनों एक टीम आंध्र प्रदेश में हुए कान्फ्रेंस में शामिल होकर तकनीक को अपडेट किए जाने की जानकारी प्राप्त की।

इसके अलावा, दो अन्य टीम बिहार एवं कर्नाटक से जमीन सर्वे की नई तकनीक सीखेगी, जिससे जमीन सर्वे के तकनीक को झारखंड में भी अपग्रेड कर काम में तेजी लाई जाएगी। पिछली सुनवाई में सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि झारखंड में जमीन सर्वे की तकनीक काफी पुरानी है, इसलिए सर्वे करने में परेशानी आ रही है।

इसपर कोर्ट ने भूमि राजस्व सुधार विभाग के प्रधान सचिव को शपथ पत्र दाखिल कर यह बताने को कहा था कि जमीन सर्वे पूरा करने के लिए अमीन सहित अन्य कर्मियों की कब तक नियुक्ति कर ली जाएगी। अदालत ने पूछा था कि सर्वे के लिए पुराने तकनीक को कब तक एडवांस किया जाएगा और जमीन सर्वे कब तक पूरा होगा?

कोर्ट ने मौखिक टिप्पणी की थी कि सर्वे समय से पूरा होने से आम लोगों की जमीन सहित सरकार के जमीन की सुरक्षा संभव हो पाएगी। तब सरकार की ओर से बताया गया था कि झारखंड में जमीन सर्वे का काम चल रहा है। कुछ जिलों में सर्वे का काम पूरा हो गया है। अमीन के कई पद रिक्त हैं। सर्वे के लिए तकनीकी कर्मचारियों की कमी के कारण सर्वे कार्य पूरा नहीं किया जा सका है।

इस संबंध में प्रार्थी गोकुल चंद की ओर से हाई कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई है। याचिका में कहा गया है कि वर्ष 1932 में भूमि का सर्वे हुआ था। झारखंड में 1975 से भूमि सर्वेक्षण कार्य प्रारंभ हुआ था, जो अभी तक पूरा नहीं किया जा सका है। सर्वे नहीं होने की वजह से सरकारी और वन भूमि को बेचा जा रहा है।

शराब घोटाला केस में छत्तीसगढ़ का कारोबारी सिद्धार्थ सिंघानिया गिरफ्तार, रांची लाएगी एसीबी की टीम

रांची, एजेंसी। शराब घोटाला केस में छत्तीसगढ़ के कारोबारी सिद्धार्थ सिंघानिया को गिरफ्तार कर लिया गया है। सिद्धार्थ सिंघानिया को रायपुर से गिरफ्तार किया गया है। सूचना है कि झारखंड एसीबी की टीम ने सिद्धार्थ सिंघानिया को गिरफ्तार किया है, उनको रायपुर कोर्ट में पेशी के बाद ट्रांजिट रिमांड पर रांची लाया जाएगा। उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के पूर्व प्रधान सचिव विनय कुमार चौबे के कार्यकाल में मई 2022 में लागू उत्पादन नीति में सिद्धार्थ सिंघानिया की सक्रियता थी। छत्तीसगढ़ मॉडल पर आधारित इस नीति में सिद्धार्थ सिंघानिया महत्वपूर्ण भूमिका में था। उस समय उसने ही झारखंड की खुदरा शराब दुकानों में मैनपॉवर आपूर्ति का ठेका लिया था। बाद में विवादों में आने के बाद राज्य सरकार ने उसकी प्लेसमेंट एजेंसियों को ब्लैक लिस्ट करते हुए बाहर कर दिया था। झारखंड में शराब घोटाला केस उजागर होने के बाद से ही एसीबी की टीम सिद्धार्थ सिंघानिया से पूछताछ करने के लिए समन कर रही थी। वह जांच एजेंसी के सामने उपस्थित नहीं हो रहा था। इसके बाद एसीबी ने कोर्ट से सिंघानिया का गिरफ्तारी वारंट लिया और फिर छत्तीसगढ़ जाकर उसे गिरफ्तार किया। शराब घोटाला केस में झारखंड एसीबी की टीम ने सिद्धार्थ सिंघानिया के रूप में यह सातवीं गिरफ्तारी की है। इससे पूर्व उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग प्रधान सचिव आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे, पूर्व उत्पाद आयुक्त अमित प्रकाश को गिरफ्तार किया गया।

वहीं, संयुक्त आयुक्त उत्पाद गजेंद्र सिंह, पूर्व महाप्रबंधक वित्त सुधीर कुमार दास, पूर्व महाप्रबंधक वित्त सह अभियान सुधीर कुमार, प्लेसमेंट एजेंसी मार्शन इन्नोवेटिव के स्थानीय प्रतिनिधि नीरज कुमार सिंह को एसीबी ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। सभी आरोपित न्यायिक हिरासत में रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में बंद हैं।

रक्षा राज्य मंत्री ने एमएसएमई क्षेत्र को बताया भारत का ब्रांड एंबेसडर, कहा- शक्तिशाली देश बनाने में इसकी अहम भूमिका

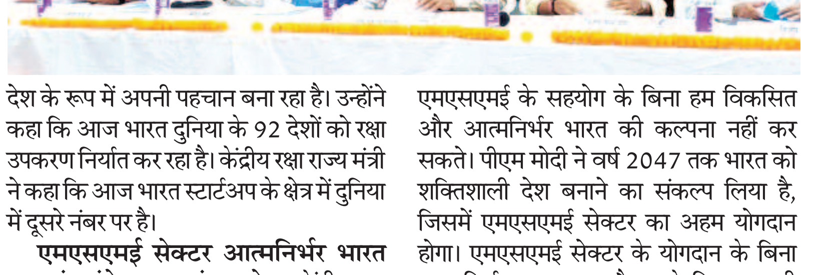

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में आज लघु उद्योग भारती द्वारा प्रांतीय महासभा सह उद्यमी सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ उपस्थित थे। इस अवसर पर लघु उद्योग भारती के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश मित्तल, अखिल भारतीय संगठन मंत्री प्रकाश चंद्रा, प्रांतीय अध्यक्ष विजय कुमार छापड़िया एवं प्रांतीय महामंत्री विजय मेवाड़ समेत उद्योग एवं व्यापार जगत का प्रतिनिधित्व करने वाले कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि देश को आत्मनिर्भर बनाने में लघु उद्योगों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि एक समय था जब रक्षा के क्षेत्र में भारत की पहचान आयातक देश के रूप में होती थी, वहीं आज भारत निर्यातक देश के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि आज भारत दुनिया के 92 देशों को रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि आज भारत स्टार्टअप के क्षेत्र में दुनिया में दूसरे नंबर पर है।

एमएसएमई सेक्टर आत्मनिर्भर भारत का ब्रांड एंबेसडर - संजय सेठ : केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने संबोधित करते हुए कहा कि एमएसएमई सेक्टर विकसित और आत्मनिर्भर भारत का ब्रांड एंबेसडर है। एमएसएमई के सहयोग के बिना हम विकसित और आत्मनिर्भर भारत की कल्पना नहीं कर सकते। पीएम मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को शक्तिशाली देश बनाने का संकल्प लिया है, जिसमें एमएसएमई सेक्टर का अहम योगदान होगा। एमएसएमई सेक्टर के योगदान के बिना आत्मनिर्भर भारत अधूरा है। इसके लिए जल्द ही रांची, जमशेदपुर, रामगढ़, बोकारो, धनबाद जैसे अन्य जिलों में स्थित एमएसएमई इकाइयों को बढ़ावा देने के बारे में अच्छी जानकारी मिलेगी। मेरा प्रयास है कि छोटे उद्योग रक्षा के क्षेत्र में सहयोग करें और भागीदार बनकर इस देश को आत्मनिर्भर भारत बनाने में अपना योगदान दें। टाटीसिलवे औद्योगिक क्षेत्र स्थित झारखंड सरकार टूल रूम के सभागार में आयोजित सम्मेलन को केंद्रीय श्रम, रोजगार, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे को संबोधित करना था, लेकिन खराब मौसम के कारण वे दिल्ली से रांची नहीं पहुंच सकीं।

सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में लघु उद्योग भारती के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश मित्तल ने कहा कि झारखंड समेत पूरे देश में लघु उद्योग भारती की कई नई इकाइयां खुल रही हैं। संगठन का लगातार विस्तार हो रहा है। संगठन के माध्यम से एमएसएमई की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। एमएसएमई उद्यमी उद्योग हित, राष्ट्रहित के मंत्र के साथ काम कर रहे हैं। हमारा संगठन जितना बड़ा होगा, हम उतने ही सशक्त होंगे। लघु उद्योगों की बाधाओं को दूर करने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

अखिल भारतीय संगठन मंत्री प्रकाश चंद्रा ने कहा कि लघु उद्योग भारती के प्रयास से लघु उद्योगों की समस्याओं का समाधान हो रहा है और लघु उद्योगों को मदद भी मिल रही है। हमें लघु उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए कम लागत में उत्पादन, गुणवत्तापूर्ण उत्पाद, निर्यात जैसे प्रयास करते रहना चाहिए। आने वाले समय में एमएसएमई का भविष्य बेहतर होने वाला है। सम्मेलन में राष्ट्रीय सचिव इंद्र अग्रवाल ने लघु उद्योगों को बढ़ाने पर जोर दिया। स्वागत भाषण देते हुए लघु उद्योग भारती झारखंड प्रदेश प्रांतीय अध्यक्ष विजय छापड़िया ने लघु उद्योगों को बढ़ावा देने की बात कही, जबकि प्रांतीय सचिव विजय मेवाड़ ने दो वर्षों में संगठन के कार्यों की जानकारी दी।

यौन उत्पीड़न के जुर्म में जेल में बंद बबलू शर्मा बरी, साढ़े चार साल बाद आएगा बाहर

रांची, एजेंसी। पॉक्सो मामले के विशेष न्यायाधीश बीके श्रीवास्तव की अदालत ने नाबालिग का यौन उत्पीड़न के आरोपित बबलू शर्मा को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। वह पिछले साढ़े चार साल से जेल में बंद था।गुरुवार को बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा होटवार से बाहर निकलेगा। बचाव पक्ष के अधिवक्ता फणीनेश्वर नाथ नीलेश ने उसके बचाव में बहस की थी। वह दिसंबर 2020 से जेल में है। झारखंड हाई कोर्ट ने भी दो बार जमानत देने से इनकार किया था। अधिवक्ता नीलेश ने बताया कि घटना को लेकर पीड़िता ने चुटिया थाना में दिसंबर 2020 में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। सुनवाई के दौरान रिकॉर्ड पर यह बात आई कि पीड़िता ने अपनी मां के कहने पर बबलू शर्मा के खिलाफ यौन उत्पीड़न का केस दर्ज कराया था।जिसमें कहा गया था कि मेरी मां से शादी का झांसा देकर साल 2018 से साथ रहा था। इसके बाद उसे छोड़ दिया। सुनवाई के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ही पीड़िता का बयान अदालत में दर्ज किया गया।

सुभाषितम्

जीवन में कोई चीज इतनी हानिकारक और खतरनाक नहीं जितना डाँवाँडोल स्थिति में रहना। - सुभाष चंद्र बोस

अब मोदी के पीछे पड़ गए भाजपा के सुब्रमण्यम स्वामी?

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और प्रख्यात अर्थशास्त्री डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार पर तीखा हमला बोला है। स्वामी, अपनी बेबाक टिप्पणियों के लिए जाने जाते हैं। राफेल सौदे, विदेश नीति, और पार्टी के नेतृत्व पर उन्होने गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने राफेल विमानों को युद्ध के लिए अक्षम बताते हुए सौदे में अनियमितताओं का आरोप लगाया है। साथ ही, मोदी को कायर और अमेरिका के सामने झुकने वाला कहकर उनकी राष्ट्रवादी छवि पर निशाना साधा है। स्वामी ने अमित शाह और मोदी के करीबी सहयोगियों पर भी विवादास्पद गतिविधियों में शामिल होने का इल्जाम लगाते हुये कहा, कि पार्टी ने आरोपों को नजरअंदाज किया है। स्वामी ने दावा किया, उनके पास ठोस स्त्रोत हैं। पूर्व रक्षा मंत्री मनोहर पर्रिकर ने राफेल सौदे का विरोध किया था। जिसे अनसुना कर दिया गया। स्वामी ने 2002 के गुजरात दंगों और जज लोया की मौत जैसे संवेदनशील मुद्दों पर भी आरोप लगाए हैं। इसके अलावा, स्वामी ने भारत की विदेश नीति को कमजोर बताते हुए कहा कि पाकिस्तान और चीन के खिलाफ भारत सरकार द्वारा सख्त रुख नहीं अपनाया गया। सुब्रमण्यम स्वामी जिस तरह से मोदी-शाह की जोड़ी पर बेबाकी से हमला किया है निश्चित रूप से भाजपा के लिए असहज स्थिति वे पैदा कर रहे हैं। स्वामी के आरोपों की विश्वसनीयता को लेकर हमेशा सवाल उठते रहे हैं। पिछले तीन दशक की राजनीति में सुब्रमण्यम स्वामी इसी तरह के आरोप लगाकर राजनीति में सनसनी फेलाते हैं। कांग्रेस और गांधी परिवार हमेशा उनके निशाने पर रहते हैं। सुब्रमण्यम स्वामी को प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया था उसके बाद से ही वह प्रधानमंत्री मोदी के आलोचक हो गए हैं, पहले भी उन्होंने इसी तरह के आरोप लगाए हैं। हाल ही में जिस तरह से उन्होंने आरोपों की झड़ी लगाई है, उसके पीछे कोई ना कोई उनका मकसद होगा। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद का चुनाव काफी दिनों से चल रहा है। भाजपा के अंदर ही दो समूह बन चुके हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा संगठन के बीच दूरियां बढी हैं। स्वामी यह प्रचारित करते रहे कि भाजपा संगठन में मोदी और शाह की जोड़ी का वर्चस्व होने के कारण पार्टी का संगठन कमजोर हुआ है। स्वामी की आलोचना व्यक्तिगत असंतोष से प्रेरित नजर आती है। उन्हें पार्टी में अपेक्षित भूमिका नहीं मिली है। स्वामी दावा करते हैं, वह सच बोल रहे हैं। पार्टी में असहमति को अनुशासन के नाम पर दबाया जा रहा है। मोदी सरकार के लिए जरूरी है, स्वामी के इन आरोपों का तथ्यपरक खंडन किया जाए। स्वामी के दावे और आरोपों पर सरकार को पारदर्शिता के साथ जवाब देना चाहिए। इस मामले में चुप्पी धारण करने से मोदी और सरकार के लिए आगे चलकर मुश्किलें बढ़ेंगी। भाजपा संगठन के अंदर भी अनुशासनहीनता बढ़ सकती है। स्वामी के आरोपों से संगठन के कार्यकताओं और नेताओं का मनोबल गिरता है। सुब्रमण्यम स्वामी के आरोपों से कांग्रेस को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है। नेशनल हेराल्ड और राहुल की नागरिकता वाला मामला अभी भी कांग्रेस के गले में पड़ा हुआ है। भाजपा ने यदि सुब्रमण्यम स्वामी को नियंत्रित नहीं किया तो सरकार और भाजपा संगठन को इसका नुकसान भी हो सकता है। सुब्रमण्यम स्वामी सिर्फ सत्ता पाने प्रचार और राजनीतिक अस्तित्व बनाए रखने के लिए इस तरह के आरोप लगा रहे हैं। यदि ऐसा है तो सरकार और भाजपा संगठन को उनके ऊपर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। वह भाजपा के सांसद रह चुके हैं। अभी उनके पास कोई पद नहीं है लेकिन भारत और दुनिया के देशों में उनके द्वारा जो कहा जाता है उसे गंभीरता से लिया जाता है। अतः इस मामले में भाजपा संगठन और केंद्र सरकार को सतर्क रहने की जरूरत है।

चिंतन-मनन

आभार जताना सीखो

मेरी एक संत मित्र थीं विमल। गर्मी के दिन थे और हम लोग गंगा तट पर बैठे हुए थे। गंगा तट पर बैठने से बड़ी ठंडी हवा लग रही थी। यूं तो बहुत गर्मी थी। अचानक से उन्होंने अपने झोले से आम निकाले और आम उन्होंने गंगा जी में उतार दिए ताकि ठंडे हो जाएँ और जब ठंडे हो गए तो उन्होंने एक मुझे दिया एक स्वयं लिया। उन्होंने आम हाथ में पकड़ा है और आम को देखती जा रही हैं। देखते-देखते उन्होंने कहा, यह आम का पेड़ जाने किस किसान ने कब बोया होगा, कितने पेड़ मर-मरा जाते हैं। चलते ही नही लेकिन यह पेड़ चलता रहा। सब झेल गया, आंधी तूफान सब झेल गया। मरा नहीं स्वस्थ रहा। अभी वह बड़ा हुआ। अभी उस पर बौर आए। फिर उस पर फल लगे और जाने कितने ही बार इस पेड़ पर कितने ही फल लगे होंगे और जाने किस-किसने खाए होंगे। लेकिन यह एक आम उतरा, टोकरी में गया। टोकरी से मंडी, मंडी से ट्रेडर, ट्रेडर से रीटेलर। और फिर अंत में रेहड़ी वाले के पास इतने आम थे, पर मैंने चुन कर कुछ आमों को निकाला और गंगा तट पर ये जो आम लाई हूं और उनमें से एक आम आपको दे दिया। पर यह आम मेरे हिस्से में आया। तो यह आम मुझ तक कितनी लम्बी यात्रा कर के आ रहा है। भावविभोर हो कर विमल ने कहा कि परमात्मा ने इस फल को खासम-खास मेरे लिए ही उगाया था। इसको मैं कहती हूं- संवेदनशील होना। इतने खेत, इतने पेड़, इतने आम, इतने रीटेलर, इतने रेहड़ी वाले, करोड़ों आम निकलते हैं। पर उन करोड़ों आमों में से यह एक छंट कर मुझ तक पहुंचा। भगवान ने खासम-खास यह आम मेरे लिए उगाया है तो यह तो परमात्मा का प्रसाद है और वह आम से ऐसे बात कर रही थीं जैसे आम उसकी बात को सुन रहा हो। और उस आम से कहती हैं, जब मैं तुम्हें खाऊंगी तो बहुत रस लेकर खाऊंगी और जब तू मेरे भीतर जाएगा तो तू मेरे भीतर ईश्वरीय प्रेम को और जगा देगा।

बौद्ध धर्म को मानने वाले लोगों के तिब्बत, शरणार्थी का दर्द

- संजय गोस्वामी

तिब्बत हमेशा अपनी आजादी के लिए लगभग 70सालों से चीन के चंगुल से अपने आप को छुड़ाने की गुहार विश्व पटल पर लगा रहा हैदुनिया में आज कोई ऐसा देश खोजना मुश्किल है, जिस पर इतिहास के किसी दौर में किसी विदेशी ताकत का प्रभाव या अधिपत्य न रहा हो। तिब्बत के मामले में विदेशी प्रभाव या दखलंदाजी तुलनात्मक रूप से बहुत ही सीमित समय के लिए रही थी इस शोध पत्र में उनके स्वायित्व व चीन के अमानवीय व्यवहार जो भगवान बुद्ध के शांति के मार्ग पर चलने के लिए तिब्बत शरणार्थी शिविरों जो भारत में अपने देश की आजादी के लिए संघर्षरत है उस पर विश्व पटल पर मानवाधिकार हनन के लिए बहुत ही मुश्किल लेकिन उनकी आजादी की मांग करें क्योंकि इससे मानवता की रक्षा होती है। हिमालय के उत्तर में स्थित तिब्बत 12 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ और अशांति से भरा एक कटा हुआ इलाका है। इसका इतिहास कई तरह के झटकों और परेशानियों से भरा हुआ है। 1013 ई0 में नेपाल से धर्मपाल तथा अन्य बौद्ध विद्वान तिब्बत गए। 1042 ई0 में दीपंकर श्रीज्ञान अतिशा तिब्बत पहुँचे और बौद्ध धर्म का प्रचार किया। शाक्यवंशियों का शासनकाल 1207 ई0 में प्रारंभ हुआ। मंगोलों का अंत 1720 ई0 में चीन के माँछु प्रशासन द्वारा हुआ। तत्कालीन साम्राज्यवादी अंग्रेजों ने, जो दक्षिण पूर्व एशिया में अपना प्रभुत्व स्थापित करने में सफलता प्राप्त करते जा रहे थे, यहाँ भी अपनी सत्ता स्थापित करनी चाही, पर 1788-1792 ई0 के गुरखों के युद्ध के कारण उनके पैर यहाँ नहीं जम सके। परिणाम स्वरूप 19 वीं शताब्दी तक तिब्बत ने अपनी स्वतंत्र सत्ता स्थिर रखी यद्यपि इसी बीच लद्दाख पर कश्मीर के शासक ने तथा सिक्किम पर अंग्रेजों ने आधिपत्य जमा लिया। अंग्रेजों ने अपनी व्यापारिक चौकियों की स्थापना के लिये कई असफल प्रयत्न किया। इतिहास के मुताबिक तिब्बत को दक्षिण में नेपाल से भी कई बार युद्ध करना पड़ा और नेपाल ने इसको हराया। नेपाल और तिब्बत की सन्धि के मुताबिक तिब्बत को हर साल नेपाल को ५००० नेपाली रुपये हरजाना भरना पड़ा। इससे आजित होकर नेपाल से युद्ध करने के लिये चीन से मदद माँगी चीन के मदद से उसने नेपाल से छुटकारा तो पा लिया लेकिन इसके बाद 1906-07 ई0 में तिब्बत पर चीन ने अपना अधिकार कर लिया और याटुंग ग्याड्से एवं गरटोक में अपनी चौकियाँ स्थापित की। 1912 ई0 में चीन से मांछु शासन अंत होने के साथ तिब्बत ने अपने को पुनः स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया। सन् 1913-14 में चीन, भारत एवं तिब्बत के प्रतिनिधियों की बैठक शिमला में हुई जिसमें इस विशाल पठारी राज्य को भी भागों में विभाजित कर दिया गयाः 23 मई, 1951 को तिब्बत ने चीन के इस विवादित समझौते पर साइन किए थे। 13वीं शातब्दी में तिब्बत, मंगोल साम्राज्य का हिस्सा था और जीत के बाद से इसे हमेशा स्वायत्तता हासिल रही। इस सरकार की विस्तारवादी नीतियों के चलते 1950 में चीन ने हजारों सैनिकों के साथ तिब्बत पर हमला कर दिया। करीब 8 महीनों तक तिब्बत पर चीन का कब्जा चलता रहा। आखिरकार तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने 17 बिंदुओं वाले एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के बाद तिब्बत आधिकारिक तौर पर चीन का हिस्सा बन मुख्यतः बौद्ध धर्म को मानने वाले लोगों के तिब्बत सुदूर इलाके को संसार की छत के नाम से भी जाना जाता है। चीन में तिब्बत का दर्जा एक स्वायत्तशासी क्षेत्र के तौर पर है।चीन का कहना है कि इस इलाके पर सदियों से उसकी संप्रभुता रही है जबकि बहुत से तिब्बती लोग अपनी वफादारी अपने निर्वासित आध्यात्मिक नेता दलाई लामा के प्रति रखते हैं।दलाई लामा को उनके अनुयायी एक जीवित ईश्वर के तौर पर देखते हैं तो चीन उन्हें एक अलगाववादी खतरा मानता है।तिब्बत का इतिहास बेहद उथल-पुथल भरा रहा है। कभी वो एक खुदमुख़्तार इलाके के तौर पर रहा तो कभी मंगोलिया और चीन के ताकतवर राजवंशों ने उस पर हुकूमत की। लेकिन साल 1950 में चीन ने इस इलाके पर अपना झंडा लहराने के लिए हजारों की संख्या में सैनिक भेज दिए। तिब्बत के कुछ इलाकों को स्वायत्तशासी क्षेत्र में बदल दिया गया और बाकी इलाकों को इससे लगने वाले चीनी प्रांतों में मिला दिया गया।लेकिन साल 1959 में चीन के खिलाफ हुए एक नाकाम विद्रोह के बाद 14वें दलाई लामा को तिब्बत छोड़कर भारत में शरण लेनी पड़ी जहां उन्होंने निर्वासित सरकार का गठन किया। साठ और सत्तर के दशक में चीन की सांस्कृतिक क्रांति के दौरान तिब्बत के ज्यादातर बौद्ध विहारों को नष्ट कर दिया गया। माना जाता है कि दमन और सैनिक शासन के दौरान हजारों तिब्बतियों की जानें गई थीं।चीन और तिब्बत के बीच विवाद, तिब्बत की कानूनी स्थिति को लेकर है। चीन कहता है कि तिब्बत तेरहवीं शताब्दी के मध्य से चीन का हिस्सा रहा है लेकिन तिब्बतियों का कहना है कि तिब्बत कई शताब्दियों तक एक स्वतन्त्र राज्य था और चीन का उसपर निरंतर अधिकार नहीं रहा। मंगोल राजा कुबलई खान ने युआन राजवंश की स्थापना की थी और तिब्बत ही नहीं बल्कि चीन, वियतनाम और कोरिया तक अपने राज्य का विस्तार किया था।फिर सत्रहवीं शताब्दी में चीन के चिंग राजवंश के तिब्बत के साथ संबंध बने। 260 साल के रिश्तों के बाद चिंग सेना ने तिब्बत पर अधिकार कर लिया। लेकिन तीन साल के भीतर ही उसे तिब्बतियों ने खदेड़ दिया और 1912 में तेरहवें दलाई लामा ने तिब्बत की स्वतन्त्रता की घोषणा की। फिर 1951 में चीनी सेना ने एक बार फिर तिब्बत पर नियन्त्रण कर लिया और तिब्बत के एक शिष्टमंडल से एक संधि पर हस्ताक्षर करा लिए जिसके अधीन तिब्बत की प्रभुसत्ता चीन को सौंप दी गई। दलाई लामा भारत भाग आए और तभी से वे तिब्बत की स्वायत्तता के लिए संघर्ष कर रहे हैं।जब 1949 में चीन ने तिब्बत पर कब्जा किया तो उसे बाहरी दुनिया से बिल्कुल काट दिया।तिब्बत में चीनी सेना तैनात कर दी गई, राजनीतिक शासन में दखल किया गया जिसकी वजह से तिब्बत के नेता दलाई लामा को भाग कर भारत में शरण लेनी पड़ी।फिर तिब्बत का चीनीकरण शुरू हुआ और तिब्बत की भाषा, संस्कृति, धर्म और परम्परा सबको निशाना बनाया गया।किसी बाहरी व्यक्ति को तिब्बत और उसकी राजधानी ल्हासा जाने की अनुमति नहीं थी, इसीलिये उसे प्रतिबन्धित शहर कहा जाता है। विदेशी लोगों के तिब्बत आने पर ये पाबंदी 1963 में लगाई गई थी।

मान्यता के माध्यम से एकजुटता

- किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर हर वर्ष विश्व शरणार्थी दिवस 20 जून को मनाया जाता है जिसकी प्रतिवर्ष एक थीम होती है,जो 20 जून 2025 की थीम मान्यता के माध्यम से एकजुटता है। असल में,दुनिया भर में एक बड़ी संख्या में शरणार्थी रहते हैं। इनके साथ आए दिन प्रताड़ना, संघर्ष और हिंसा जैसी कई चुनौतियों के कारण इनको अपना देश छोड़कर बाहर भागने को मजबूर होना पड़ता है। जिसके बाद इन सभी को कई देशों में पनाह मिल जाती है। वहीं, कई देशों से इनको निकाल भी दिया जाता है। बेशक इन्हें पनाह मिल जाए, लेकिन वो सम्मान और अधिकार नहीं मिल पाते।शरणार्थी के साहस, शक्ति और संकल्प के प्रति सम्मान व्यक्त करना है। इसके साथ ही इस दिन को मनाये जाने का एक अन्य उद्देश्य शरणार्थियों की बुरी दुर्दशा की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करना और उनकी समस्याओं का हल करना है,संयुक्त राष्ट्र 1951 शरणार्थी सम्मेलन और इसके प्रोटोकाल 1967, हालांकि भारत अमेरिका ने इसपर हस्ताक्षर नहीं किए हैं,परंतु इसके अनुसार शरणार्थी सम्मेलन और इसका 1967 प्रोटोकॉल अत्यंत महत्वपूर्ण है शरणार्थी दुनियाँ के सबसे कमजोर लोगों में से हैं। यह सम्मेलन और प्रोटोकॉल उनकी सुरक्षा में मदद करता है। वे एकमात्र वैश्विक कानूनी साधन हैं जो स्पष्ट रूप से एक शरणार्थी के जीवन के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं को कवर करते हैं। उनके प्रावधानों के अनुसार, शरणार्थी, कम से कम, किसी दिए गए देश में अन्य विदेशी नागरिकों के साथ व्यवहार के समान मानकों के पात्र हैं और, कई मामलों में, नागरिकों के समान व्यवहार।1951 के कन्वेंशन में कई अधिकार शामिल हैं और यह अपने मेजबान देश के प्रति शरणार्थियों के दायित्वों पर भी प्रकाश डालता है। 1951 के कन्वेंशन की आधारशिला गैर-रिफाउलमेंट का सिद्धांत है। इस सिद्धांत के अनुसार, एक शरणार्थी को उस देश में नहीं लौटाया जाना चाहिए जहां उसे अपने जीवन या स्वतंत्रता के लिए गंभीर खतरा है। शरणार्थियों द्वारा इस सुरक्षा का दावा नहीं किया जा सकता है,जिन्हें देश की सुरक्षा के लिए उचित रूप से खतरा माना जाता है, या विशेष रूप से गंभीर अपराध के लिए दोषी ठहराया गया है,उन्हें समुदाय के लिए खतरा माना जाता है। परंतु मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भाववाणी गोंदिया महाराष्ट्र, यह मानता हूं कि अभी 1951 सम्मेलन तथा 1967 के प्रोटोकॉल को संशोधन करने की जरूरत आन पड़ी है? क्योंकि वर्तमान समय में हम अमेरिका-भारत-पाकिस्तान सहित अनेकों देशों में हो रहे गंभीर दंगों व आवर्जन विवादों के कारण माहौल दंगों में बदलने की संभावना हो गई है? भारत का ऑपरेशन पुशबैक व अमेरिका का टारगेट@3000 से दंगा भड़क उठा है,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे वैश्विक परिपेक्ष में जबरन स्वार्थी पलायन शरणार्थी बनाम भय उत्पीड़न हिंसा व पर्यावरणीय जलवायु परिवर्तन शरणार्थी।

साथियों बात अगर हम अमेरिका की करें तो,वहां भी घुसपैठ का हाल कमोबेश ऐसा ही है। यह जब एक बार घुसपैठिया अंदर आ जाता है तो उसको डिपोर्ट करना भी इसी तरह एक लंबा और विवादास्पद मामला बन जाता है। अमेरिका में लॉस एंजिल्स न्यूयॉर्क और सैन फ्रांसिस्को जैसे कुछ ऐसे शहर हैं,जहाँ अधिकारियों को इन घुसपैठियों से पूछताछ करने या उन्हें हिरासत में लेने की अनुमति नहीं है। ये शहर डिपोर्ट करने के आदेशों या पुलिस के साथ सहयोग करने से साफ इनकार करते हैं, उन्हें कानून प्रवर्तन के राजनीतिक हथियार के रूप में देखते हैं।जून 2025 की शुरूआत से लॉस एंजिल्स में इसी से जुड़ा एक नाटक चल रहा है। यहाँ घुसपैठियों पर जब एक्शन चालू हुआ तो इसके विरोध में प्रदर्शन होने लगे। पुलिस ने इन प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस और रबर की गोलियाँ चलाई। यहाँ इसके बाद यूनियन नेता को गिरफ्तार कर लिया गया, सरकार ने इसके बाद टाइटल 10 कानून के तहत 4,000 नेशनल गार्ड सैनिकों और 700 मरीन को तैनात करके जवाब दिया। इसके बाद तो बवाल और बढ़ा। कई कारों को जला दिया गया, सड़कों को अवरुद्ध कर दिया गया, कई पत्रकारों को घायल कर दिया गया। इस पूरे बवाल से ट्रंप सरकार की घुसपैठियों को लेकर नीति और किसी शहर को उनके लिए स्वर्ग बनाने की राजनीति माना जा सकता है। इन सब चक्करों में डिपोर्टेशन और भी कठिन हो जाता है। भले ही अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति सख्त सीमा प्रवर्तन और भूमि से अवैध अप्रवासियों को हटाने के लिए जोर दे रहे हैं, लेकिन कानूनी प्रणाली और कुछ विशिष्ट शहर इससे कड़ी लड़ाई लड़ रहे हैं। साथियों बात अगर हम भारत की करें तो यहाँ भी वर्तमान में ऑपरेशन पुशबैक चल रहा है। इसके तहत बांग्लादेशी घुसपैठियों को वापस भेजने का प्रयास हो रहा है। यह कार्रवाई अभी कुछ हजार लोगों तक ही सीमित है।भारतीय फैशन, असल में एक बार जब अवैध प्रवासी किसी देश में प्रवेश कर जाते हैं तो चाहे वह भारत हो, अमेरिका फिर या यूरोप के देश, तो उन्हें वापस भेजना कानूनी अड़चन, राजनीतिक विरोध और एक्टिविज्म का एक चक्रव्यूह बन जाता है। कायदा तो यह होना चाहिए कि किसी देश में अवैध रूप से रहने वालों को उठा कर सीधे वापस भेज दिया जाना चाहिए। हालाँकि, यह लंबी अदालती लड़ाइयों, एक्टिविज्म और कानूनी दाँवपेंच में बदल गया है। दिलचस्प बात यह है कि जहाँ भारत जैसे देशों में घुसपैठियों को बाहर निकालना मुश्किल का काम है, वहीं पाकिस्तान धड़ाधड़ अफगानिस्तान के लोगों को निर्वासित कर रहा है। रिपोर्ट बताती है कि फरवरी 2025 तक, पाकिस्तान ने 8 लाख से ज्यादा अफगानों को बिना किसी बवाल के डिपोर्ट कर दिया है।

साथियों बात अगर हम भारत अमेरिका के 1951 के शरणार्थी सम्मेलन व1967 के प्रोटोकॉल में शामिल नहीं होने की करें तो, भारत शामिल नहीं है। इसका मतलब है कि भारत कानूनी रूप से इन अंतर्राष्ट्रीय समझौतों द्वारा बाध्य नहीं है, जो शरणार्थियों के अधिकारों को परिभाषित करते हैं और देशों को उन्हें वापस अपने देशों में भेजने से रोकते हैं। हालांकि, भारत ने हमेशा पड़ोसी देशों से आने वाले शरणार्थियों को मानवीय आधार पर स्वीकार किया है और उनके साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया है। भारत का मानना है कि शरणार्थी समस्या एक द्विपक्षीय मुद्दा है और स्थिति सामान्य होने पर शरणार्थियों को अपने देशों में वापस लौट जाना चाहिए। भारत में शरणार्थियों के लिए कोई विशिष्ट कानून नहीं है, लेकिन संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत, सभी व्यक्तियों को जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार है, चाहे वे भारत के नागरिक हों या नहीं। इसका मतलब है कि शरणार्थियों को भी इस अधिकार से सुरक्षा मिलती है, और उन्हें मनमाने ढंग से वापस नहीं भेजा जा सकता है। भारत में शरणार्थी समस्या के समाधान के लिए एक स्पष्ट शरणार्थी नीति की आवश्यकता है जो शरणार्थियों के प्रबंधन के लिएपारदर्शी और जवाबदेह व्यवस्था का निर्माण करे।

नरेन्द्र मोदी के 11 वर्षों में अभूतपूर्व कार्यो से देश निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर

-डॉ. राघवेन्द्रर शर्मा

आजकल प्रिंट मीडिया, सोशल मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सभी प्लेटफार्मों पर मोदी सरकार के 11 सालों के कार्यकाल की समीक्षा हो रही है। सभी विषय विशेषज्ञ अपनी अपनी तरह से उनकी कार्यशैली और देश की वर्तमान स्थिति को विश्लेषित कर रहे हैं। यहां एक बात जो विशेष रूप से दिखाई देती है, वह यह है कि सब लोग प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 11 सालों के कार्यकाल की बात तो कर रहे हैं, वह देश हित में कितना बेहतर कर पाए अथवा और क्या-क्या कर सकते थे इस बात पर भी चर्चा हो रही है। किंतु इस बात पर किसी का भी ध्यान नहीं गया की श्री मोदी किन परिस्थितियों में देश के प्रधानमंत्री बने और अब किन हालातो में स्वयं को भारत का प्रधान सेवक मानकर उसकी बेहतरीन की सेवा में लगे हुए हैं। इसे समझने के लिए हमें उस कथानक पर गौर करना होगा, जिसके तहत गलत वातावरण में पले बढ़े एक बच्चे को एक योग्य विशेषज्ञ अथवा शिक्षक के पास ले जाया जाता है। शिक्षक से अपेक्षा की जाती है कि वह उक्त बालक को शारीरिक और बौद्धिक रूप से विकसित करे?, उसे सही दिशा दिखाए। सिखाने वाला इस चुनौती को स्वीकार भी करता है और अपने कर्तव्य के निर्वहन में जी लगाकर जुट जाता है। एक निश्चित समय बाद बच्चों के अभिभावकों को लगा कि अब तक तो बालक सर्वांगीण विकास को प्राप्त हो चुका होगा। लेकिन जैसे ही उनका गुरुकुल, गुरु और उस बच्चे से साक्षात्कार होता है तो अपेक्षित परिणाम देखने को नहीं मिलते। इस पर गुरु से सवाल किए जाते हैं कि हमने आपके ही आश्रम में इतने ही समय में अन्य बच्चों को शारीरिक और मानसिक रूप से विकसित होते देखा है। फिर हमारे बच्चे को क्या हुआ? यह क्यों विकास को प्राप्त नहीं हो पा रहा? क्या हमारा बच्चा भौतिक अथवा दैविक प्रतिकूलता का शिकार है या इसमें कोई जन्म जात कमी है ? क्या हम इसे पौष्टिक आहार नहीं देते देते? क्या यह किसी प्रकार के कुपोषण का शिकार है? इस पर गुरु का जवाब होता है बच्चा पूर्ण रूप से स्वस्थ है। इसमें कोई कमी नहीं है, ना ही इसका किसी भी प्रकार का दोष है। दोष है तो केवल उस परिवेश का जिसमें अभी तक यह रह रहा था। दरअसल मेरे गुरुकुल में बाकी जितने भी बच्चे आए उनके कच्चे मन में मैंने जो उत्कृष्ट विचार वीजारोपित करना था वह किया और मैं सफल भी रहा। सभी बच्चे सामान्य रूप से विकास को प्राप्त हो रहे हैं। लेकिन आपके बच्चे का दुर्भाग्य यह है कि वह लंबे समय तक गलत परिवेश में दिग्भ्रमित प्रशिक्षण को प्राप्त होता रहा। उसने वहां जो कुछ भी सीखा उसे अच्छी तरह से मन मस्तिष्क में बिठा लिया। अब समस्या यह है कि मुझे पहले इसके मन मस्तिष्क में गहरे तक पैठ चुके उन दूषित विचारों, स्मृतियों को विलोपित करने के लिए अतिरिक्त मेहनत करना पड़ रही है, जो इसे गलत परिवेश और अनुचित प्रशिक्षण से प्राप्त हुए थे। जब यह पुरानी गलत चीजों को अपनी स्मृतियों से हटा देगा तभी यह नई और सही चीजों को पूरी तरह से ग्रहण कर पाएगा?। यह ठीक वैसा उपक्रम है जैसे एक साफ सुथरी कॉपी पर मनचाहा लेख लिख देना और एक लिखी हुई कॉपी पर पहले पुराने लिखे हुए को मिटाने का उद्यम करना और फिर वहां पर स्पष्ट रूप से नए अक्षरों अथवा शब्दों को अंकित करना। स्पष्ट शब्दों में कहा जाए तो साफ सुथरी कॉपी पर लिखने में जितना समय लगा, पूर्व से लिखी हुई कॉपी का मिटाकर उस पर नया लिखने में अतिरिक्त समय लगाना पड़ गया।

आज का राशिफल

मेष - आज दिन आर्थिक और करियर के लिहाज से कुछ नए बदलाव लेकर आ सकता है।

तुला - धन लाभ के योग बन रहे हैं, विशेषकर यदि आप फैशन, डिजाइनिंग, कला या कंसल्टिंग से जुड़े हैं।

वृषभ - शुक्र की शुभ दृष्टि से धन लाभ के संकेत मिल रहे हैं। कोई पुराना रुका हुआ पेमेंट प्राप्त हो सकता है।

वृश्चिक - लाभ के योग बने हैं। कार्यक्षमता में वृद्धि होगी, बॉस या वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित हो सकते हैं।

मिथुन - आर्थिक मामलों में सोच-समझकर ही निर्णय लें। लेकिन मन अशांत हो सकता है।

धनु - लाभ के योग बने हैं और आपको अचानक कोई लाभदायक प्रस्ताव या ऑफर प्राप्त हो सकता है।

कर्क - यदि कोई इंश्योरेंस, टैक्स रिफंड या पुराना निवेश है तो उससे लाभ मिल सकता है।

मकर - आपको मान सम्मान की भी प्राप्ति होगी। व्यापार में विस्तार और स्थिरता का संकेत दे रही है।

सिंह - आज योजनाएं सफल होंगी और आपके लिए आर्थिक दृष्टि से दिन शुभ है। आय में बढ़ोतरी होगी।

कुंभ - आज दिन लाभ से भरा होगा और वित्तीय मामलों में मिश्रित लाभ होने की उम्मीद है।

कन्या - दिन आपकी सूझबूझ को परखने वाला है। आपको ऐसे कई कार्य मिल सकते हैं।

मीन - आपके लिए आर्थिक उन्नति के योग बन रहे हैं। किसी पुराने निवेश से लाभ मिलेगा।

विशेष

हरियाणा में 5600 पुलिस कर्मियों की भर्ती?

हरियाणा के विधानसभा चुनाव होने वाले थे। इस बीच हरियाणा की सरकार ने 5600 कांस्टेबल भरती करने के लिए विज्ञापन जारी किया। विज्ञापन के आधार पर परीक्षा भी हो गई। पेपर लीक हो जाने के कारण परीक्षा भी रद्द कर दी गई। पिछले कई वर्षों से ऐसा ही अधिकांश भाजपा शासित राज्यों में होता है। जब चुनाव आते हैं। इस तरह की भर्तियां करने के लिए बड़े-बड़े विज्ञापन और परीक्षाएं आयोजित कर ली जाती हैं। लेकिन कभी नियुक्ति नहीं होती हैं।अब नई परीक्षाएं कराने की बात हरियाणा सरकार कर रही है। इसको लेकर कांग्रेस ने मोर्चा खोला है। सरकार तो बन गई है, अब कांग्रेस चिल्लाती रहे या जनता विरोध भी करे,तो क्या होगा। सरकार तो भाजपा के नायब सिंह सैनी की चलती ही रहेगी।

राज्यों की जाति जनगणना की राजनीति

कर्नाटक सरकार ने जाति जनगणना कराई। इसमें सरकार का 160 करोड रुपए खर्च हुआ है। 17 अप्रैल को जनगणना की रिपोर्ट को मंत्रिमंडल में प्रस्तुत किया जाना था। इसे रोक दिया गया है। कहा जा रहा है, केंद्र सरकार जाति जनगणना कराने जा रही है। इसकी अधिसूचना भी जारी हो गई है।ऐसी स्थिति में राज्य सरकार द्वारा जो जाति जनगणना कराई गई है। उसको ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है।कर्नाटक में इस पर राजनीति शुरू हो गई है।भाजपा ने कांग्रेस सरकार को निशाने पर लिया है। जब जाति जनगणना की रिपोर्ट पर अमल नहीं करना था। तो सरकार ने 160 करोड रुपए क्यों खर्च किए। कुछ इसी तरह की स्थिति बिहार की रही है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1712 मुहम्मद बिन कासिम ने बाबर पर हमला कर वहाँ के शासक दाहिर को मार डाला. 1858 ग्वालियर पर कब्जा हुआ और इसी के साथ आजादी की पहली लड़ाई समाप्त हो गई. 1948 भारत के अंतिम गर्वनर जनरल लोर्ड माउण्टबेटन के कार्यकाल की समाप्ति. 1961 कुवैत को अरब लीग में शामिल किया गया. 1973 दस वर्ष से अधिक समय तक निर्वासित जीवन बिताने के बाद अर्जेन्टीना के पूर्व तानाशाह जुआन पेरो स्वदेश लौटे. 1991 जर्मनी के सांसदों ने बर्लिन को सत्ता का केंद्र बनाए जाने का प्रस्ताव पारित किया. 1995 उत्तर प्रदेश में मायावती सरकार को विश्वासमत प्राप्त. 1997 फिल्म निमार्ता-निर्देशक बासु भट्टाचार्य का निधन. 1999 कारगिल में पाकिस्तानी घुसपैठियों की जी-8 ने निंदा की. 2000 केंद्र सरकार ने गरीबी रेखा से नीचे रहनेवालों के लिये जनश्री बीमा योजना की घोषणा की.

दैनिक पंचांग

20 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मिथुन में
चंद्र	मीन में
मंगल	सिंह में
बुध	मिथुन में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मेष में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मिथुन	04.55 बजे से
कर्क	07.12 बजे से
सिंह	09.28 बजे से
कन्या	11.40 बजे से
तुला	13.51 बजे से
वृश्चिक	16.05 ब.से
धनु	18.21 बजे से
मकर	20.27 बजे से
कुंभ	22.13 बजे से
मीन	23.46 बजे से
मेष	01.16 बजे से
वृष	02.56 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 171 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण
तिथि नवमी 09.50 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रेवती 21.45 बजे को समाप्त।
योग शोभन 23.47 बजे को समाप्त।
करण गर 09.50 बजे तदनन्तर वणिज 20.37 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 23.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 26'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872381
जूलियन दिन 2460846.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज
तारीख 23

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23	बजे तक	रोग	05.38 से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51	बजे तक	काल	07.11 से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19	बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15	बजे तक
काल	10.19 से	11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15	बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19	बजे तक
रोग	01.15 से	02.43	बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10	बजे तक	चर	02.51 से	04.23	बजे तक
चर	04.10 से	05.38	बजे तक	रोग	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खाना पकाने के लिए जैतून का तेल कितना स्वस्थ है?

यदि आप अपने दिल की फिक्र रहती है, तो अपना खाना पकाने के तेल चुनते समय भी तेल की अच्छी जानकारी होनी चाहिए।

हेल्दी और अनहेल्दी फैट क्या है

भोजन में चार प्रमुख आहार वसा होते हैं। खराब वसा, जिसमें संतृप्त और ट्रांस वसा होते हैं, कमरे के तापमान (जैसे मक्खन) पर अधिक ठोस होते हैं, जबकि मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसेचुरेटेड वसा अधिक तरल होते हैं (जैसे कैनोला तेल)। अनहेल्दी अनसैचुरेटेड फैट के विपरीत, अच्छे वसा शरीर में रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करते हैं, इसलिए, हृदय रोग और स्ट्रोक के जोखिम को कम करते हैं। यह हृदय रोग से जुड़े ट्राइग्लिसराइड्स को भी कम करता है और सूजन से लड़ता है। अच्छे मोनोअनसैचुरेटेड वसा के कुछ अच्छे स्रोत हैं- जैतून, कैनोला, मूंगफली और तिल का तेल।

जैतून का तेल कितना स्वस्थ है?

जैतून का तेल हेल्दी खाना पकाने का तेल है। जैतून से संतृप्त वसा पर बहुत कम है और अन्य आवश्यक पोषक तत्वों से युक्त होते हुए अच्छे वसा (मोनोअनसैचुरेटेड वसा) में ज्यादा समृद्ध है। कहा जाता है कि स्वस्थ खाना पकाने के तेल में 14% संतृप्त तेल, 11% पॉलीअनसेचुरेटेड, जैसे ओमेगा -6 और ओमेगा -3 फैटी एसिड और 73% मोनोअनसैचुरेटेड वसा होता है। जैतून के तेल में प्रमुख फैटी एसिड को ओलिक एसिड कहा जाता है, जो सूजन को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा, जैतून के तेल में बड़ी मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट गुण भी होते हैं, जो आपके पुराने रोगों के जोखिम को कम कर सकते हैं।

किसमें है ज्यादा फैट

जैतून से जैतून का तेल निकाला जाता है, वैसे ही नारियल से नारियल का तेल निकाला जाता है। दोनों फायदों से भरपूर है। एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर वेट लॉस फ्रेंडली तेल भी हैं। विशेषज्ञों के अनुसार नारियल तेल में इसमें 80 से 90 प्रतिशत संतृप्त वसा (अनहेल्दी अनसैचुरेटेड फैट) होता है, जिसका अर्थ है कि नारियल के तेल के एक चम्मच में जैतून के तेल की तुलना में लगभग छह गुना अधिक संतृप्त वसा होती है।

कौन-सा तेल है बेहतर

जब हार्ट-स्वस्थ खाना पकाने के तेल की बात आती है, तो जैतून का तेल नारियल के तेल और खाना पकाने में इस्तेमाल होने वाले कई अन्य तेलों की तुलना में काफी बेहतर होता है। जैतून का तेल एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल और हृदय रोग के जोखिम को कम करता है, नारियल के तेल के विपरीत, जिसमें उच्च संतृप्त वसा होता है, जिसे हृदय रोग के जोखिम को बढ़ाने के लिए जाना जाता है। जैतून का तेल टाइप 2 डायबिटीज और कुछ कैंसर के खतरे को कम करता है।

गलत खान-पान और पानी की कमी से बन सकती है किडनी में पथरी

गलत खान-पान और पानी की कमी से किडनी में पथरी बन सकती है। यह गंभीर समस्या है जिसका तुरंत इलाज किया जाना चाहिए। इसमें मरीज को गंभीर दर्द होता है। मेडिकल में इसके कई इलाज हैं लेकिन कुछ घरेलू उपचारों के जरिए किडनी की बाहर निकाला जा सकता है।

किडनी मानव शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक है। किडनी का मुख्य काम शरीर से हानिकारक विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालना और पानी, अन्य तरल पदार्थ, रासायनिक और खनिज के स्तर को बनाए रखना है। यह शरीर में खून को भी फिल्टर करती है। स्वस्थ जीवन के लिए व्यक्ति के पास ठीक से काम करने वाली किडनी होनी चाहिए। मनुष्य रोजाना विभिन्न खाद्य पदार्थों का सेवन करता है, जो बाद में ऊर्जा में बाल जाते हैं। इस प्रक्रिया के दौरान कई तरह के विषाक्त पदार्थ शरीर में जमा होते रहते हैं। ऐसे जहरीले पदार्थों का जमा होना मानव शरीर के लिए खतरनाक हो सकता है। शरीर में पानी की कमी से गुर्दे की पथरी यानी किडनी स्टोन बन सकती हैं। ये पत्थर या तो मटर के आकार के हो सकते हैं या गोल्फ की गेंद जितने बड़े हो सकते हैं। पथरी आमतौर पर कैल्शियम ऑक्सालेट और कुछ अन्य यौगिकों से बने होते हैं और इनकी बनावट क्रिस्टल होती है।
गुर्दे की पथरी बनने से वजन कम होने, बुखार, मतली, रक्तमेह और पेट के निचले हिस्से में गंभीर दर्द के साथ पेशाब करने में परेशानी हो सकती है। गुर्दे की पथरी ज्यादातर सर्जरी द्वारा हटा दी जाती है। लेकिन कुछ प्रभावी और प्राकृतिक तरीके हैं जिनके जरिए किडनी की पथरी को बाहर निकालने में मदद मिल सकती है।

खूब पानी पिएं

जल को जीवन का अमृत माना गया है। यह हाइड्रेशन के स्तर को बनाए रखने में मदद करता है। पानी गुर्दे को खनिजों और पोषक तत्वों को भंग करने में मदद करता है, और पाचन और अवशोषण की प्रक्रिया को तेज करता है। पानी शरीर से अनावश्यक विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है जिससे किडनी को और नुकसान हो सकता है। जिन लोगों को गुर्दे की पथरी है उन्हें इन पत्थरों को पेशाब के माध्यम से बाहर निकालने के लिए दिन में 7-8 गिलास पानी पीने की सलाह दी जाती है।

नींबू का रस और जैतून का तेल

नींबू के रस और जैतून के तेल का मिश्रण सुनने में थोड़ा अजीब लग सकता है लेकिन यह किडनी की पथरी को शरीर से बाहर निकालने का एक बहुत ही प्रभावी घरेलू उपाय साबित हो सकता है। जो लोग अपनी किडनी से पथरी को प्राकृतिक रूप से हटाना चाहते हैं उन्हें इस तरल को रोजाना तब तक पीना चाहिए जब तक कि पथरी निकल न जाए। जबकि नींबू का रस गुर्दे की पथरी को तोड़ने में मदद करता है, जैतून का तेल बिना किसी समस्या या जलन के सिस्टम से गुजरने के लिए लुब्रिकेंट के रूप में कार्य करता है।

सेब का सिरका

सेब के सिरके में साइट्रिक एसिड होता है जो किडनी स्टोन को छोटे-छोटे कणों में तोड़ने और घुलने की प्रक्रिया में मदद करता है। यह मूत्रमार्ग के माध्यम से गुर्दे की पथरी को हटाने में मदद करता है। सेब के सिरके का सेवन विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने और किडनी को भी साफ करने में मदद करता है। दो बड़े चम्मच सेब का सिरका रोजाना गर्म पानी के साथ तब तक लिया जा सकता है जब तक कि किडनी से पथरी पूरी तरह से निकल न जाए।

कॉर्न हेयर या कॉर्न सिल्क

मक्के के बाल या मक्के का रेशम मक्के की भूसी में पाया जाता है और आमतौर पर इसे फेंक दिया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि किडनी स्टोन को सिस्टम से बाहर निकालने के मामले में यह बेहद कारगर है। मक्के के बालों को पानी में उबालकर बाद में छानकर सेवन किया जा सकता है। यह नए पत्थरों के निर्माण को भी रोकता है और एक मूत्रवर्धक है जो मूत्र के प्रवाह को बढ़ाता है। मकई के बाल गुर्दे की पथरी के साथ होने वाले दर्द को कम करने में भी मदद करते हैं।

अनार का रस

नेशनल किडनी फाउंडेशन के अनुसार, अनार कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है। अनार का रस सबसे अच्छे प्राकृतिक पेय में से एक है जो शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद कर सकता है। यह गुर्दे की पथरी को प्राकृतिक रूप से दूर करने में मदद करता है। इसमें अच्छे एंटीऑक्सिडेंट होते हैं जो प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाने में मदद करते हैं।

सुबह की शुरुआत करने के लिए बेस्ट ड्रिंक है शहद-पानी

सुबह की शुरुआत अक्सर लोग चाय-कॉफी से करते हैं। हालांकि कुछ लोग वजन घटाने के लिए शहद का पानी पीते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये पानी कई तरह से आपकी हेल्थ के लिए फायदेमंद है। शहद में एंटी इंफ्लामेटरी, औषधीय और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो अलग बीमारियों को दूर कर सकते हैं। इसके अलावा भी ये काफी तरह से फायदेमंद हो सकता है।

इम्यूनिटी के लिए बेहतरीन

शहद में फाइबर होता है ऐसे में ये पाचन के लिए अच्छा साबिक होता है। शहद का पानी सूजन को कम करता है और आपके पाचन में सुधार करता है। यह हमारे शरीर में मौजूद हानिकारक केमिकल की मात्रा को कम करता है जो ब्लोटिंग और गैस के लिए जिम्मेदार होते हैं। इसके अलावा शहद एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है जो हमारी इम्यूनिटी को बूस्ट करने में मदद कर सकता है।

सामान्य सर्दी जुकाम छू मंतर

अध्ययनों से पता चला है कि एक गिलास गर्म शहद का पानी पीने से सामान्य सर्दी, बुखार और खांसी से बचा जा सकता है। ऐसे में आप हर सुबह इस जादुई मिश्रण को पी सकते हैं। तेजी से वजन घटाने के लिए बेस्ट है लौकी का पानी, यहां सीखें बनाने का तरीका

वजन घटाने में मददगार

ज्यादातर मामलों में, वजन बढ़ने से खराब पाचन, कब्ज, स्लो मेटाबॉलिज्म और पाचन संबंधी दूसरी समस्याएं होती हैं। शहद का पानी इन सभी समस्याओं से लड़ता है और आपके मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है, जो आपको वजन कम करने में मदद करता है। इसी के साथ खाली पेट एक गिलास गर्म शहद का पानी पीना से आपके शरीर से टॉक्सिन को बाहर निकालने में मदद मिलती है।

दिल की बीमारी में फायदेमंद

शहद का पानी पीने से शरीर में ब्लड के थक्कों को बनने से रोका जा सकता है। अगर आप अपने ब्लड प्रेशर, हाइपरटेंशन और कोलेस्ट्रॉल को कम करना चाहते हैं, तो अपने दिन की शुरुआत इस जादुई ड्रिंक से करें।

डल और ड्राई स्किन होगी दूर

डिहाईड्रेशन आपकी स्किन को डल और ड्राई बना सकता है। इसलिए, सुबह सही मात्रा में पानी पीने से आपकी त्वचा दिन भर फ्रेश और सॉफ्ट दिखेगी।

कैसे बनाएं शहद का पानी

इसे बनाने के लिए एक पैन में एक गिलास पानी गर्म करें। फिर इसमें एक बड़ा चम्मच शहद डालकर अच्छी तरह मिला लें। अच्छे रिजल्ट के लिए आप इसमें 1 चम्मच नींबू का रस भी मिला सकते हैं। इस ड्रिंक को रोज सुबह खाली पेट पिएं।

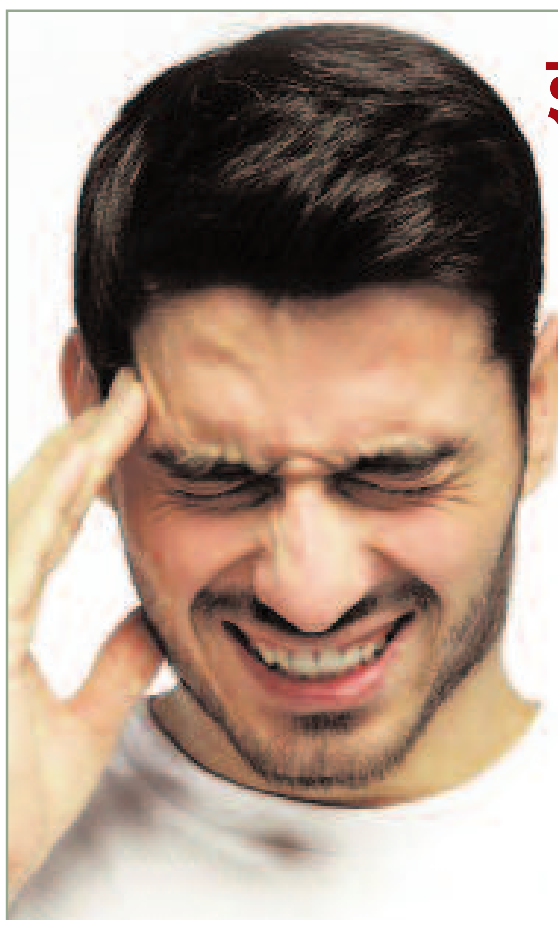

इन घरेलू तरीकों से ठीक करें सिरदर्द, नींद भी आएगी अच्छी

सिरदर्द के कई कारण होते हैं। नींद पूरी न होना, स्ट्रेस, थकान, मेडिकल कंडीशन, शोर आदि। कई बार ऐसा भी होता है कि हमें सिरदर्द की कोई वजह समझ नहीं आती। इससे आपको कई हेल्थ इश्यू भी हो सकते हैं।

सिरदर्द सबसे आम परेशानी। शायद ही दुनिया में कोई ऐसा व्यक्ति होता जिसे कभी सिरदर्द नहीं हुआ होगा। कुछ लोग तो ऐसे होते हैं, जिनकी सुबह की शुरुआत ही सिरदर्द से होती है।
सिरदर्द के कई कारण होते हैं। नींद पूरी न होना, स्ट्रेस, थकान, मेडिकल कंडीशन, शोर आदि। कई बार ऐसा भी होता है कि हमें सिरदर्द की कोई वजह समझ नहीं आती। ऐसे में कई लोग तो सिरदर्द होने पर हमेशा पेनकिलर का सहारा लेते हैं। उन्हें पेनकिलर्स खाने की इतनी आदत पड़ जाती है कि माइल्ड पेन होने पर भी वे बार-बार पेनकिलर्स लेने लगते हैं जबकि हमेशा पेनकिलर खाना सेहत पर भारी पड़ सकता है। इससे आपको कई हेल्थ इश्यू भी हो सकते हैं। आइए, जानते हैं सिरदर्द होने पर आप क्या उपाय कर सकते हैं

हेड मसाज

सिर की मालिश को कभी भी लाइट न लें, खासकर अगर आपके सिर में दर्द हो रहा है, तो आपको किसी भी ऑयल से हेड मसाज जरूर करानी चाहिए। इससे आपकी नसों को काफी आराम मिलता है और सिरदर्द से भी राहत मिलती है।

आइस पैक

बर्फ के टुकड़ों को किसी कपड़े में लपेटकर माथे पर हल्के हाथों से दबाएं। इससे आपको दर्द से आराम मिलेगा। आप थोड़ी-थोड़ी देर में भी आइस पैक को माथे पर लगा सकते हैं। सिरदर्द को ठीक करने में यह सबसे कारगर उपाय है।

हॉट राइस बैक

इसके लिए आपको कच्चे चावल को तवे पर गर्म करना है। इसके बाद इन चावलों को किसी पॉलीबैग में भर लें। इससे आप माथे पर सेंक लगा सकते हैं। इससे भी आपका सिरदर्द काफी हद तक ठीक हो जाता है।

पानी

कभी-कभी पानी की कमी से भी शरीर खासकर सिर में दर्द होता है। ऐसे में शरीर को हाइड्रेट रखें और तेजी से कम से कम दो गिलास ठंडा पानी पिएं। इससे भी सिरदर्द में काफी आराम मिलता है।

लैवेंडर ऑयल

लैवेंडर ऑयल का इस्तेमाल अरोमा थेरेपी में किया जाता है। इससे आपको शांति और सुकून मिलता है। इसके लिए सबसे पहले लैवेंडर ऑयल को गर्म कर लें और इसे किसी ऐसी जगह पर रख दें, जिससे इसकी महक अच्छी तरह आए।

ब्रीदिंग एक्सरसाइज

ब्रीदिंग एक्सरसाइज को कम से कम 10 मिनट तक करें। इस एक्सरसाइज को करने से आपको काफी आराम मिलता है। ब्रीदिंग एक्सरसाइज से नसें काफी रिलेक्स हो जाती हैं।

आयुर्वेदिक चाय

आयुर्वेदिक चाय भी सिरदर्द को ठीक करने में कारगर मानी जाती हैं। आप मसाला चाय भी पी सकते हैं। कोशिश करें कि चाय को गर्म सिप-सिप करके पिएं। ठंडी चाय आपका सिरदर्द बढ़ा सकती है।

एक दिन में एक लाख के बना दिए 18 लाख रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या कोई शेयर एक दिन में 1600 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दे सकता है बिल्कुल, यह संभव हुआ है। दरअसल, शेयर मार्केट में सब कुछ संभव है। यहां कोई शख्स रातोंरात लखपति या करोड़पति बन सकता है तो कोई पलभर में कंगाल भी हो सकता है। ऐसे ही एक शेयर ने 24 घंटे में निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दे डाला है। इस शेयर का नाम इंडोसोलर लिमिटेड है। एक दिन पहले तक यह पेनी स्टॉक था।

कल यानी बुधवार को इस शेयर की कीमत मात्र 9.71 रुपये थी। आज गुरुवार को यह 1600 फीसदी से ज्यादा के रिटर्न के साथ 165.06 रुपये पर खुला। कुछ देर बाद इसमें और तेजी आई और सीधे 5 फीसदी का अपर सर्किट लग गया। इसके बाद यह शेयर 173.31 रुपये पर पहुंच गया। यानी इसने मात्र 24 घंटे में ही करीब 1685 फीसदी रिटर्न दे दिया। अगर आपने इसमें एक दिन पहले एक लाख रुपये निवेश किए होते तो आज उनकी वैल्यू 17.85 लाख (करीब 18 लाख) रुपये होती।

भारत दे सकता है यूके की अर्थव्यवस्था को रफ्तार: गोयल

व्यापार समझौते से मजबूत होंगे रिश्ते

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारत यूनाइटेड किंगडम की अर्थव्यवस्था को तेजी से बढ़ने में मदद कर सकता है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इंडिया ग्लोबल फोरम में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इस समय पूरी दुनिया संकटों और चुनौतियों से भरी है। फिर भी भारत स्थिरता, तेज विकास के दौर में है। यहां के लोग अपने शांत स्वभाव के

कारण पूरे विश्वभर में जाने जाते हैं। चार करोड़ भारतीय विश्व के अलग-अलग देशों में रहते हैं, जिन्हें उनकी प्रतिभा और कौशल के लिए पहचाना जाता है।

भारतीय यूके की अर्थव्यवस्था में मूल्य जोड़ते हैं- उद्योग मंत्री ने यूके और भारत के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इसे मुफ्त में दिए जाने वाला कहा न्यायपूर्ण नहीं है, भारतीय यूके में जाकर वहां की अर्थव्यवस्था में मूल्य जोड़ने का काम करते हैं।

एफटीए की चर्चा तीन वर्षों से चल रही थी- मंत्री ने कहा कि ऐसा नहीं है कि एफटीए का फैसला इस बार नई सरकार के आने के बाद उठाया गया है। पिछले तीन वर्षों से इस पर चर्चा चल रही थी। एफटीए के तहत भारत 90 प्रतिशत ब्रिटिश वस्तुओं पर आयात शुल्क कम करेगा, जिसमें 85 प्रतिशत दस वर्ष की अवधि में पूरी तरह से शुल्क मुक्त हो जाएंगे। इसके बदले में ब्रिटेन ने भारत के कुछ उत्पादों पर टैरिफ को कम करने पर सहमति जताई है। इससे 99 प्रतिशत भारतीय वस्तुओं पर कोई शुल्क नहीं लगेगा।

फ्रांस से समझौता: भारत में बनेगा फाल्कन 2000 जेट, रिलायंस इन्फ्रा की दसॉ के साथ ऐतिहासिक करार

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर की सहायक कंपनी रिलायंस एरोस्ट्रक्चर लिमिटेड ने वैश्विक बाजारों के लिए भारत में फाल्कन 2000 बिजनेस जेट बनाने के लिए फ्रांस की दिग्गज कंपनी दसॉ एविएशन के साथ साझेदारी की है। दोनों कंपनियों ने बुधवार को पेरिस एयरशो के दौरान इसकी घोषणा की। यह साझेदारी भारत की वैमानिकी विनिर्माण (एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग) क्षमताओं को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। भारत इस ऐतिहासिक समझौते से अमेरिका, फ्रांस, कनाडा और ब्राजील के साथ अगली पीढ़ी के बिजनेस जेट बनाने वाले देशों के क्लब में शामिल हो जाएगा। दसॉ एविएशन ने कहा कि पहली बार वह फ्रांस के बाहर फाल्कन 2000 जेट का विनिर्माण करेगी। फाल्कन 2000 जेट के लिए अत्याधुनिक असेंबली लाइन महाराष्ट्र के नागपुर में स्थापित की जाएगी। यह फ्रांस के बाहर पहला ऐसा उत्कृष्टता केंद्र होगा।

2028 तक तैयार होगा पहला मेड इन इंडिया फाल्कन 2000 जेट

दसॉ एविएशन के चेयरमैन और सीईओ एरिक ट्रैपियर ने कहा, यह नया समझौता एक बार फिर हमारी मेक इन इंडिया प्रतिबद्धताओं को पूरा करने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत को प्रमुख भागीदार के रूप में स्थापित करता है। समझौता संयुक्त उद्यम को फ्रांस के बाहर फाल्कन असेंबली के लिए पहला उत्कृष्टता केंद्र बनाएगा। नई असेंबली लाइन अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बढ़ती मांग को पूरा करेगी। पहला मेड इन इंडिया फाल्कन 2000 वर्ष 2028 तक बनकर तैयार होगा।

फार्मा कंपनी को थाईलैंड से मिला करोड़ों का एक्सपोर्ट आर्डर तो इसके शेयर में लगने लगा अपर सर्किट

मुंबई, एजेंसी। फार्मा सेक्टर की दिल्ली की एक कंपनी है। इस कंपनी ने थाईलैंड स्थित फॉर्च्यून सागर इम्पेक्स कंपनी लिमिटेड के साथ थर्ड-पार्टी सोर्सिंग और खरीद सेवाओं के लिए एक निर्णायक ऑर्डर मिलने की घोषणा की है। इसके बाद इसके शेयर लगातार अपर सर्किट में फंस रहे हैं। बुधवार को इस आर्डर की सूचना शेयर बाजार में दी गई थी, तभी यह पांच फीसदी चढ़ कर अपर सर्किट में पहुंचा था। इसके बाद से लगातार दूसरे दिन, मतलब कि गुरुवार को भी शेयर सुबह ही अपर सर्किट में फंसा है।

कितने का है आर्डर

शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार यह आर्डर 517 करोड़ रुपये मूल्य का है। यह ऑर्डर एक्स-वर्क्स मॉडल के तहत मिला है। इस आर्डर के अनुसार, वेलक्योर ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड कई फिनिश्ड-डोज वाले एसकेयू की सोर्सिंग और खरीद में संलग्न होगी। शुल्क-आधारित मॉडल पर निर्मित, कंपनी दवा की लागत पर 5 प्रतिशत निश्चित कमीशन अर्जित करेगी। इससे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कंपनी को अनुमानित 25.85 करोड़ रुपये की सर्विस इनकम की उम्मीद है। यह वेलक्योर के रेवेन्यू में काफी वृद्धि करेगी। एक्सचेंज फाइलिंग में बताया गया है कि यह आर्डर वेलक्योर के शुल्क-आधारित पोर्टफोलियो को बिना वृद्धिशील बैलेंसशीट जोखिम के बढ़ाता है, जिससे यह कंपनी के लिए उच्च-मार्जिन विकास का अवसर बन जाता है। कंपनी सेबी एलओडीआर के अनुसार, जब भी लगातार कॉल-ऑफ सक्रिय होंगे, तब आगे अपडेट प्रदान करेगी।

थाईलैंड की कंपनी क्या करेगी- इसमें थाईलैंड की फर्म दवा की पैकेजिंग, लेबलिंग, कंटेनर में भरने का कार्य करेगी।

इसी के साथ इस कंशाइनमेंट के इंश्योरेंस और फ्रेट की जिम्मेदारी भी वहीं की कंपनी की होगी। उस देश में यदि कोई रेगुलेटरी क्लियरेंस हासिल करना होगा तो यह जिम्मेदारी भी थाईलैंड की कंपनी की ही होगी। उल्लेखनीय है कि वेलक्योर ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स ने 16 मई से 14 जून, 2025 तक रिमोट ई-वोटिंग के ज़रिए पोस्टल बैलेट का आयोजन किया था, जिसमें 5 साल के कार्यकाल के लिए चिंतन दीदावाला गणपत को प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त करने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मांगी गई। उसी बैठक में, कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी को 116 करोड़ से बढ़ाकर 186 करोड़ (यानी, 10 प्रत्येक के 18.6 करोड़ इक्विटी शेयर) करने का प्रस्ताव पारित किया गया।

कंपनी का बैलेंस शीट क्या

31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए, कंपनी ने 2.17 करोड़ रुपये के शुद्ध लाभ के साथ 26.45 करोड़ रुपये की शुद्ध आय दर्ज की थी।

शेयर बाजार में क्या हाल

बीएसई में कल भी यह शेयर पांच फीसदी की बढ़ोतरी के साथ अपर सर्किट में फंस कर 13.74 रुपये पर बंद हुआ था। आज सुबह यह 14.41 रुपये पर खुला जो कि आज का न्यूनतम स्तर था। इसके कुछ ही क्षण बाद यह 14.42 रुपये पर चला गया जो कि आज का अपर सर्किट का स्तर था।

अडानी समूह की पूरी हुई डील: इस कंपनी में मिल गया 26 प्रतिशत स्टेक

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी समूह की स्टॉक अंबुजा सीमेंट्स ने ओरिएंट सीमेंट में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर ली है, जिससे कंपनी में इसकी कुल हिस्सेदारी 72.66 प्रतिशत हो गई है। यह रणनीतिक अधिग्रहण सेबी के शेयरों के पर्याप्त अधिग्रहण और अधिग्रहण (एसएएसटी) विनियम, 2011 के तहत एक खुली पेशकश के माध्यम से किया गया था, और यह भारतीय सीमेंट क्षेत्र में एक प्रमुख समेकन कदम है। बता दें कि आज अंबुजा सीमेंट के शेयर 535.30 रुपये पर आ गए, इसमें 2 प्रतिशत तक की गिरावट थी। वहीं, ओरिएंट सीमेंट के शेयर में भी 2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखी गई और यह 248.50 रुपये पर आ गया।

ओपन ऑफर ट्रांजैक्शन डिटेल- 18 जून, 2025 की एक विनियामक फाइलिंग में, अंबुजा सीमेंट्स ने 395.40 प्रति शेयर के भाव पर ओरिएंट सीमेंट में 5.34 करोड़ इक्विटी शेयर खरीदने का खुलासा किया। यह अधिग्रहण – जो ओरिएंट सीमेंट की कुल शेयर पूंजी का ठीक 26 प्रतिशत है – सार्वजनिक शेयरधारकों के लिए एक ओपन ऑफर के माध्यम से किया गया था। इस लेन-देन से पहले, अंबुजा के पास कंपनी में 9.58 करोड़ शेयर या 46.66 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। अधिग्रहण के इस नवीनतम दौर के साथ, इसका कुल स्वामित्व 14.92 करोड़ शेयरों तक बढ़ गया है, जो ओरिएंट सीमेंट की इक्विटी का 72.66 प्रतिशत है।

फाइटर जेट बनाने वाली चीनी कंपनी का शेयर क्रैश

नई दिल्ली, एजेंसी। चीनी रक्षा कंपनी एवीआइसी चेंगदू एयरक्राफ्ट का शेयर गुरुवार को दिन के कारोबार में 5 प्रतिशत गिर गया। यह गिरावट बुधवार को हुई तेज बढ़त के बाद आई है। बुधवार को यह शेयर लगभग 10 प्रतिशत चढ़ा था, क्योंकि निवेशक पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्हाइट हाउस में होने वाली मुलाकात से उम्मीदें लगा रहे थे, लेकिन इस बैठक के बाद कोई ऐलान नहीं हुआ। इससे निवेशकों का मनोबल गिर गया और शेयर नीचे आ गया। आज शेयर का ओपन 86.59 युआन पर हुआ, जो बुधवार के क्लोजिंग प्राइस (88.93 युआन) से कम था। दिन भर में यह 84.26 युआन तक गिर गया, यानी पिछले दिन के मुकाबले 5.25 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की। हालांकि पिछले पांच कारोबारी दिनों में तीन दिन गिरावट रही, फिर भी इन दिनों में शेयर ने करीब 9 प्रतिशत का फायदा दिया है।

महीने भर का कैसा रहा रुख

मई में इजरायल-ईरान तनाव और भारत-पाकिस्तान सैन्य झड़पों के चलते इस शेयर को भारी समर्थन मिला था। मई में 31 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़त दर्ज की। जून में अब तक 11 प्रतिशत का उछाल बरकरार है। निवेशकों को लगा था कि मुनीर-ट्रंप मुलाकात के बाद पाकिस्तान को अमेरिकी सैन्य समर्थन मिल सकता है, जिससे एवीआइसी के जे-10 जेट्स की मांग बढ़ती।

नई पेंशन योजना: यूपीएस में शामिल कर्मियों को भी 25 लाख तक ग्रैच्युटी मिलेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने एकीकृत पेंशन योजना में सेवानिवृत्ति एवं मृत्यु ग्रैच्युटी लाभ लागू कर इस योजना को अपनाने वाले केंद्रीय कर्मचारियों को बड़ी राहत दी है। सरकार का नया आदेश किसी कर्मचारी को यह चुनने का विकल्प देता है कि सेवाकाल में ही उसकी मृत्यु हो जाती है तो उसे फिर से ओपीएस के दायरे में ले लिया जाए। कार्मिक मंत्रालय के पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग (डीओपीपीडब्ल्यू) ने यूपीएस में शामिल केंद्रीय कर्मचारियों के लिए सेवा के दौरान कर्मचारी की मृत्यु या अक्षमता या विकलांगता के कारण सरकारी सेवा से उनकी बर्खास्तगी पर ओपीएस के तहत लाभ मिलने के विकल्पों पर आदेश जारी किया। डीओपीपीडब्ल्यू के सचिव वी श्रीनिवास ने कहा कि यह आदेश

किसी कर्मचारी को यह चुनने का विकल्प देता है कि सेवाकाल में ही उसकी मृत्यु हो जाती है, तो उसे फिर से ओपीएस के दायरे में ले लिया जाए। यह आदेश एनपीएस और यूपीएस पेंशनभोगियों के बीच समानता लाता है और वे 25 लाख रुपये की ग्रैच्युटी के लिए भी पात्र होंगे।

पहले यहां फंसा हुआ था पेंच

अभी तक यूपीएस का विकल्प चयन करने के बाद अगर किसी कर्मचारी की सेवानिवृत्ति से मृत्यु या विकलांगता हो जाती है तो उस स्थिति में कुछ भी स्पष्ट नहीं था। कर्मचारी असमंजस में थे कि उन्हें किस प्रकार की पेंशन या फैमिली पेंशन मिलेगी। कर्मचारी संगठनों ने इस पर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की थी।

8000 करोड़ का निवेश... मुकेश अंबानी ने कर ली कोका-कोला और पेप्सी को टक्कर देने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड अपने बेवरेज ब्रांड्स पर बड़ा निवेश करने जा रही है। कंपनी अगले 12-15 महीनों में 8000 करोड़ रुपये तक का निवेश करेगी। यह निवेश कैम्पा और अन्य पेय पदार्थों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए किया जाएगा। रिलायंस कंज्यूमर इस निवेश के साथ बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है। रिलायंस कंज्यूमर कोका-कोला और पेप्सी जैसी बड़ी कंपनियों को टक्कर देने के लिए तैयार है। साथ ही, कंपनी का लक्ष्य देश भर में मौजूद छोटे, क्षेत्रीय ब्रांड्स को भी चुनौती देना है। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक कंपनी लगभग 10-12 नए कारखाने खोलने की योजना बना रही है। कुछ कारखाने

कंपनी खुद बनाएगी और कुछ में दूसरी कंपनियों के साथ मिलकर काम करेगी।

अब तक का सबसे बड़ा निवेश- एक अधिकारी ने बताया कि यह आरसीपीएल द्वारा किया जाने वाला अब तक का सबसे बड़ा निवेश है। आरसीपीएल ने 2022 में रिलायंस रिटेल वेंचर्स की सहायक कंपनी के रूप में काम करना शुरू किया था। अधिकारी ने यह भी बताया कि यह निवेश रिलायंस और उसके कुछ साझेदारों द्वारा मिलकर किया जा रहा है। कुल मिलाकर 6000 से 8000 करोड़ रुपये का निवेश होगा।

बिहार में भी लगेगा प्लांट- फरवरी में रिलायंस ने गुवाहाटी में एक प्लांट शुरू किया था। यह प्लांट स्थानीय कंपनी जेरिको फूड्स एंड बेवरेजेस एलएलपी के साथ मिलकर शुरू किया गया है। इस प्लांट में सॉफ्ट ड्रिंक्स और पानी बनाया जाता है। यह प्लांट पूर्वोत्तर क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करता है। कंपनी बिहार में भी एक और प्लांट लगाने जा रही है। अभी तक कैम्पा और अन्य पेय पदार्थ 18 प्लांट्स में बनाए जा रहे हैं। ये सभी प्लांट्स सह-निवेश के तहत बने हैं। इसका मतलब है कि इनमें रिलायंस के साथ-साथ दूसरी कंपनियों ने भी पैसा लगाया है।

मुरलीधरन के साथ साझेदारी

रिलायंस कंज्यूमर के बेवरेज पोर्टफोलियो में कई ब्रांड शामिल हैं। इनमें कैम्पा कोला, ऑरेंज और लेमन जैसे फ्लेवर हैं। इसके अलावा, सोस्यो सॉफ्ट ड्रिंक्स, स्पिनर स्पोर्ट्स ड्रिंक, सन क्रश जूस, फ्रूट-बेस्ड हाइड्रेशन ब्रांड RasKik और इंडिपेंडेंस वाटर भी शामिल हैं। रिलायंस कंज्यूमर ने श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर मुथैया मुरलीधरन के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी में स्पिनर स्पोर्ट्स ड्रिंक को बनाया और बेचा जाएगा। यह ड्रिंक 250 ml की बोतल में 10 रुपये में मिलेगी।

पोर्टफोलियो में कई ब्रांड

रिलायंस कंज्यूमर कंपनी सिल जैम और स्प्रेड्स भी बनाती और बेचती है। इसके अलावा, लोटस चॉकलेट, टॉफीमैन और रावलगांव जैसे कन्फेक्शनरी ब्रांड्स भी कंपनी के पोर्टफोलियो में शामिल हैं।

एलनस बगल्स स्नैक्स, वेलवेट शैम्पू और इंडिपेंडेंस स्टेपल्स जैसे ब्रांड्स भी कंपनी बनाती है। कंपनी के ज्यादातर 15 ब्रांड्स खरीदे हुए हैं। हालांकि, कंपनी के ब्रांड्स अभी कुछ ही बाजारों में उपलब्ध हैं। कंपनी चाहती है कि मार्च 2027 तक उसके सभी कंज्यूमर प्रोडक्ट्स पूरे देश में मिलने लगें।

यूएस फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में नहीं किया बदलाव, ट्रंप की टैरिफ नीति से विकास दर भी थमी

नई दिल्ली, एजेंसी। यूएस फेडरल रिजर्व ने गुरुवार सुबह अपनी बेंचमार्क ब्याज दरों को 4.25-4.50 प्रतिशत पर बरकरार रखा और कोई बदलाव नहीं किया। इससे साफ है कि अमेरिका ने बदलते आर्थिक परिदृश्य में सतर्कता बरती है।

फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने कहा कि ब्याज दरों को स्थिर रखने का फैसला अधिक रोजगार और स्थिर मुद्रास्फीति के दोहरे लक्ष्य का समर्थन करना है। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी ने अपने बयान में कहा कि वह ब्याज दरों में कोई और बदलाव करने से पहले आने वाले डेटा, आर्थिक दृष्टिकोण और जोखिमों के संतुलन का आकलन करेगी। फेड के आर्थिक अनुमानों के अनुसार, इस वर्ष जीडीपी वृद्धि का औसत पूर्वानुमान 1.4 प्रतिशत और अगले वर्ष के लिए 1.6 प्रतिशत है। ये मार्च में किए गए अनुमानों से थोड़ा कम है। पिछले वर्ष अमेरिकी अर्थव्यवस्था में 2.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी, लेकिन टैरिफ से पहले व्यवसायों द्वारा आयात बढ़ाने के कारण पहली तिमाही में जीडीपी में थोड़ी गिरावट आई। हालांकि, निजी घरेलू अंतिम खरीद (पीडीएफपी), जिसमें शुद्ध निर्यात, इन्वेंट्री और सरकारी खर्च शामिल नहीं हैं, पहली तिमाही में 2.5 प्रतिशत की स्वस्थ दर से बढ़ी। मुद्रास्फीति पर, पॉवेल ने कहा कि मुद्रास्फीति अभी भी फेड के 2 प्रतिशत लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है। औसत अनुमान में मुद्रास्फीति 2026 में 2.4 प्रतिशत और 2027 तक 2.1 प्रतिशत तक घटने की उम्मीद है। फेड ने व्यापार, आव्रजन, राजकोषीय और नियामक परिवर्तनों की अनिश्चितता को भी स्वीकार किया।

मध्य पूर्व में तनाव के बाद एशियाई शेयरों में गिरावट- मध्य पूर्व में संघर्ष को लेकर चिंता बनी रहने के कारण गुरुवार को एशियाई शेयरों में गिरावट आई। तनाव को बढ़ाते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्राइल के साथ संघर्ष में सीधे तौर पर शामिल होने की संभावना की चेतावनी दी, जबकि ईरान के सर्वोच्च नेता ने आत्मसमर्पण के अमेरिकी आह्वान को खारिज कर दिया।

एक झटके में 1700 प्रतिशत चढ़ गया शेयर, एक ही दिन में 9 से बढ़कर 173 के पार पहुंचा भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। वारी एनर्जीज समर्थित इंडोसोलर लिमिटेड के शेयर आज गुरुवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज 19 जून 2025 को स्टॉक एक्सचेंजों में 165.06 रुपये प्रति शेयर पर अपना कारोबार फिर से शुरू किया। कारोबार के दौरान यह शेयर करीबन 1700 प्रतिशत चढ़कर 173.31 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गया था। सोलर सेल निर्माता का पिछले बंद भाव 9.71 रुपये था। यानी एक ही दिन में 1,600 प्रतिशत अधिक पर कारोबार हुआ। इसका कुल मार्केट कैप 721.03 करोड़ रुपये है। बता दें कि वारी एनर्जीज समर्थित इंडोसोलर लिमिटेड, जो बुधवार तक एक पेनी स्टॉक था।

क्या है डिटेल

बता दें कि इंडोसोलर के शेयरों को प्रोसिड्यूरल कारणों से निलंबित कर दिया गया था। बीएसई के आंकड़ों के मुताबिक, स्टॉक का आखिरी कारोबार तीन साल पहले जून 2022 में हुआ था। 24 जून 2022 को स्टॉक 4.75 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3.21 रुपये पर बंद हुआ था, जो अपने निचले सर्किट को छू गया था। स्टॉक को आखिरी बार 2015 में डबल अंकों में देखा गया था और तब से यह एक पेनी स्टॉक बना हुआ है। बता दें कि इंडोसोलर को अब वारी एनर्जीज ने अधिग्रहित कर लिया है, लेकिन कंपनी को इससे पहले भारी वित्तीय घाटे के कारण अक्टूबर 2018 में दिवाला और दिवालियापन संहिता, 2016 के तहत लेंडर्स द्वारा शुरू की गई दिवालियेपन की कार्यवाही का सामना करना पड़ा था।

क्या चोटिल हैं टीम इंडिया के टी20 कप्तान!

इलाज के लिए लंदन पहुंचे SKY, सर्जरी की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव इन दिनों स्पोर्ट्स हर्निया की समस्या से परेशान हैं और अब इस समस्या का इलाज करवाने के लिए इंग्लैंड रवाना हो गए हैं। वहां वे इस बीमारी के विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह लेंगे और यदि जरूरत पड़ी, तो सर्जरी का फैसला भी लिया जा सकता है। सूर्यकुमार यादव ने हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल 2025 में बेहतरीन फॉर्म दिखाई थी और 700 से ज्यादा रन बनाकर टूर्नामेंट में चमके थे। आईपीएल के बाद भी उन्होंने मुंबई टी20 लीग में हिस्सा लिया, जबकि वह पहले से ही इस चोट से जूझ रहे थे।

तीन महीने से बढ़ रही थी परेशानी

सूर्यकुमार यादव पिछले तीन महीने से स्पोर्ट्स हर्निया की समस्या से जूझ रहे थे, जिसमें आईपीएल में लगातार यात्रा के चलते उनका दर्द काफी ज्यादा बढ़ गया था। सूर्या के एक करीबी ने दिए अपने बयान में बताया कि सूर्यकुमार यादव पेट के निचले हिस्से में दाहिनी तरफ स्पोर्ट्स हर्निया से पीड़ित हैं। वह सलाह लेने के लिए इंग्लैंड गए हैं। यदि आवश्यक हुआ तो वह सर्जरी करवाएंगे। वहीं सूर्या की इस इंजरी को लेकर बीसीसीआई के सूत्र ने दिए अपने बयान में कहा कि टीम इंडिया को अभी अगले 2 महीने कोई टी20 मैच या सीरीज नहीं खेलनी है। ऐसे में सूर्यकुमार यादव के पास ये अच्छा समय है जब वह अपनी चोट का इलाज करा सकते हैं और उन्हें बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में इससे उबरकर पूरी तरह से फिट होने के लिए पर्याप्त समय भी मिल जाएगा।

अगस्त में खेलना है भारत को अगला टी20 मुकाबला

टीम इंडिया फिलहाल शुभमन गिल की कप्तानी में इंग्लैंड दौरे पर 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है, जो 4 अगस्त को खत्म होगी। इसके बाद टीम को बांग्लादेश दौरे पर जाना है, जहां तीन वनडे (17, 20 और 23 अगस्त) और फिर तीन टी20 मैच (26, 29 और 31 अगस्त) खेले जाएंगे।

कोहली के रिटायरमेंट के बाद नंबर-4 पर बैटिंग करेंगे गिल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट टीम के उप कप्तान ऋषभ पंत ने कहा कि शुभमन गिल इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में नंबर-4 पर बल्लेबाजी करेंगे। जबकि वे खुद नंबर-5 पर खेलेंगे। 27 साल के पंत ने बुधवार को हेंडिग्ले टेस्ट से पहले कहा- मुझे लगता है कि अब भी इस बात पर चर्चा चल रही है कि नंबर-3 पर कौन खेलेगा, लेकिन चौथे और पांचवें नंबर पर फैसला हो चुका है। मुझे लगता है कि शुभमन चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे और मैं 5वें नंबर पर ही खेलूंगा और बाकी हम इस पर चर्चा करते रहेंगे। 12 मई को विराट कोहली के रिटायरमेंट के बाद भारतीय टीम में नंबर-4 की बैटिंग पोजिशन खाली थी। इस पर कई दावेदार सामने आ रहे थे। बता दें कि टेस्ट क्रिकेट में नंबर-4 की पोजिशन सबसे अहम है। पहला टेस्ट 20 जून से खेला जाएगा। गिल के साथ मेरे संबंध बहुत अच्छे पंत ने गिल के साथ अपने संबंध के सवाल पर कहा- मैदान के बाहर मेरा और शुभमन का रिश्ता बहुत अच्छा है। अगर आप मैदान के बाहर अच्छे दोस्त हैं तो यह रिश्ता आखिरकार मैदान पर भी कायम रहता है।

कोच्चि फ्रेंचाइजी मामले में बीसीसीआई को 538 करोड़ रुपए चुकाने का आदेश

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को झटका देते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट ने बंद हो चुकी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी कोच्चि टस्कर्स केरला को 538 करोड़ रुपए का भुगतान करने के मध्यस्थता आदेश को बरकरार रखा है। न्यायालय ने एक दशक से अधिक समय से चल रहे आईपीएल फ्रेंचाइजी विवाद में मध्यस्थता के फैसले को चुनौती देने वाले बीसीसीआई के मुकदमे को खारिज कर दिया है। कई प्रयासों के बावजूद, बीसीसीआई के अधिकारी इस मामले पर टिप्पणी करने के लिए उपलब्ध नहीं रहे। बीसीसीआई ने 2011 में एक सत्र के बाद कोच्चि फ्रेंचाइजी को समाप्त कर दिया था, जिसमें टीम पर समय पर बैंक गारंटी जमा करने में विफल रहने के बाद अनुबंध का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था, जो समझौते के तहत आवश्यक था। मालिकों के बीच मतभेद के कारण फ्रेंचाइजी बीसीसीआई को अपना भुगतान करने में असमर्थ थी। मामला मध्यस्थता के लिए गया और 2015 में मध्यस्थता अदालत ने बीसीसीआई को 538 करोड़ रुपए का भुगतान करने का आदेश दिया - केसीपीएल को 384 करोड़ रुपए और रेंडेज़वस स्पोर्ट (कोच्चि फ्रेंचाइजी के मालिक) को 153 करोड़ रुपए। बीसीसीआई मध्यस्थता अदालत के आदेश से नाखुश था और उसने हाई कोर्ट में न्यायाधिकरण के फैसले को चुनौती देने का फैसला किया। बुधवार को न्यायालय ने मध्यस्थ के निर्णय को बरकरार रखा। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में कहा, मध्यस्थता अधिनियम की धारा 34 के तहत इस न्यायालय का अधिकार क्षेत्र बहुत सीमित है। विवाद के गुण-दोषों की जांच करने का बीसीसीआई का प्रयास अधिनियम की धारा 34 में निहित आधारों के दायरे के विपरीत है।

एशियन पैरा कैनो चैंपियनशिप में मनीष यादव ने सिल्वर जीतकर बढ़ाया देश का मान

भोपाल, एजेंसी। एशियन पैरा कैनो चैंपियनशिप में देश के लिए रजत पदक जीतकर मनीष यादव ने भारत का मान बढ़ाया है। मनीष यादव ने थाईलैंड के पटाया में आयोजित प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया। खुशी जाहिर करते हुए मनीष ने बताया कि वह बीते दो वर्षों से भोपाल में लगातार अभ्यास कर रहे थे। इस उपलब्धि के लिए उन्होंने अपने परिवार और कोच को धन्यवाद दिया। मनीष ने कहा कि उनके कोच ने हमेशा उनका मनोबल बढ़ाया और भरोसा दिलाया कि वह यह खिताब जीत सकते हैं। मनीष ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर से अंतरराष्ट्रीय स्तर तक का सफर आसान नहीं था। इस दौरान कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन हार नहीं मानी। पटाया में जब उन्होंने सिल्वर मेडल जीता, तो उस क्षण की खुशी शब्दों में बयां नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि इस मुकाम तक पहुंचाने में सहयोग देने वाले हर व्यक्ति के प्रति वह आभार व्यक्त करते हैं। मनीष यादव ने घर लौटने पर जोरदार स्वागत के लिए भी सभी का धन्यवाद दिया। उन्होंने देश के युवाओं को संदेश दिया कि कभी भी हिम्मत न हारें और अपने लक्ष्य पर पूरा ध्यान दें, सफलता एक न एक दिन जरूर मिलती है।

लीड्स टेस्ट शुरू होने से पहले ही बाहर हुआ ये खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। हेडिंग्ले में होने वाले टेस्ट मैच के लिए इंग्लैंड ने अपनी प्लेइंग इलेवन का ऐलान पहले ही कर दिया है. ऐसे में सारी निगाहें अब टीम इंडिया पर जम गई है. ऐसा माना जा रहा है कि टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन में रवींद्र जडेजा इकलौते स्पिनर हो सकते हैं. ये कयास टीम इंडिया के उस प्रैक्टिस सेशन को देखकर लगाए जा रहे हैं, जिससे लगने लगा है कि कुलदीप को अपनी बारी के लिए अभी इंतजार करना पड़ सकता है. मतलब उनका नाम शुरू होने से पहले ही लीड्स टेस्ट की प्लेइंग इलेवन से कटा दिख रहा है. भारत और इंग्लैंड के बीच 5 टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मैच 20 जून से शुरू हो रहा है.

रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय टीम की प्लेइंग इलेवन में 2 स्थानों को लेकर चर्चा ज्यादा है. एक जिसका जिक्र टीम के उप-कप्तान ऋषभ पंत ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी किया था- नंबर 3 की पोजिशन और दूसरी की क्या भारत को कुलदीप यादव को खिलाना चाहिए? वहीं कुलदीप को अपनी बारी के लिए एजबेस्टन या ओवल का इंतजार करना पड़ सकता है.

हेडिंग्ले के पहले प्रैक्टिस सेशन में टीम इंडिया का सारा फोकस उसके अपने तेज गेंदबाजों पर रहा. बुमराह, सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा नेट्स पर लगातार बॉलिंग करते दिखे. इन सभी ने टीम के गेंदबाजी कोच मॉर्ने मॉर्केल की निगरानी में अपनी गेंदबाजी पर काम किया. रिपोर्ट में ये भी कहा गया भारतीय टीम मैनेजमेंट शार्दुल और नीतीश दोनों को चुनने का दिलचस्प फैसला कर सकती है.

अश्विन के रिटायरमेंट के बाद कुलदीप टीम इंडिया में जगह पक्की करने में लगे हैं. उन्होंने अभी तक 13 टेस्ट में 56 विकेट चटकाए हैं. इंग्लैंड की जमीन पर कुलदीप ने एकमात्र टेस्ट साल 2018 में खेला था. लॉर्ड्स में खेले उस मुकाबले में वो विकेटलेस रहे थे. इंग्लैंड के खिलाफ उनके रिकॉर्ड की बात करें तो वो कमाल का रहा है. उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 6 टे,ट में 22.28 की औसत से 21 विकेट झटके हैं.ऐसा नहीं है कि भारत लीड्स में पहले 2 स्पिनर के साथ नहीं उतरा. 2002 में जब उसने यहां जीत दर्ज की थी, तो उस मैच में त्तकालीन कप्तान गांगुली ने कुंबले और हरभजन दोनों को खिलाया था. उन दोनों स्पिनर ने मिलकर उस मैच में 11 विकेट भी लिए थे.
ऐसे में अब देखना ये होगा कि नए कप्तान शुभमन गिल और हेड कोच गंभीर क्या फैसला करते हैं

325 रन ठोके, 20 विकेट झटके...

भारत को हराने के लिए इंग्लैंड की टीम में लौटा ये बड़ा खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड की टीम ने लीड्स टेस्ट में टीम इंडिया को हराने के लिए बड़ा दांव चल दिया है. अंग्रेजों की टीम में एक ऐसे खिलाड़ी की वापसी हुई है जिसने गेंद और बल्ले से हमेशा टीम इंडिया को चोट पहुंचाई है. बात हो रही है ऑलराउंडर क्रिस वोक्स की जो इंग्लैंड की टीम में वापस लौटे हैं. इस ऑलराउंडर का भारत के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में अच्छा रिकॉर्ड है. खासतौर पर अपने घर पर तो वोक्स ने टीम इंडिया को हमेशा चुनौती दी है. वोक्स का भारत के खिलाफ कैसा रिकॉर्ड है, ये आप आगे जानिए. क्रिस वोक्स ने टीम इंडिया के खिलाफ 9 टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें वो 40 से ज्यादा की औस तसे 325 रन बना चुके हैं. यही नहीं उन्होंने साल 2018 में लॉर्ड्स टेस्ट में भारत के खिलाफ शतक भी लगाया था. इस मुकाबले में उन्होंने नाबाद 137 रनों की पारी खेली थी. बड़ी बात ये है कि वोक्स ने भारत के खिलाफ ये पारी नंबर 7 पर उतरकर खेली थी. इस पारी के साथ ही उन्होंने 1962 में गॉडफ्रे इवांस का रिकॉर्ड तोड़ा था.

कर्म बदला लेते हैं...

● गंभीर पर निकाली भड़ास? टेस्ट टीम से बाहर हुए खिलाड़ी के पोस्ट से मचा बवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैंचो की टेस्ट सीरीज 20 जून से लीड्स में शुरू हो रही है, लेकिन उससे पहले ही भारतीय टीम के खिलाड़ी के एक इंस्टाग्राम पोस्ट ने हलचल मचा दी है. इस पोस्ट में कर्मो के फल की बात कही गई है. फैंस और क्रिकेट एक्सपर्ट्स के बीच अब उनके इस पोस्ट को लेकर चर्चा गर्म है कि क्या यह खिलाड़ी टीम चयन से नाराज हैं और क्या उनका इशारा टीम मैनेजमेंट या कोच गौतम गंभीर की तरफ है? हम बात कर रहे हैं तेज गेंदबाज मुकेश कुमार, जो अभी इंग्लैंड से भारत लौटे हैं.

भारतीय तेज गेंदबाज मुकेश कुमार इंग्लैंड दौरे पर इंडिया ए टीम का हिस्सा थे, लेकिन उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट टीम में शामिल नहीं किया गया और वह बाकी खिलाड़ियों के साथ भारत लौट आए थे. 18 जून को भारत लौटने के बाद मुकेश ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी में लिखा, हर कर्म का अपने समय से हिसाब होता है. आपको हमेशा सतर्क रहना चाहिए क्योंकि कर्मो की माफ नहीं होती और वो बदला जरूर लेते हैं. हालांकि उन्होंने इस स्टोरी में किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके शब्दों ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी. कई फैंस और क्रिकेट जानकारों का मानना है कि यह पोस्ट कहीं न कहीं टेस्ट टीम के चयन से जुड़ी नाराजगी को दर्शाता है.

गंभीर की पसंद हैं हर्षित

क्रिकेट फैंस में चर्चा है कि गौतम गंभीर की नजरों में हर्षित राणा एक खास खिलाड़ी हैं. गंभीर आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स में बतौर मेंटॉर टीम के साथ रहे थे और हर्षित भी उस समय टीम का हिस्सा थे. उनके सामने ही आईपीएल के इस सीजन में ही हर्षित ने दमदार प्रदर्शन किया था. यही नहीं इंडिया के हेड कोच बनते ही हर्षित ने भारतीय टीम के लिए क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में डेब्यू भी कर लिया था.

इंडिया ए का हिस्सा रहे मुकेश, टेस्ट टीम से बाहर

इंग्लैंड दौरे पर भारत ए और इंग्लैंड लायंस के बीच दो अनौपचारिक टेस्ट मुकाबले खेले गए थे. इस सीरीज के लिए चुनी गई टीम में मुकेश कुमार को भी शामिल किया गया था. मैच में प्रदर्शन के बाद कुछ खिलाड़ियों को टेस्ट टीम में मौका मिला, लेकिन मुकेश को वापस भारत भेज दिया गया था. मुकेश ने इस दौरे पर खेले गए पहले प्रेक्टिस मैच में 25 ओवर में 3 विकेट चटकाए थे और 92 रन दिए थे. उसी मुकाबले में हर्षित राणा ने 27 ओवर में 95 रन देकर सिर्फ एक विकेट ही लिया था. इसके बावजूद मुकेश को नजरअंदाज कर हर्षित को टेस्ट टीम में जगह दी गई है. यही बात अब विवाद की वजह बन गई है.31 वर्षीय मुकेश कुमार ने पिछले दो सालों में भारत की टेस्ट टीम में जगह बनाने के लिए लगातार मेहनत की है. वह अब तक 3 टेस्ट मुकाबलों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनके नाम 52 मैचों में 210 विकेट दर्ज हैं. बावजूद इसके उन्हें टीम से बाहर किया जाना और हर्षित को शामिल किया जाना कई सवाल खड़े कर रहा है. हालांकि बीसीसीआई या खुद मुकेश की तरफ से इस पर कोई औपचारिक बयान नहीं आया है, लेकिन पोस्ट की टाइमिंग और इसके शब्द जरूर संकेत दे रहे हैं कि यह पोस्ट गौतम गंभीर को लेकर ही किया गया था.

लीड्स में पहले टेस्ट से पूर्व करुण नायर चोटिल, 8 वर्षों बाद टेस्ट में कर रहे वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज की शुरूआत से एक दिन पहले भारतीय टीम को झटका लगा है। लगभग 8 वर्षों के बाद टेस्ट क्रिकेट में अपनी बहुप्रतीक्षित वापसी को तैयार करुण नायर अभ्यास के दौरान चोटिल हो गए। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की श्रृंखला 20 जून से शुरू होगी और यह सीरीज आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2025-27 चक्र की शुरुआत भी की है।

नायर 2017 के बाद से अपना पहला टेस्ट खेलने की उम्मीद में थे, लेकिन नेट सत्र के दौरान तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की तेज गेंद से पसलियों पर चोट लग गई। इस चोट के कारण 33 वर्षीय खिलाड़ी असहज महसूस कर रहे थे, हालांकि, उन्होंने जल्द ही बल्लेबाजी फिर से शुरू कर दी। अपने बल्लेबाजी सत्र के बाद उन्होंने सहयोगी स्टाफ और टीम के सदस्यों को चोट दिखाई थी। दाएं हाथ के बल्लेबाज को एक समय भविष्य का सितारा माना जा रहा था क्योंकि वह टेस्ट में तिहरा शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए थे,

लेकिन शानदार प्रदर्शन के बावजूद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। 2024-25 के सत्र में एक ठोस घरेलू सत्र, जिसमें भारत ए बनाम इंग्लैंड लायंस श्रृंखला में हाल ही में दोहरा शतक और विदर्भ की रणजी ट्रॉफी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका शामिल है, ने उन्हें राष्ट्रीय टीम में वापस बुला लिया।

टीमेंः इंग्लैंड की पहले टेस्ट के लिए प्लेइंग 11ः जैक क्रॉउली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रुक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर।

सीरीज के लिए भारतीय टीमः शुबमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जड़ेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रित बुमरा, मोहम्मद। सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा।

मोईन अली के 17 साल के भतीजे ने डेब्यू पर किया धमाका, 213 की स्ट्राइक रेट से ठोके रन, खूब मारे चौके-छक्के

नई दिल्ली, एजेंसी। एक मोईन अली गए तो लगता है इंग्लैंड क्रिकेट में दूसरे मोईन अली की वापसी होने जा रही है. फिलहाल ऐसा कहना जल्दीबाजी है लेकिन आने वाले समय में ये हकीकत भी हो सकता है. हम बात कर रहे हैं 17 साल के इसाक मोहम्मद की, जो रिश्ते में मोईन अली के भतीजे लगते हैं. लेकिन, उनके खेलने का अंदाज और मिजाज बिल्कुल अपने चाचा वाला है. इसाक मोहम्मद ने 18 जून को ञ20 ब्लास्ट में डेब्यू किया. उन्होंने अपना पहला मैच डरहम के खिलाफ खेला, जिसमें उन्होंने 213 से भी ज्यादा की स्ट्राइक रेट से ऐसा धमाका किया कि देखने वाले भी दंग रह गए. इस दौरान उनके बल्ले से ना चौके कम बरसते दिखे और ना छक्के. उन्होंने दोनों के बीच संतुलन बना रखा था.इसाक मोहम्मद ने वोर्सेस्टरशर की ओर से अपना पहला मैच खेला, जिसमें उन्होंने अपने धमाकेदार डेब्यू की शानदार स्क्रिप्ट लिखी.

फिल्म इंडस्ट्री में वेतन असमानता और उम्र पर चित्रांगदा सिंह ने की बात, कहा, बदलाव में समय लगता है

बॉलीवुड अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने आईएएनएस से बात करते हुए फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े दो अहम मुद्दों पर अपनी बात खुलकर रखी, पहली वेतन असमानता और दूसरी 40 की उम्र के बाद अभिनेत्रियों के लिए बदलते अवसर। अपना नजरिया साझा करते हुए चित्रांगदा सिंह ने माना कि फिल्म इंडस्ट्री ने काफी तरक्की की है, लेकिन बदलाव होने में समय लगता है। एक्ट्रेस ने कहा कि पहले के मुकाबले अब महिला और पुरुष कलाकारों के वेतन में जो बड़ा अंतर था, वह थोड़ा कम हुआ है। बात करते हुए चित्रांगदा ने कहा, धीरे-धीरे काफी कुछ बदला है, लेकिन ऐसे बदलावों में वक्त लगता है। रानी मुखर्जी, विद्या बालन, कृति सेनन और तब्बू जैसी अभिनेत्रियों ने इसे बेहतर बनाने में अपनी बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि अब कलाकारों की फीस उस हिसाब से तय हो रही है कि कौन सा अभिनेता या अभिनेत्री ज्यादा दर्शकों को थिएटर तक खींच पाता है। 40 साल से ऊपर की महिलाओं के लिए रोल मिलने के मुद्दे पर बात करते हुए चित्रांगदा सिंह ने माना कि पहले इस उम्र की महिलाओं के लिए खास रोल नहीं लिखे जाते थे, इसलिए कुछ सीमाएं अभी भी हैं, पर हालात पहले से बेहतर हैं। उन्होंने कहा, अब अनुभवी एक्ट्रेस के लिए भी अच्छे किरदार लिखे जा रहे हैं। उन्होंने करीना कपूर का उदाहरण देते हुए कहा, वह इस समय सबसे दिलचस्प और दमदार काम कर रही हैं। एक्ट्रेस के अनुसार, अब काम का तरीका बदल रहा है। अलग-अलग उम्र के एक्टर्स को उनके हिसाब से नए और अलग तरह के मौके दिए जा रहे हैं। उम्र को देखकर रोल कम करने की बजाय, हर उम्र के लिए सही और खास रोल बनाने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि किसी के लिए काम कम हो रहा है। बस, अब अलग तरह के रोल लिखे जा रहे हैं। जैसे कि कोई 20 साल की लड़की को 40 साल वाली महिला का किरदार नहीं दे सकते और 40 साल की महिला को 20 साल वाली लड़की की भूमिका नहीं दे सकते।

एयरपोर्ट से निकलते ही जॉन अब्राहम ने किया नेक काम

अभिनेता जॉन अब्राहम की एक वीडियो सोशल मीडिया पर आई है जो लोगों का दिल जीत रही है। जॉन अब्राहम को आखिरी बार फिल्म द डिप्लोमैट में देखा गया था। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह एक फूलों का गुलदस्ता एक महिला स्टाफ को देते हुए नजर आ रहे हैं। जॉन अब्राहम के इस कारनामे को देख कर उनके फैंस खुश हुए और उन्हें सच्चा इंसान कहा। वायरल हो रही वीडियो क्लिप में देखा जा सकता है कि जॉन अब्राहम एयरपोर्ट से बाहर आ रहे हैं। बाहर आते हुए वह रुकते हैं और महिला स्टाफ का अभिवादन करते हैं। जॉन अब्राहम मुस्कुराते हुए फूलों का एक गुलदस्ता महिला स्टाफ को देते हैं। महिला स्टाफ जॉन के अभिवादन से काफी खुश दिखाई दे रही है। इसके बाद महिला जॉन अब्राहम से कहती है शुक्रिया। सोशल मीडिया पर फैंस जॉन को सच्चा इंसान बता रहे हैं। पैपराजी पेज ताहिर जासूस समेत कई पेजिस पर वीडियो को शेयर किया गया है।

कपिल शो में सलमान की चुटकी

आमिर रुकने वाले नहीं शादी भी परफेक्ट चाहिए

बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 3 के प्रीमियर पर बतौर स्पेशल गेस्ट बनकर शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने अपनी बातों से मजाकिया माहौल बना दिया। नेटफ्लिक्स ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें नए सीजन की रिलीज डेट का ऐलान किया गया। इसके साथ ही पहले एपिसोड की एक झलक भी दिखाई गई, जिसमें सलमान खान नजर आए।

इस वीडियो के साथ नेटफ्लिक्स ने लिखा, सिकंदर के स्टाइल के साथ कपिल की टाइमिंग यानी ब्लॉकबस्टर। द ग्रेट इंडियन कपिल शो वापस आ गया है, हर फनीवार हमारा बढ़ेगा परिवार। पहला एपिसोड 21 जून से, शाम 8 बजे, हर शनिवार सिर्फ नेटफ्लिक्स पर देखें।

मजेदार बातचीत के दौरान, होस्ट और कमीडियन कपिल शर्मा के साथ, सलमान ने हंसते-हंसते बताया कि आमिर की नई

रिलेशनशिप का असली कारण क्या है। इस बात से न सिर्फ दर्शक बल्कि कपिल भी हंस-हंसकर लोटपोट हो गए। इस एपिसोड ने नए सीजन की शुरुआत हंसी-मजाक, दोस्ती और खुलकर बात करने के साथ की, जिससे यह शो फिर से मजेदार होने वाला है। वीडियो की शुरुआत नवजोत सिंह सिद्धू से होती है, जो कहते हैं, आज से हर पल मजेदार होगा। पूरा देश हंसने को तैयार रहेगा। इसके बाद कपिल शर्मा कहते हैं, द ग्रेट इंडियन कपिल शो में आपका स्वागत है। फिर सलमान खान की एंट्री होती है, जो कहते हैं, जो शो पहले हमारे पास हुआ करता था, उसे नेटफ्लिक्स वालों ने ले लिया और मुझे पहला गेस्ट बना दिया। कमाल की ताकत है। इस दौरान कृष्णा अभिषेक अपने सपना के किरदार में नजर आते हैं और सलमान से कहते हैं, टाइगर अभी भी जिंदा है। इस पर सलमान जवाब देते हैं, हां जिंदा है, लेकिन तुम्हारे लिए नहीं है। आमिर खान के बारे में बात करते हुए कपिल, सलमान से कहते हैं, आमिर भाई ने अभी-अभी अपनी गर्लफ्रेंड को फैंस से मिलवाया। वह रुकने वाले नहीं हैं, लेकिन आप तो अभी शुरू भी नहीं हुए!

इस पर हंसते हुए सलमान जवाब देते हैं, आमिर तो कुछ अलग ही हैं। वो परफेक्शनिस्ट हैं, जब तक शादी को भी परफेक्ट नहीं बना लेते... इतना कहने पर ही सभी हंसने लगते हैं। वीडियो के आखिर में सलमान और कपिल एक साथ सुपरहिट फिल्म प्यार किया तो डरना क्या का हिट गाना ओ ओ जाने जाना गाते हुए नजर आते हैं। द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 3 का पहला एपिसोड 21 जून को नेटफ्लिक्स पर शुरू होगा।

अक्षय कुमार बोले-

'हॉलीवुड सुपरहीरो हमारी माइथोलॉजी से इंस्पायर हैं'

अक्षय कुमार इन दिनों दक्षिण भारतीय फिल्म 'कन्नप्पा' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में वह एक खास किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में लीड रोल में विष्णु मांचू हैं। हाल ही में अक्षय कुमार और विष्णु मांचू अपनी इस अपकमिंग माइथोलॉजिकल फिल्म का प्रमोशन कर रहे हैं। एक हालिया इंटरव्यू में अक्षय ने हॉलीवुड फिल्मों को लेकर बड़ा बयान दिया। फिल्म 'कन्नप्पा' एक माइथोलॉजिकल फिल्म है। इस फिल्म में भक्ति, विश्वास की बहुत ही अनोखी कहानी दर्शकों को देखने को मिलेगी। इस फिल्म के प्रमोशन के दौरान ही अक्षय कुमार और विष्णु मांचू ने हॉलीवुड फिल्मों को लेकर कहा कि वे लोग हमारी माइथोलॉजी से इंस्पायर होकर सुपरहीरो वाली फिल्में बनाते हैं।

हॉलीवुड की कहानियां हमारी कहानियों से इंस्पायर

हालिया बातचीत में अक्षय कुमार कहते हैं, 'हमारे पास बहुत सारी कहानियां हैं। मेरा पर्सनली मानना है कि हॉलीवुड वाले हमारी कहानियों से बहुत कुछ लेते हैं। उनके सुपरहीरो, सुपरहीरो की पावर, हमारी माइथोलॉजिकल स्टोरी से इंस्पायर हैं। हमारे पास जिस तरह की कहानियां हैं वे बेहतरीन हैं। मुझे फिल्म करने से पहले कन्नप्पा की कहानी नहीं पता थी।' फिल्म 'कन्नप्पा' की कहानी को अक्षय बेहतरीन और कमाल की बताते हैं।

विष्णु मांचू ने भी सहमति जाहिर की अक्षय कुमार की बात पर फिल्म 'कन्नप्पा' के लीड एक्टर विष्णु मांचू भी सहमत नजर आते हैं। वह कहते हैं, ' हॉलीवुड फिल्म 'स्टार वॉर्स' भी महाभारत से इंस्पायर है।' विष्णु आगे कहते हैं, 'हॉलीवुड फिल्म 'ईटी (श्रज्ञ)' भी सत्यजीत रे की लिखी गई एक स्क्रिप्ट से इंस्पायर रही है।' बताते चलें कि स्टीवन स्पीलबर्ग की फिल्म 'ईटी(1982)' जब रिलीज हुई तो ऐसा माना गया कि यह फिल्म सत्यजीत रे की कहानी 'द एलियन' की कॉपी है।

अक्षय का 'कन्नप्पा' में रोल और कहानी फिल्म 'कन्नप्पा' की बात करें तो इसमें विष्णु मांचू ने कन्नप्पा की भूमिका निभाई है, जो भगवान शिव का बहुत बड़ा भक्त है। भगवान शिव की भूमिका में अक्षय कुमार नजर आ रहे हैं। इनके अलावा फिल्म में काजल अग्रवाल और प्रभास भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

दिलवालों को हिना खान का मैसेज

फूल देने वाला नहीं, फूलों की तरह रखने वाला ढूंढो

टेलीविजन अभिनेत्री हिना खान ने पति रॉकी जायसवाल के साथ एक खुशनुमा पल साझा करके निजी जिंदगी की एक दिल को छू लेने वाली झलक दिखाने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पति के साथ एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उनके पति रॉकी प्यार से हिना के पैरों में तेल लगाते नजर आ रहे हैं। उन्होंने क्लिप के बैकग्राउंड में जैन जोहैब का गाना 'रांझेया वे' को जोड़ा है। वीडियो के साथ, हिना ने कैप्शन में लिखा, शायद ऊपर वाले ने जिस्म की तकलीफ दी, पर रूह का सुख भी दिया। वहीं, वीडियो के क्लिप पर लिखा था, फूल देने वाला नहीं, फूल की तरह रखने वाला ढूंढो। हिना और रॉकी लंबे समय से एक-दूसरे के साथ रिश्ते में थे। 4 जून को दोनों ने अपने परिवार के सदस्यों और करीबी लोगों की मौजूदगी में आयोजित एक निजी समारोह में शादी की। अपनी शादी का वीडियो साझा करते हुए, हिना ने इंस्टाग्राम पर लिखा, मैं इस खास दिन पर खुद को उतना ही साधारण रखने में कामयाब रही, जितना मैंने सोचा था। न भारी लहंगा, न भारी मेकअप, न हेयरस्टाइल। उन्होंने कहा कि उन्हें चमक-दमक की जरूरत नहीं, क्योंकि उनके आसपास का प्यार और देखभाल ही उन्हें चमकाता है।

हिना ने लिखा, मैं अपने चारों ओर प्यार की आभा से संतुष्ट हूं। यही मेरे लिए मायने रखता है। शादी के दिन हिना ने खास साड़ी पहनी थी। इस पर हिना और रॉकी के नाम जरी के साथ कढ़ाई में लिखे थे, जो इस पल को और खास बनाता है। उन्होंने कुंदन ज्वेलरी, नेकपीस, झुमके, चूड़ियां और मांग टीका के साथ अपने लुक को पूरा किया। मेकअप में उन्होंने गोल्डन आईशैडो, हल्का काजल, मस्कारा, पिंक ब्लश को चुना, जो उनकी सादगी को और निखार रहा था।

एक नई भाषा में काम करना मेरे लिए चुनौती थी तमिल डेब्यू पर बोलीं मिथिला पालकर

अभिनेत्री मिथिला पालकर फिल्म ओहो एंथन बेबी के साथ तमिल फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू कर रही हैं। उन्होंने कहा कि नई भाषा में प्रदर्शन करना उनके लिए एक ऐसा चुनौती थी, जिसके बारे में उन्होंने कभी सोचा नहीं था। मिथिला ने बताया कि एक अभिनेत्री के तौर पर वह हमेशा ऐसी चीजें करने की कोशिश करती हैं, जो उन्हें कम्फर्ट जोन से बाहर ले जाए। उन्होंने कहा, यह मुझे न केवल पेशेवर रूप से बल्कि व्यक्तिगत रूप में आगे बढ़ने में मदद करती है। उन्होंने कहा कि एक नई भाषा सीखना और उसमें अभिनय करना उनके लिए एक ऐसी चुनौती थी, जिसके बारे में उन्होंने पहले कभी नहीं सोचा था। लिटिल थिंग्स, कारवां और चॉपस्टिक्स के लिए मशहूर मिथिला ने कहा कि उन्हें अब तक हिंदी और मराठी में ही काम करने का मौका मिला था। बता दें कि तमिल फिल्म ओहो एंथन बेबी में मिथिला के अगेंस्ट रुद्र मुख्य भूमिका में रहेंगे। फिल्म का पहला पोस्टर मई में रिलीज किया गया था। पोस्टर में अभिनेत्री लाल रंग की ड्रेस पहने नीचे बैठे अभिनेता रुद्र द्वारा पकड़े गए कैमरे के सामने पोज देती दिखाई दे रही हैं। कृष्णकुमार रामकुमार द्वारा निर्देशित रोमांटिक-कॉमेडी ओहो एंथन बेबी में दर्शकों को प्यार और रिश्तों पर एक नया और अनोखा नजरिया देखने को मिलेगा।

लाइव परफॉर्मेंस चुनौतीपूर्ण लेकिन मजेदार होती है: जोनिता गांधी

प्लेबैक सिंगर जोनिता गांधी हाल ही में रिलीज हुए नए गाने बेपरवाई की सफलता का आनंद ले रही हैं। आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने लाइव ऑडियंस के सामने परफॉर्म करने के अनुभव के बारे में बात की है। जोनिता गांधी ने एक इंटरव्यू में बताया कि लाइव परफॉर्मेंस करते समय उन्हें

हमेशा सतर्क रहना पड़ता है, क्योंकि स्टेज पर गाते वक्त एक साथ बहुत सी चीजें होती हैं, जिन पर ध्यान देना पड़ता है। जोनिता गांधी ने कहा, लाइव गाना गाते वक्त बहुत ध्यान और तैयारी की जरूरत होती है, क्योंकि आपको सिर्फ एक ही मौका मिलता है। स्टेज पर जब आप गाना गाते हैं, तो उसी समय सबकुछ सही करना होता है, इसके लिए कोई दूसरा मौका नहीं मिलता। वहीं, स्टूडियो में गाना रिकॉर्ड करते वक्त आप बार-बार रीटेक ले सकते हैं। अगर कुछ गलती हो जाए या कुछ अच्छा न लगे, तो उसमें सुधार सकते हैं और दोबारा गा सकते हैं। लेकिन, लाइव परफॉर्मेंस में ऐसा नहीं होता, आपको एक ही बार में सबकुछ सही करना होता है और यही बात इस काम को मजेदार और चुनौतीपूर्ण बनाती है। लाइव परफॉर्मेंस में कई तरह की चुनौतियां होती हैं। सिर्फ गाना ही नहीं, कलाकार को और भी कई चीजों का ध्यान रखना पड़ता है। उन्हें खास तरह से दिखना होता है और स्टेज प्रोडक्शन का भी ध्यान रखना पड़ता है। यह सब एक साथ करना मुश्किल होता है। इन सबसे कलाकार कैसे निपटते हैं?

इस सवाल के जवाब में जोनिता ने कहा, जब आप लाइव परफॉर्म करते हैं, तो सिर्फ गाना नहीं होता, साथ में बहुत सारी चीजें होती हैं, जैसे लाइटिंग, कोरियोग्राफी, आउटफिट, चेहरे के एक्सप्रेशन, इन सबका ध्यान रखना होता है। जबकि, स्टूडियो में गाते समय, इन चीजों की जरूरत नहीं होती। वहां आप बस गाना गाते हैं या कुछ नया बनाते हैं। लेकिन, स्टेज पर ये सारी चीजें नहीं होती हैं, इन सब चीजों को एक बोझ की तरह नहीं, बल्कि एक मौका मानना चाहिए। इनका सही इस्तेमाल करके आप अपनी परफॉर्मेंस का एक शानदार अनुभव बना सकते हैं। इससे ऑडियंस ज्यादा जुड़ाव महसूस करती है।

हिना के बाद पलक तिवारी पहुंचीं साउथ कोरिया, श्वेता तिवारी की 24 साल की बेटी ने लूटा मजमा, फैंस बोले- परी लग रही

पलक तिवारी साउथ कोरिया में हैं। वो वहां से पोस्ट शेयर कर रही हैं, जिनमें वो बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। खासकर नया वाला पोस्ट। फैंस का कहना कि इसमें वो किसी सिन्ड्रैला से कम नहीं दिख रही हैं। श्वेता तिवारी की 24 साल की बेटी हर तरफ छाई हुई हैं। टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी तो चर्चा में रहती ही हैं, उनकी 24 साल की बेटी पलक तिवारी भी लाइमलाइट चुराने में पीछे नहीं हटतीं। बीते दिनों हिना खान साउथ कोरिया गई थीं, जहां गुलाबी ड्रेस में कहर ढाया था। अब पलक ने भी दक्षिण कोरिया में कदम रखा है और वहां पहुंचकर वो बेहद खुश हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट शेयर किए हैं, जो वायरल हो रहे हैं। खासकर नया वाला पोस्ट, जिसमें वो हल्की नीली रंग की ड्रेस में परी जैसी दिख रही हैं।

बॉर्डर 2 के सेट पर

दिलजीत दोसांझ ने मजेदार अंदाज में की इंग्लिश कमेंट्री

दिलजीत दोसांझ ने हाल ही में अपनी फिल्म सरदार जी 3 की शूटिंग खत्म की। अब उन्होंने अपनी नई फिल्म बॉर्डर 2 की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म की तीसरी शूटिंग शेड्यूल पुणे के नेशनल डिफेंस एकेडमी में चल रही है। दिलजीत दोसांझ ने शूटिंग के मजेदार पलों की एक झलक फैंस के साथ साझा की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर फिल्म के सेट से एक बीटीएस वीडियो शेयर किया। इस पोस्ट की सबसे मजेदार बात यह है कि दिलजीत इसमें इंग्लिश कमेंट्री करते दिख रहे हैं। उनकी बातों और अंदाज ने वीडियो को खास बना दिया है। वीडियो की शुरुआत में दिखाया गया कि दिलजीत कार में बैठकर फिल्म बॉर्डर 2 के सेट की तरफ जा रहे हैं।

रास्ते में तेज बारिश हो रही है। इस पर दिलजीत ने मजेदार अंदाज में कमेंट्री करते हुए अंग्रेजी में कहा, इट इज वेरी विटी वेदर, इट इज ड्रिजलिंग, इसका मतलब है कि मौसम बड़ा मजेदार है, हल्की बारिश हो रही है। वीडियो के आगे दिलजीत सेट पर पहुंचते हुए नजर आते हैं, इस पर वह अपने मजाकिया अंदाज में कहते हैं, संदेशे आते हैं और संदेशे जाते हैं और हम भी आ गए हैं सेट पे। दरअसल, ये लाइन फिल्म बॉर्डर के फेमस गाने से जुड़ी हुई है। इसके बाद वह सेट पर आराम से बैठे हुए दिखते हैं और कहते हैं, बिकॉज ऑफ विटी वेदर, शूटिंग इज डिले, मी एंजॉइंग दी वेदर। इसका मतलब है कि मौसम मजेदार है, बारिश की वजह से शूटिंग लेट हो गई है। मैं मौसम का मजा ले रहा हूं। इस पूरे वीडियो में दिलजीत का मस्तीभरा और फनी अंदाज लोगों को बहुत पसंद आ रहा है। थोड़ी देर आराम करने के बाद, दिलजीत ने बॉर्डर 2 की टीम से मुलाकात की। उन्होंने कहा, सारी कास्ट, प्रोड्यूसर और डायरेक्टर एक ही जगह इकट्ठा हो गए हैं, चलो शुरू करते हैं!

साभार एजेंसी